www.tamsasanket.com
वर्षः 06 || अंक 182 || लखनऊ
शनिवार
03 अक्टूबर 2026 || पृष्ठः 08 || मूल्यः ₹2
आज़ादी का अमृत महोत्सव
https://epaper.tamsasanket.com
दैनिक
तमसा संकेत
लखनऊ व अम्बेडकर नगर से एक साथ प्रकाशित
» डॉ. लोहिया की जन्म भूमि से सर्वप्रथम प्रकाशित समाचार पत्र

मौसम
सूर्योदयः 05:58
सूर्यास्तः 05:52
अधिकतमः 34°00
न्यूनतमः 24°00



पेज 07

विशेष समाचार
टिन के डिब्बों से एशियाई स्वर्ण ... >> पेज 04
मुरादाबाद में पिज्जा की दुकान... >> पेज 06
एक्ट्रेस नुसरत भरूचा को रीढ़ की ...

पहले 75 किमी प्रति घंटे की अधिकतम गति से गुजरती थी ट्रेनें

बताते चलें कि इससे पहले 111 किलोमीटर लंबे श्री माता वैष्णो देवी कटरा-बनिहाल रेल सेक्शन पर ट्रेनों की अधिकतम गति सीमा 75 किमी प्रति घंटा थी, जिसे बढ़ाकर अब 100 किमी प्रति घंटा कर दिया गया है। आज बढ़ी हुई स्पीड का सफलतापूर्वक ट्रायल भी किया गया। वंदे भारत एक्सप्रेस (ट्रेन नंबर- 26401/26404) ने दुनिया के सबसे ऊंचे चिनाब ब्रिज और भारत के पहले केबल-स्टे अंजी पुल को 100 किमी प्रति घंटे की स्पीड से पार करके एक नया रिकॉर्ड बनाया।



सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पर एक पोस्ट में रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव ने कहा- आज का दिन ऐतिहासिक है। आज बढ़ी हुई स्पीड का सफल परीक्षण किया गया। वंदे भारत एक्सप्रेस ने दुनिया के सबसे ऊंचे चिनाब ब्रिज और भारत के पहले केबल-स्टे वाले अंजी ब्रिज को 100 किमी/घंटा की रफ्तार से पार करके एक नया रिकॉर्ड बनाया।

महाराष्ट्र के अमरावती में ट्रक-पिकअप वैन की टक्कर

अमरावती। महाराष्ट्र के अमरावती जिले में समृद्धि हाईवे पर शुक्रवार को भीषण सड़क हादसा हुआ। यहां तेज रफ्तार ट्रक ने पीछे से पिकअप वैन को टक्कर मार दी। हादसे में 7 लोगों की मौत हो गई, जबकि 18 लोग गंभीर रूप से घायल हुए हैं। जानकारी के मुताबिक, पिकअप में श्रद्धालु देवी दुर्गा की प्रतिमा लेकर जा रहे थे। पिकअप की रफ्तार कम थी और उसके पीछे ट्रॉली लगी हुई थी। इसी दौरान पीछे से आए तेज रफ्तार ट्रक ने ट्रॉली को जोरदार टक्कर मार दी। टक्कर इतनी भीषण थी कि ट्रॉली पूरी तरह क्षतिग्रस्त हो गई। हादसे की जानकारी मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और राहत-बचाव का काम शुरू किया। पुलिस ने ट्रक ड्राइवर को हिरासत में ले लिया है। सभी घायलों को इलाज के लिए वर्धा के अस्पताल में भर्ती कराया गया है।

गांधी जयंती पर सीएम योगी ने चरखा चलाया

लखनऊ में बच्चों ने 'वैष्णव जन तो तेने कहिए' सुनाया

आत्मनिर्भरता

तमसा संकेत, एजेंसी

लखनऊ। गांधी जयंती पर लखनऊ में सीएम योगी आदित्यनाथ ने गांधी आश्रम में चरखा चलाया। उन्होंने गांधी जी के स्वदेशी और स्वावलंबन के संदेश को जीवन में अपनाने की अपील की। सीएम ने कहा- गांधी जी ने शांतिपूर्ण तरीके से आंदोलनों का नेतृत्व किया और उन्हें जनआंदोलन बनाया। गांधी आश्रम के कपड़ों और चरखे से उनकी बचपन की यादें जुड़ी हैं। चरखा सिर्फ चरखा नहीं, बल्कि भारत के स्वावलंबन और आत्मनिर्भरता का प्रतीक है।

>> (शेष पेज 06 पर)



- सीएम योगी ने गांधी आश्रम में बापू की प्रतिमा पर माल्यार्पण कर श्रद्धा सुमन अर्पित किए।
- मुख्यमंत्री के बगल में बैठकर डिप्टी सीएम ब्रजेश पाठक ने भी चरखा चलाया।

रेलवे ने जम्मू-श्रीनगर वंदे भारत का वीडियो पोस्ट किया, यह पुल एफिल टावर से 35 मीटर ऊंचा

दुनिया के सबसे ऊंचे ब्रिज पर 100 किमी/घंटा से दौड़ी ट्रेन

सफलता

तमसा संकेत, एजेंसी

जम्मू। भारतीय रेलवे ने जम्मू-कश्मीर में 1178 फीट की ऊंचाई पर बने दुनिया के सबसे ऊंचे चिनाब रेलवे ब्रिज पर वंदे भारत एक्सप्रेस को 100 किमी प्रति घंटे की स्पीड से सफल-तापूर्वक क्रॉस कराया। इतना ही नहीं, वंदे भारत एक्सप्रेस ने भारत के पहले केबल-स्टे वाले अंजी ब्रिज को भी 100 किमी प्रति घंटे की रफ्तार से क्रॉस किया। केंद्रीय रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव ने इसका वीडियो भी शेयर कर इसे ऐतिहासिक पल बताया।

>> (शेष पेज 06 पर)



इस सफल ट्रायल के बाद 111 किलोमीटर लंबे श्री माता वैष्णो देवी कटरा-बनिहाल सेक्शन पर अधिकतम ट्रेन की स्पीड को 75 किमी/घंटा से बढ़ाकर 100 किमी/घंटा कर दिया गया है।

जम्मू-श्रीनगर के बीच 2 मई से शुरू हुई थी वंदे भारत

जून 2025 में कश्मीर रेल लिंक का काम पूरा होने के बाद वंदे भारत एक्सप्रेस शुरू में कटरा और श्रीनगर के बीच चलाई गई थी। अप्रैल 2026 में इसे जम्मू तवी तक बढ़ाया। साथ ही ट्रेन में कोच की संख्या आठ से बढ़ाकर 20 कर दी गई। रेल मंत्रालय के मुताबिक जम्मू-श्रीनगर के बीच नियमित सेवा 2 मई को शुरू हुई। रेल मंत्रालय ने अगस्त में कहा था कि अब लगभग 81% नेटवर्क को 110 किमी प्रति घंटे या उससे ज्यादा की स्पीड के लिए अपग्रेड कर दिया गया है। 2014 में यह आंकड़ा करीब 40% था।

चिनाब ब्रिज से गुजरती हैं ये 3 ट्रेनें

बताते चलें कि अभी चिनाब ब्रिज से कुल 3 पैसेंजर ट्रेनें गुजरती हैं। इनमें ट्रेन नंबर- 26401/26402 जम्मू तवी-श्रीनगर वंदे भारत एक्सप्रेस, 26403/26404 जम्मू तवी-श्रीनगर वंदे भारत एक्सप्रेस और 14687/14688 श्रीमाता वैष्णो देवी कटरा-बनिहाल एक्सप्रेस के शामिल हैं। बताते चलें कि इस साल जून में जम्मू तवी-श्रीनगर वंदे भारत एक्सप्रेस को अनंतनाग में भी स्टॉपेज दिया गया था। इससे पहले ये ट्रेन शहीद कैप्टन तुषार महाजन (उधमपुर), श्रीमाता वैष्णो देवी कटरा, रियासी और बनिहाल रेलवे स्टेशनों पर रुकती थी।

अंजी ब्रिज- भारत का पहला केबल-स्टे रेलवे ब्रिज

इसी तरह अंजी ब्रिज भारत का पहला केबल-स्टे रेलवे ब्रिज है। अंजी नदी घाटी पर बना यह पुल कटरा और बनिहाल के बीच स्थित है। इस रूट पर देश की सबसे लंबी ऑपरेशनल ट्रांसपोर्टेशन टनल भी स्थित है जो 12.77 किमी लंबी है।

इस पुल की कुल लंबाई 725.5 मीटर है। इसमें से 472.25 मीटर का हिस्सा केबल्स पर टिका हुआ है। इस ब्रिज को 4 हिस्सों में बांटकर बनाया गया है। इस पुल के बीच में बने टावर की नदी के तल से ऊंचाई 331 मीटर है।

ब्रिज का बीच का हिस्सा 290 मीटर का है, जिसमें से 52.5 मीटर का काम बचा हुआ है।

तमिलनाडु : हाईवे बोर्ड पर हिंदी लिखने पर 2 अधिकारी सस्पेंड

तमिल-अंग्रेजी में जगहों के नाम लिखने का नियम

कार्यवाई

तमसा संकेत, एजेंसी

चेन्नई। तमिलनाडु सरकार ने शुक्रवार को नेशनल हाईवे साइनबोर्ड पर हिंदी लिखने के मामले में दो असिस्टेंट इंजीनियर को सस्पेंड कर दिया। मामला तूतीकोरिन के सत्तानकुलम-नाजरेथ स्टेट हाईवे (SH-93) का है, जहां नए साइनबोर्ड पर तमिल और अंग्रेजी के साथ कस्बों के नाम हिंदी में भी लिखे गए थे। तमिलनाडु सरकार के मुताबिक यह राज्य की दो-भाषा नीति का उल्लंघन है। हिंदी हटाने के साथ दोनों अधिकारियों पर विभागीय कार्रवाई शुरू कर दी गई है। 2026 में हिंदी में लिखे नाम मिटाने का तीसरा मामला है। इससे पहले मार्च में तिरुचिरापल्ली डिविजनल रेलवे ऑफिस के नए भवन के एंट्री गेट पर लिखा कर्तव्य द्वार मिटाया गया था।

>> (शेष पेज 06 पर)



एनएच-एसएच पर साइनबोर्ड के नियम

नेशनल हाईवे और स्टेट हाईवे के नियमों में अंतर हो सकता है। राज्य अपने अधिकार क्षेत्र की सड़कों के लिए अपनी भाषा नीति लागू कर सकता है। इसके अलावा कई राज्यों में दुकानों और व्यावसायिक प्रतिष्ठानों के साइनबोर्ड के लिए स्थानीय भाषा के नियम हैं। जैसे पंजाब में पंजाबी और कर्नाटक में कन्नड़ के इस्तेमाल को स्थानीय कानूनों के तहत जरूरी किया गया है।

फास्ट न्यूज

यूपी के 14 शहरों में बाढ़, मंदिरों-स्कूलों में भरा पानी

नई दिल्ली। उत्तर प्रदेश में बारिश रुकने के बावजूद गंगा, शारदा समेत 15 नदियां खतरे के निशान के करीब हैं। उन्नाव में सई नदी का पानी 12 से ज्यादा गांवों में घुस गया है। लखनऊ के निचले इलाकों में 5 फीट तक पानी भर गया है। बाराबंकी में स्कूलों और मंदिरों में भी पानी घुस गया है।

एसआईआर में छूटे और नए मतदाताओं के नाम जोड़े जाएंगे

नई दिल्ली। स्पेशल इंटेंसिव रिवीजन (SIR) पूरा कर चुके 20 राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों में चुनाव आयोग विशेष अभियान चलाएगा। इसमें SIR के दौरान छूटे लोगों और 18 साल की उम्र पूरी कर चुके नए मतदाताओं के नाम मतदाता सूची में जोड़े जाएंगे।

चुनाव आयोग ने यह निर्देश 29 सितंबर को लिखित रूप में दिया था। गुरुवार को सभी राज्यों के मुख्य निर्वाचन अधिकारियों (CEOs) के साथ हुई वीडियो कॉन्फ्रेंस में भी इसे दोहराया गया।

हैदराबाद मंदिर में संतोषी माता की मूर्ति तोड़ने की कोशिश

हैदराबाद। हैदराबाद के दिलसुखनगर बस डिपो के पास शुक्रवार को एक व्यक्ति ने मंदिर में पुजारी पर हमला किया। उसने देवी की मूर्ति पर भी डंडे मारे।

यह घटना संतोषी माता मंदिर में हुई। मंदिर में मौजूद लोगों ने कथित हमले को देखा और आरोपी को पकड़ लिया।

धर्म संकट में आया तो देश खामियाजा भुगतेगा : भागवत

धर्म और राष्ट्र अलग-अलग नहीं, दोनों एक-दूसरे पर निर्भर

तमसा संकेत, एजेंसी

नई दिल्ली। RSS प्रमुख मोहन भागवत ने शुक्रवार को कहा कि भारत में धर्म और राष्ट्र अलग नहीं हैं। राष्ट्र का उद्देश्य धर्म है और धर्म राष्ट्र को बनाए रखने में मदद करता है। धर्म संकट में आया तो देश खामियाजा भुगतेगा। मोहन भागवत ने कहा, हमारा राष्ट्र और धर्म अलग नहीं हैं। राष्ट्र का उद्देश्य धर्म है और धर्म राष्ट्र को बनाए रखता है। दोनों एक-दूसरे पर निर्भर हैं। अगर एक मौजूद है, तो दूसरा भी मौजूद है। अगर एक नहीं है, तो दूसरा भी नहीं है। भागवत ने मुंबई में ऑल इंडिया विहार सेवा ग्रुप के 14वें सम्मेलन



को संबोधित किया। उन्होंने कहा कि दुनिया विकास और पर्यावरण सुरक्षा, व्यक्तिगत स्वतंत्रता और पारिवारिक जीवन के बीच संतुलन खोज रही है।

भारत ने दूसरे देशों पर कब्जा करने या लोगों का धर्म बदलने की कोशिश किए बिना अपना ज्ञान दुनिया से साझा किया। दुनिया जानती है कि रास्ता भारत से निकलेगा। भारत के पास वेद, उपनिषद, रामायण, महाभारत और गीता जैसी विशाल ज्ञान परंपरा है। इसमें जैन आगम, त्रिपिटक, गुरु ग्रंथ साहिब और संतों की शिक्षाएं भी शामिल हैं।

हमारे देश के पास ज्ञान का बहुत बड़ा खजाना है, जिसकी आज दुनिया को जरूरत है। भक्ति की शक्ति से ईश्वर के करीब पहुंचा जा सकता है। इस ज्ञान को आगे बढ़ाने वाले लोगों के जीवन और परंपराओं को बचाना सिर्फ धार्मिक जिम्मेदारी नहीं है। यह मानवता की सेवा भी है आप सिर्फ एक जीवन की रक्षा नहीं कर रहे हैं। आप पूरी मानव जाति के सुरक्षित भविष्य की रक्षा कर रहे हैं।

एसआईआर का विरोध, ज्ञानेश कुमार का इस्तीफा मांगा, कहा- मुंबई सिर्फ ट्रेलर, दिल्ली में फाइनल होगा

जंतर-मंतर के 68 दिन बाद मुंबई में सीजेपी का प्रदर्शन

विरोध

तमसा संकेत, एजेंसी

मुंबई/दिल्ली। कॉकरोच जनता पार्टी ने शुक्रवार को मुंबई के शिवाजी पार्क में मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार के इस्तीफे के लिए प्रदर्शन किया। इस दौरान स्टेज पर मौजूद सभी लोग गांधी जी की फोटो वाली टी-शर्ट पहनकर पहुंचे। इससे पहले CJP ने 19 जून से 25 जुलाई तक दिल्ली के जंतर-मंतर पर धर्मेंद्र प्रधान (पूर्व शिक्षा मंत्री) के इस्तीफे की मांग को लेकर प्रदर्शन किया था। 36 दिन



के विरोध के बाद प्रधान ने इस्तीफा दे दिया था। CJP के फाउंडर अभिजीत दीपके ने कहा- जब भारत के प्रधानमंत्री अमेरिका जाते हैं, तब भी वहां कहा जाता है कि ये गांधी के देश से आए हैं। गांधी देश की आत्मा हैं, आंबेडकर रीढ़ की हड्डी और नेहरू दिमाग हैं।

>> (शेष पेज 06 पर)

दीपके का आरोप- बीजेपी 'एक देश, एक पार्टी' चाहती

मुंबई में चल रहे प्रदर्शन के बीच अभिजीत ने आरोप लगाया कि 'एक देश, एक चुनाव' सिर्फ एक नारा है। दरअसल, BJP 'एक देश, एक पार्टी' चाहती है। मुंबई में विरोध प्रदर्शन के दौरान CJP नेता सौरव दास ने कहा कि दिल्ली पुलिस ने फिर से बर्बरता की है।



प्रचार : नंदीग्राम में बीजेपी प्रत्याशी के लिए प्रचार करने पहुंचे, इसी सीट पर ममता को हराया था

बंगाल से टीएमसी का नाम-ओ-निशान मिट गया : शुभेंदु

तमसा संकेत, एजेंसी

नंदीग्राम। पश्चिम बंगाल के मुख्यमंत्री शुभेंदु अधिकारी ने शुक्रवार को नंदीग्राम में BJP प्रत्याशी के लिए प्रचार करने पहुंचे। उन्होंने कहा कि राज्य से तृणमूल कांग्रेस का नाम और निशान मिटा दिया गया है।

अधिकारी BJP की नंदीग्राम उपचुनाव प्रत्याशी हसिरानी रथ के लिए प्रचार कर रहे थे। उन्होंने लोगों से कहा कि वे उपचुनाव में वोटिंग के जरिए सभी प्रतिद्वंद्वी प्रत्याशियों की जमानत जब्त करवाएं।

नंदीग्राम उपचुनाव पूर्व मेदिनीपुर जिले में होगा। इसके अलावा मुर्शिदाबाद जिले की रेजीनगर सीट पर भी उपचुनाव होगा।

अधिकारी ने बताया कि चुनाव आयोग ने ममता बनर्जी और अरूप रॉय



गुटों को अलग-अलग नाम और चुनाव चिह्न दिए हैं। किसी का नाम लिए बिना उन्होंने कहा, "मुख्य चोर भी जेल जाएगा।"

दोनों सीटों पर 6 अक्टूबर को मतदान होगा।

मदुरांतकम और धारापुरम- ये दोनों विधानसभा सीटें मरागथम कुमारवेल और पी. सत्यबामा के इस्तीफे के बाद खाली हुई थीं। दोनों सीटों की फाइनल वोटर लिस्ट 23 फरवरी को जारी की गई।

सीएम अधिकारी के पीए की मां हैं हसिरानी

हसीरानी रथ CM शुभेंदु अधिकारी के पीए चंद्रनाथ रथ की मां हैं। 6 मई की देर रात मध्यमग्राम के पास चंद्रनाथ को गोली मार दी गई थी। गंभीर हालत में उन्हें अस्पताल ले जाया गया, जहां बाद में उनकी मौत हो गई।

नंदीग्राम में लगातार 2 बार से भाजपा जीत रही

नंदीग्राम लंबे समय से TMC और भाजपा के बीच राजनीतिक संघर्ष का प्रमुख केंद्र रहा है। इस क्षेत्र में 2007 के भूमि अधिग्रहण विरोधी आंदोलन ने ममता बनर्जी और TMC को 2011 में सत्ता तक पहुंचाने में बड़ी भूमिका निभाई थी।

2021 में ममता बनर्जी ने यहीं से बंगाल के मौजूदा सीएम शुभेंदु अधिकारी के खिलाफ चुनाव लड़ा, लेकिन हार गईं। 2026 के विधानसभा चुनाव में शुभेंदु अधिकारी ने नंदीग्राम के साथ भवानीपुर सीट से भी चुनाव लड़ा और दोनों जगह जीत दर्ज की। बाद में अधिकारी ने भवानीपुर सीट अपने पास रखी और नंदीग्राम से इस्तीफा दे दिया। इसके बाद नंदीग्राम सीट खाली हुई।

गांधी जयंती पर मोदी-राहुल बच्चों से मिले

पीएम ने कंधे पर हाथ रखकर बातचीत की

मुलाकात

तमसा संकेत, एजेंसी

नई दिल्ली। महात्मा गांधी की 157वीं जयंती पर सत्ता और विपक्ष के सांसद संविधान सदन (पुराने संसद भवन) पहुंचे। यहां उन्होंने महात्मा गांधी श्रद्धांजलि दी। इस कार्यक्रम में स्कूली बच्चों को भी इनवाइट किया गया था। पीएम मोदी, राहुल गांधी और प्रियंका गांधी ने वहां स्कूली बच्चों से बात की। पीएम छात्रों के एक ग्रुप के पास पहुंचे, स्टूडेंट के कंधे पर हाथ रखकर हालचाल जाना। वहीं राहुल ने एक बच्ची को अपने पास बिठाया और उसे अपने मोबाइल में कुछ दिखाया। इस दौरान



बच्ची और राहुल दोनों हंसते नजर आए। इससे पहले सभी नेताओं ने नई दिल्ली में महात्मा गांधी के समाधि स्थल राजघाट पर श्रद्धांजलि दी। महात्मा गांधी के अलावा आज लालबहादुर शास्त्री की भी 122वीं जयंती है। शास्त्री का जन्म 2 अक्टूबर 1904 में यूपी के मुगलसराय में हुआ था। शाम को गांधी स्मृति पर प्रार्थना सभा हुई। इसमें प्रधानमंत्री मोदी भी पहुंचे और पुष्पांजलि दी।

मंत्री ए के शर्मा ने राष्ट्रपिता महात्मा गांधी जी और पूर्व प्रधानमंत्री लाल बहादुर शास्त्री जी को किया नमन

स्वच्छता के साथ पर्यावरण संरक्षण भी हमारी सामूहिक जिम्मेदारी

कार्यक्रम

- गांधी जी के स्वच्छता के सपने को प्रधानमंत्री मोदी जी ने जनचेतना का रूप दिया: मंत्री ए.के. शर्मा
- आज देश का हर स्वच्छताकर्मी गांधीजी और मोदी जी के स्वच्छता संकल्प को आगे बढ़ा रहा



मंत्री ए.के. शर्मा ने कारगिल शहीद कैप्टन मुकेश श्रीवास्तव को नमन कर किया श्रमदान एवं वृक्षारोपण

इस अवसर पर मंत्री ए.के. शर्मा ने सफाई मित्रों से संवाद किया और उनके कार्यों एवं समस्याओं की जानकारी ली। उन्होंने स्वच्छता कर्मियों को टूलकिट एवं प्रशस्ति पत्र प्रदान कर सम्मानित किया। साथ ही कार्यक्रम में उपस्थित लोगों को स्वच्छता की शपथ दिलाते हुए स्वच्छ एवं स्वस्थ लखनऊ के निर्माण में सक्रिय भागीदारी का आह्वान किया।





पूर्व प्रधानमंत्री श्री लाल बहादुर शास्त्री जी की जयंती के अवसर पर इंदिरा प्रियदर्शिनी वार्ड स्थित रघुवर मैरिज हॉल में आयोजित कार्यक्रम में प्रतिभाग किया। इस अवसर पर उन्होंने राष्ट्रपिता महात्मा गांधी जी एवं पूर्व प्रधानमंत्री श्री लाल बहादुर शास्त्री जी के चित्र पर माल्यार्पण कर उन्हें नमन किया। मंत्री शर्मा ने कहा कि महात्मा गांधी जी स्वच्छता के बहुत बड़े पक्षधर थे और उन्होंने स्वच्छता को स्वस्थ एवं सशक्त समाज की आधारशिला माना था। गांधी जी के बाद लंबे समय तक स्वच्छता का विषय अपेक्षित रूप से जनचेतना का हिस्सा नहीं बन पाया, लेकिन प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी ने स्वच्छता को जनआंदोलन और जनचेतना का रूप देते हुए गांधी जी के स्वच्छ भारत के सपने को आगे बढ़ाया। मंत्री ए.के. शर्मा ने कहा कि आज देशभर में स्वच्छता कर्मी गांधी जी और प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी के स्वच्छता संकल्प को साकार करने का कार्य कर रहे हैं। उन्होंने स्वच्छ भारत अभियान के लोगो के चयन से जुड़ा प्रसंग साझा करते हुए बताया कि लोगो के रूप में महात्मा गांधी जी के चश्मे को चुना गया और उसके दोनों खानों में प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी ने अपने पेन से 'स्वच्छ भारत' लिखकर इस संदेश को जन-जन तक पहुंचाने का भाव व्यक्त किया था। उन्होंने कहा कि यह लोगो आज देश के स्वच्छता संकल्प का एक प्रमुख प्रतीक बन चुका है। कार्यक्रम में महापौर श्रीमती सुषमा खर्कवाल ने भी राष्ट्रपिता महात्मा गांधी जी एवं पूर्व प्रधानमंत्री श्री लाल बहादुर शास्त्री जी को नमन किया। उन्होंने कहा कि दोनों महापुरुषों का जीवन देश और समाज के लिए प्रेरणादायी है। महात्मा गांधी जी ने स्वच्छता, सत्य और सेवा का संदेश दिया, वहीं श्री लाल बहादुर शास्त्री जी ने सादगी, ईमानदारी और राष्ट्रसेवा के उच्च आदर्श स्थापित किए। उन्होंने कहा कि इन महापुरुषों के विचारों को अपने जीवन और कार्यों में अपनाकर ही हम बेहतर समाज का निर्माण कर सकते हैं। इसके पश्चात नगर विकास एवं ऊर्जा मंत्री ए.के. शर्मा ने मुंशी पुलिया स्थित पार्क पहुंचकर कारगिल शहीद कैप्टन मुकेश श्रीवास्तव जी की प्रतिमा पर माल्यार्पण कर उन्हें नमन किया।

स्वच्छता कर्मियों के परिश्रम और समर्पण का परिणाम

मंत्री शर्मा ने कहा कि स्वच्छता कर्मियों के परिश्रम और समर्पण का परिणाम है कि लखनऊ ने स्वच्छता सर्वेक्षण में देश में तीसरा स्थान तथा वायु स्वच्छता के क्षेत्र में पहला स्थान प्राप्त किया है। उन्होंने कहा कि यह उपलब्धि केवल नगर निगम या किसी एक विभाग की नहीं, बल्कि सफाई मित्रों, अधिकारियों, जनप्रतिनिधियों और लखनऊ के नागरिकों के सामूहिक प्रयासों का परिणाम है। उन्होंने सफाई मित्रों की सेवाओं की सराहना करते हुए अधिकारियों को निर्देश दिए कि पात्रता के अनुसार स्वच्छता कर्मियों को केंद्र एवं राज्य सरकार की विभिन्न जनकल्याणकारी योजनाओं का लाभ सुनिश्चित कराया जाए।

फास्ट न्यूज

गोरखपुर में नो पार्किंग जोन से गाड़ी उठाने पर विवाद

गोरखपुर । गोरखपुर में नो पार्किंग जोन से उठाई गई गाड़ियों को लेकर विवाद सामने आया है। आरोप है कि एक बाइक और स्कूटी उठाकर गोलघर स्थित मल्टी लेवल पार्किंग लेकर आई गई थी। जहां से आरोपियों ने बिना टोइंग चार्ज दिए गाड़ी ले जाने का प्रयास किया। रोकने पर कर्मचारियों से गाली- गलौज करने लगे। साथ ही जान से मारने की धमकी भी दी।

डाक भेजने में अब प्रेषक-प्राप्तकर्ता दोनों का मोबाइल नंबर अनिवार्य

नई दिल्ली। डाक विभाग ने पंजीकृत और जवाबदेह डाक भेजने के नियमों में बदलाव किया है। अब आम जनता के लिए ऐसी डाक बुक कराने के दौरान प्रेषक और प्राप्तकर्ता दोनों के मोबाइल नंबर देना अनिवार्य होगा। पहले ग्राहक के मोबाइल नंबर देने से इन्कार करने पर बिना नंबर के डाक बुक करने की छूट थी, जिसे अब खत्म कर दिया गया है।

डाक विभाग के मुताबिक मोबाइल नंबर उपलब्ध नहीं होने से डाक की ट्रैकिंग, डिलीवरी की सूचना और ग्राहकों की संतुष्टि प्रभावित हो रही थी।

वाराणसी के स्कूल में मनी गांधी जयंती

वाराणसी । वाराणसी के क्राइस्ट नगर, चांदमारी स्थित श्री रामेश्वर महादेव इंटर कॉलेज में शुक्रवार को राष्ट्रपिता महात्मा गांधी की जयंती अत्यंत हर्षोल्लास और उत्साह के साथ मनाई गई। कार्यक्रम का विधिवत शुभारंभ विद्यालय के प्रधानाचार्य डॉ. शरदेंदु नारायण राय द्वारा राष्ट्रीय ध्वज फहराकर किया गया। इसके पश्चात प्रधानाचार्य ने विद्यालय परिसर में स्वच्छता अभियान की शुरुआत की, जिसमें शिक्षकों और छात्र-छात्राओं ने बढ़-चढ़कर अपनी सहभागिता दर्ज कराई।

मुख्यमंत्री ने गांधी जयंती पर खादी आश्रम से की खरीदारी

तमसा संकेत, संवाददाता

सीएम ने खादी आश्रम में कार्यरत लोगों का कुशलक्षेम जाना और वहां मौजूद बच्चों को चॉकलेट दी

लखनऊ। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ शुक्रवार को राष्ट्रपिता महात्मा गांधी की जयंती पर हजरतगंज स्थित गांधी आश्रम पहुंचे। उन्होंने यहां आयोजित कार्यक्रम में हिस्सा लेने के साथ ही खादी उत्पाद खरीदा। मुख्यमंत्री ने भगवा रंग का गमछा खरीदा और इसका भुगतान किया। सीएम ने गांधी आश्रम में विभिन्न खादी उत्पादों को देखा और उनके बारे में जानकारी भी ली। उन्होंने वहां आए लोगों को खादी खरीदने के लिए प्रेरित किया।

मुख्यमंत्री ने खादी आश्रम में कार्यरत सभी लोगों का कुशलक्षेम जाना और वहां मौजूद बच्चों को चॉकलेट दी। बच्चों से उनकी पढ़ाई आदि के बारे में भी पूछा। बच्चों ने पैर छूकर मुख्यमंत्री का आशीर्वाद प्राप्त किया। इस दौरान उप मुख्यमंत्री ब्रजेश पाठक, कैबिनेट मंत्री राकेश सचान, राज्यसभा सांसद ब्रजलाल, विधान परिषद सदस्य डॉ. महेंद्र सिंह, पवन सिंह चौहान, उप्र राज्य महिला आयोग की उपाध्यक्ष अपर्णा यादव, भाजपा के महानगर अध्यक्ष आनंद द्विवेदी आदि मौजूद रहे।



सपा कार्यालय में पुष्पांजलि के बाद भाजपा पर साधा निशाना, बोले- पीडीए की ताकत के सामने भाजपा नहीं टिकेगी

पीडीए की ताकत के सामने भाजपा नहीं टिकेगी : अखिलेश



तमसा संकेत, संवाददाता

लखनऊ। समाजवादी पार्टी के राज्य मुख्यालय लखनऊ समेत प्रदेश के सभी जिला एवं महानगर कार्यालयों में राष्ट्रपिता महात्मा गांधी और पूर्व प्रधानमंत्री लाल बहादुर शास्त्री की जयंती सादगी और गरिमापूर्ण ढंग से मनाई गई। इस दौरान सपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव ने महात्मा गांधी और लाल बहादुर शास्त्री के चित्रों पर पुष्पांजलि अर्पित कर उन्हें नमन किया।

कार्यकर्ताओं को संबोधित करते हुए अखिलेश यादव ने कहा कि महात्मा गांधी ने सत्य और अहिंसा के रास्ते पर चलकर आजादी के आंदोलन को गति दी। उन्होंने कहा कि गांधी लोकतांत्रिक मूल्यों और सिद्धांतों के प्रति दृढ़ थे। उनके बताए रास्ते पर चलने से समाज में सद्भावना बढ़ेगी और लोगों के साथ न्याय होगा। सपा प्रमुख ने कहा कि उत्तर प्रदेश में आगामी विधानसभा चुनाव में समाजवादी पार्टी और भाजपा के बीच सीधा मुकाबला है। उन्होंने कहा कि 2024 के लोकसभा चुनाव में समाजवादी पार्टी और इंडिया गठबंधन ने भाजपा को हराया था। अखिलेश यादव ने दावा किया कि 2027 में भी समाजवादी पार्टी भाजपा को हराकर सामाजिक न्याय की सरकार बनाएगी। उन्होंने कहा कि समाजवादी पार्टी के पीडीए में प्रेम, दया और अपनापन है। पार्टी हर दुखी, पीड़ित और अपमानित व्यक्ति के साथ खड़ी है।



अखिलेश ने भाजपा पर साधा निशाना

अखिलेश यादव ने भाजपा पर निशाना साधते हुए कहा कि आज महात्मा गांधी के विचारों के विरोधी सत्ता में हैं। उनके अनुसार, ऐसी ताकतें नाथूराम गोडसे को मानती हैं और बाबा साहब डॉ. भीमराव आंबेडकर के संविधान को नहीं मानतीं। उन्होंने कहा कि लोकतंत्र और संविधान की रक्षा के लिए इन ताकतों को सत्ता से हटाना जरूरी है।

उन्होंने आरोप लगाया कि लोकतंत्र और संविधान पर हमले हो रहे हैं। लूट, महंगाई, बेरोजगारी और भ्रष्टाचार बढ़ रहा है। अखिलेश यादव ने कहा कि 2027 का विधानसभा चुनाव लोकतंत्र और संविधान बचाने का चुनाव होगा।

अखिलेश यादव ने भाजपा पर समाज के विभिन्न वर्गों के शोषण और उन्हें धोखा देने का आरोप लगाया।

सशक्त पंचायत, समृद्ध गांव ही ग्राम स्वराज की आधारशिला, इसमें परिवारवादी मॉडल की कोई जगह नहीं: मुख्यमंत्री

11,350 ग्राम पंचायतों में स्थापित की जा रही डिजिटल लाइब्रेरी: मुख्यमंत्री

- सीएम योगी आदित्यनाथ ने कहा- 2017 से पहले गांवों को विकास के बजाय मिले केवल वादे, ग्रामीणों को लगाने पड़ते थे चक्कर
- गांवों को केवल वोट बैंक के रूप में देखने वाली राजनीति के कारण ग्रामीण क्षेत्रों का

तमसा संकेत, संवाददाता



ग्राम स्वराज को आत्मनिर्भर उत्तर प्रदेश की पहली इकाई मानकर काम कर रही हमारी सरकार: मुख्यमंत्री

लखनऊ। राष्ट्रपिता महात्मा गांधी की जयंती के अवसर पर मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि उनकी सरकार गांव को विकास की अंतिम सीढ़ी नहीं, बल्कि नए भारत के आत्मनिर्भर उत्तर प्रदेश की पहली इकाई मानकर काम कर रही है। सशक्त पंचायत व समृद्ध गांव ही ग्राम स्वराज की आधारशिला हैं, जिसमें परिवारवादी मॉडल के लिए कोई जगह नहीं है।

मुख्यमंत्री ने अपने आधिकारिक सोशल मीडिया हैंडल एक्स पर साझा की गई पोस्ट में कहा कि वर्ष 2017 से पहले गांवों को विकास नहीं, केवल वादे मिले। गांवों के नाम पर राजनीति होती रही, लेकिन व्यवस्था में पारदर्शिता और जवाबदेही का अभाव रहा। आय और जाति प्रमाण-पत्र जैसे सामान्य कार्यों के लिए भी ग्रामीणों को तहसील, थाना और जिला मुख्यालय के चक्कर लगाने पड़ते थे। गांवों को केवल वोट बैंक के रूप में देखने वाली राजनीति के कारण ग्रामीण क्षेत्रों का विकास प्रभावित हुआ। वर्तमान सरकार ने व्यवस्था में बदलाव करते हुए ग्राम पंचायतों को सुविधाओं और सेवाओं से जोड़ने पर काम किया है।

57,600 ग्राम सचिवालयों में डिजिटल सुविधाएं

मुख्यमंत्री ने अपनी पोस्ट में लिखा कि पिछले साढ़े नौ वर्षों में प्रदेश के 57,600 ग्राम सचिवालयों के माध्यम से ग्रामीणों को ई-ग्राम स्वराज, डिजिटल भुगतान, ऑनलाइन मॉनिटरिंग जैसी विभिन्न सुविधाएं उपलब्ध कराने की व्यवस्था की गई है। इससे ग्राम पंचायतों के कामकाज में पारदर्शिता और जवाबदेही सुनिश्चित की गई है।



बापू के देश में लोकतंत्र का चीरहरण नहीं होने देंगे

सड़क से सदन तक लड़ी जाएगी लड़ाई: मनोज मिश्रा

तमसा संकेत, संवाददाता



लखनऊ। आम आदमी पार्टी उत्तर प्रदेश प्रभारी व राज्यसभा सांसद संजय सिंह के निर्देश पर शुक्रवार को राष्ट्रपिता महात्मा गांधी जी की जयंती पर आम आदमी पार्टी उत्तर प्रदेश के पदाधिकारियों व कार्यकर्ताओं ने जीपीओ, हजरतगंज लखनऊ में लोकतंत्र व निष्पक्ष चुनावी प्रक्रिया को तार-तार करने के विरोध में पार्टी कार्यकर्ताओं ने मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार के खिलाफ मोर्चा खोलते हुए उनकी सांकेतिक अर्थी निकालकर प्रचंड विरोध प्रदर्शन किया। केंद्र सरकार और चुनाव आयोग के पक्षपातपूर्ण रवैये के खिलाफ कार्यकर्ताओं ने जमकर नारेबाजी की। इस दौरान मौके पर मौजूद भारी पुलिस बल के साथ कार्यकर्ताओं की तीखी नोकझोंक हुई, जिसके बाद पुलिस प्रशासन ने तानाशाहीपूर्ण रवैया अपनाते हुए सभी प्रमुख पदाधिकारियों व कार्यकर्ताओं को जबरन गिरफ्तार कर लिया।

प्रदर्शन का नेतृत्व करते हुए अयोध्या प्रांत अध्यक्ष विनय पटेल ने मुख्य चुनाव आयुक्त पर सीधा हमला बोलते हुए कहा कि देश का लोकतंत्र आज़ादी के बाद के सबसे गहरे संकट से गुज़र रहा है। जिस चुनाव आयोग की जिम्मेदारी निष्पक्ष, पारदर्शी और स्वतंत्र चुनाव कराने की है, उसके शीर्ष पद पर बैठे मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार पूरी तरह से सत्तारूढ़ भाजपा के एजेंट के रूप में काम कर रहे हैं।

घटना : उफनती नदी में फेंके शव, 5 दिन बाद भी बरामद नहीं 50 लाख की फिरौती मांगी थी

किडनैप कर 2 लोगों की हत्या

तमसा संकेत, एजेंसी

लखनऊ। लखनऊ में KGMU के नर्सिंग अफसर लापता नहीं बल्कि उनकी हत्या की गई है। पुलिस ने शुक्रवार शाम मामले का खुलासा कर दिया। बताया है कि असिस्टेंट नर्सिंग सुपरिटेंडेंट पवन कुमार गर्ग (45) और उनके साथी सचिन विश्वकर्मा की साथ में हत्या की गई। मिठाई दुकानदार ने पवन को प्रॉपर्टी दिखाने के बहाने बुलाया था।

इसके बाद अपने 4 अन्य साथियों के साथ मिलकर उन्हें किडनैप कर लिया। प्रॉपर्टी के रखे 50 लाख रुपए मांगने लगा। कहा कि वह रकम दे दे और भूल जाए। अगर नहीं दिया तो हत्या कर दी जाएगी। विरोध करने पर पवन और उनके साथी सचिन को मार डाला। थार से शव को उफनती घाघरा नदी में पुल के ऊपर से फेंक दिया। यह वारदात 28 सितंबर की दोपहर करीब 12 बजे के बाद की है। अब तक दोनों की डेडबॉडी नहीं मिली है। लेकिन, पुलिस ने मुख्य आरोपी समेत 5 लोगों को शुक्रवार को गिरफ्तार कर लिया। पांचों ने हत्या से पहले दोनों को 1 दिन अलग-अलग कमरों में बंधक भी बनाए रखा था। पवन की कार को सीतापुर में खड़ी कर आए थे। आरोपियों ने पवन और सचिन का गला रस्सी से घोंट डाला था। सबूत मिटाने के लिए आरोपियों ने दोनों के शवों को महमूदाबाद के पास चलहरी घाट पर घाघरा नदी में फेंक दिया। मड़ियांव थाना पुलिस और क्राइम ब्रांच (उत्तरी जोन) ने पांचों को गिरफ्तार किया है। आरोपियों की पहचान लोधौली इटौंजा के मिठाई दुकानदार नितिन मिश्रा उर्फ डब्लू (38), ऑटो ड्राइवर प्रकाश सिंह उर्फ पुद्दी (24), चाय दुकानदार सूरज सिंह (32), आढ़त मुनीम मोहित सिंह (26) और अजीत पुलिया, माल रोड इटौंजा के अवनीश कुमार मौर्य (38) के रूप में हुई है। पुलिस ने इनके पास से मृतकों की सोने की चेन और अंगूठी, मृतक का ड्राइविंग लाइसेंस (DL), आधार कार्ड और बैंक स्टेटमेंट की फोटोकॉपी बरामद की है।



निर्माणाधीन मकान में बंधक बनाया

आरोपी दोनों को अन्नामऊ स्थित नितिन के निर्माणाधीन मकान में ले गए और अलग-अलग कमरों में बंधक बनाकर 50 लाख रुपए की फिरौती मांगी। चकमा देने के लिए नितिन पवन की ब्रेजा गाड़ी ढाबे से उठाकर सीतापुर में खड़ी कर आया। 28 सितंबर को दोपहर के समय में पवन के पैसे देने से इनकार करने पर आरोपियों को पकड़े जाने का डर सताने लगा।

जमीन खरीदने की बात बनी काल

डीसीपी उत्तरी अमित कुमार आनंद ने बताया कि पुलिस पूछताछ में मुख्य आरोपी नितिन मिश्रा उर्फ डब्लू महराज ने बताया कि वह पवन कुमार गर्ग को पहले से जानता था। पवन ने उसे बताया था कि उसके पास जमीन खरीदने के लिए 50-60 लाख रुपए पड़े हैं। उसने कोई अच्छी प्रॉपर्टी दिखाने को कहा था। भारी-भरकम रकम की जानकारी होते ही नितिन ने अपने साथियों के साथ मिलकर अपहरण और फिरौती वसूलने की साजिश रच डाली। 27 सितंबर की रात को नितिन ने पवन को भिठौली क्रॉसिंग पर बुलाया। पवन अपने दोस्त सचिन विश्वकर्मा को साथ लेकर पहुंचा। आरोपी ने दोनों को इटौंजा स्थित न्यू फौजी ढाबे पर ले गए, जहां शराब पीने के दौरान आपस में कहासुनी हुई।

उत्तर रेलवे ने दिलाई स्वच्छता शपथ



तमसा संकेत, संवाददाता

स्वच्छता पखवाड़ा के अंतर्गत उत्तर रेलवे के प्रधान कार्यालय, बड़ौदा हाउस में आज दिनांक 2 अक्टूबर को उत्तर रेलवे के महाप्रबंधक श्री राजेश कुमार पाण्डेय ने उपस्थित अधिकारियों एवं कर्मचारियों को स्वच्छता की शपथ दिलाई। इस अवसर पर महाप्रबंधक श्री राजेश कुमार पाण्डेय ने वृक्षारोपण कर पर्यावरण संरक्षण का संदेश भी दिया। उन्होंने स्वच्छता के साथ-साथ पर्यावरण संरक्षण के प्रति जागरूकता बढ़ाने पर बल दिया।

इस आयोजन में उत्तर रेलवे के अपर महाप्रबंधक श्री हर्ष खरे सहित सभी विभागों के प्रमुख विभागाध्यक्ष, वरिष्ठ अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित रहे।

स्वच्छता पखवाड़ा के अंतर्गत उत्तर रेलवे द्वारा अपने कार्यालयों, स्टेशनों एवं अन्य परिसरों में स्वच्छता के प्रति जागरूकता बढ़ाने तथा पर्यावरण संरक्षण को प्रोत्साहित करने के लिए विभिन्न गतिविधियों का आयोजन किया जा रहा है।



महाप्रबंधक श्री राजेश कुमार पाण्डेय ने स्वच्छता को दैनिक जीवन का अभिन्न हिस्सा बनाने तथा स्वच्छता के प्रति सामूहिक जिम्मेदारी निभाने का संदेश दिया।

बाराबंकी में 8 अक्टूबर तक चलाएगी जागरूकता अभियान, सपा-कांग्रेस गठबंधन पर बातचीत जारी

वोट चोरी पर सपा ने निर्वाचन आयोग से मांगा इस्तीफा

विवाद

तमसा संकेत, एजेंसी

बाराबंकी। समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय सचिव और पूर्व मंत्री अरविंद सिंह गोप ने शुक्रवार को मतदाता सूची से नाम काटे जाने और कथित वोट चोरी के आरोपों को लेकर निर्वाचन आयोग की कार्यप्रणाली पर सवाल उठाए। उन्होंने आयोग से इस्तीफे की मांग करते हुए कहा कि लोकतंत्र और संविधान की रक्षा के लिए प्रत्येक नागरिक के मताधिकार को सुरक्षित रखना जरूरी है। गोप ने आरोप लगाया कि मतदाता सूची से लोगों के नाम फर्जी तरीके से काटे जा रहे हैं। उन्होंने कहा कि मतदाता सूची में किसी भी तरह की गड़बड़ी का सीधा असर लोगों के मताधिकार पर पड़ता है।



गठबंधन को लेकर भ्रम न फैलाने की अपील

सपा-कांग्रेस गठबंधन को लेकर भी अरविंद सिंह गोप ने अपनी बात रखी। उन्होंने कहा कि सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव और कांग्रेस नेता राहुल गांधी के बीच बातचीत जारी है। उन्होंने दोनों दलों के नेताओं और कार्यकर्ताओं से गठबंधन को लेकर किसी तरह का भ्रम नहीं फैलाने की अपील की।

अरविंद सिंह गोप ने बताया कि समाजवादी पार्टी की ओर से 2 से 8 अक्टूबर तक गांव-गांव मतदाता जागरूकता अभियान चलाया जाएगा। अभियान के दौरान पार्टी कार्यकर्ता लोगों को मतदाता सूची की जांच करने, अपने नाम की स्थिति जानने और मताधिकार के प्रति जागरूक रहने की जानकारी देंगे।



भाजपा विधायकों के संपर्क में होने का दावा

अरविंद सिंह गोप ने दावा किया कि भाजपा के कई विधायक समाजवादी पार्टी के संपर्क में हैं। उन्होंने भाजपा को अपना घर संभालने की सलाह दी। हालांकि, उन्होंने जिन विधायकों के सपा के संपर्क में होने का दावा किया, उनके नाम सार्वजनिक नहीं किए। वहीं, बसपा प्रमुख मायावती की ओर से परिवारवाद को लेकर लगाए गए आरोपों पर भी गोप ने प्रतिक्रिया दी। उन्होंने अपने राजनीतिक विरोधियों के आरोपों को लेकर सपा का पक्ष रखा। मतदाता सूची में कथित गड़बड़ियों और भाजपा विधायकों के सपा के संपर्क में होने से जुड़े अरविंद सिंह गोप के दावों की स्वतंत्र पुष्टि नहीं हुई है। निर्वाचन आयोग की ओर से इन आरोपों पर इस बयान के संदर्भ में कोई प्रतिक्रिया सामने नहीं आई है।

13 साल छोटा देवर भाभी संग फंदे पर लटका

बेटे ने खिड़की से मां-चाचा को देखा, हरदोई में 12 साल पहले शादी हुई थी

तमसा संकेत, एजेंसी

हरदोई। हरदोई में शुक्रवार सुबह 13 साल छोटा देवर भाभी के साथ फंदे पर लटका मिला। महिला के 8 साल के बेटे ने मां-चाचा के शव देखे तो घरवालों को बताया। घटना की सूचना पर पहुंची पुलिस ने दरवाजा तोड़कर दोनों शवों को नीचे उतारा। इसके बाद पोस्टमॉर्टम के लिए भिजवाया। पुलिस को गांववालों ने बताया कि भाभी-देवर के बीच अफेयर था। वहीं, परिवारवाले इस बात से इनकार कर रहे हैं। महिला की 12 साल पहले शादी हुई थी। उसका पति काम-धंधे के सिलसिले में शहर से बाहर रहता था। घटना बिलग्राम क्षेत्र के हबीबनगर गांव की है। महिला का नाम सीमा (35) था। वहीं देवर का नाम रामरूप (22) था। सीमा की शादी 12 साल



रामरूप, मृतक

पहले रामरूप के बडे. भाई देशराज से हुई थी। देशराज पहले हरदोई में ही ठेकेदारी करता था लेकिन डेढ़ साल पहले वह अयोध्या से अपना काम करने लगा। रामरूप भी उसके साथ ही काम करता था। वह अपने घर भी आता जाता रहता था। देशराज के पिता राजाराम ने बताया- रामरूप 7 दिन पहले गांव आया था। गांव में हमारे दो घर हैं। हमने एक घर देशराज को दे दिया था। एक घर में मैं, मेरी पत्नी और रामरूप रहते थे। दोनों घरों की दूरी 500 मीटर है। गुरुवार रात रामरूप घर पर ही था लेकिन फिर कहीं चला गया। हम लोग भी सो गए। सुबह मेरा पोता रोते हुए आया। उसने बताया, मम्मी-चाचा लटके हुए हैं। वहीं रामरूप की मां ने बताया, आसपास के लोग बता रहे हैं दोनों के बीच रात में मारपीट हुई थी। हम लोग तो कुछ जानते नहीं हैं। बहू हमारे साथ तो रहती नहीं थी। रात में ही इन दोनों ने झगड़े के बाद फांसी लगाई है। पत्नी और भाई की मौत की खबर मिलने के बाद देशराज हरदोई पहुंच गया है। घटना की गंभीरता को देखते हुए बिलग्राम कोतवाल विजय कुमार पुलिस बल के साथ मौके पर पहुंचे। उच्चाधिकारियों के निर्देश पर फॉरेंसिक टीम को भी घटनास्थल पर बुलाया गया।

फास्ट न्यूज

गंगा का जलस्तर खतरे के निशान के करीब

उन्नाव। उन्नाव में पहाड़ी क्षेत्रों में लगातार हो रही बारिश और नरोरा व हरिद्वार बांधों से छोड़े जा रहे पानी के कारण गंगा का जलस्तर तेजी से बढ़ रहा है। गुरुवार शाम छह बजे 112 .82 मीटर दर्ज जलस्तर शुक्रवार सुबह बढ़कर 112 .91 मीटर पहुंच गया। खतरे का निशान 113 मीटर है। ऐसे में गंगा का पानी अब खतरे के निशान से महज नौ सेंटीमीटर नीचे है। जलस्तर बढ़ने से गंगाघाट और आसपास के तटीय इलाकों में बाढ़ की स्थिति गंभीर होती जा रही है।

सपा के निवर्तमान जिलाध्यक्ष पर एससी-एसटी एक्ट में एफआईआर

हरदोई। हरदोई जनपद में समाजवादी पार्टी के निवर्तमान जिलाध्यक्ष शराफत अली द्वारा हरदोई की जिला पंचायत अध्यक्ष प्रेमावती पर की गई कथित जातिसूचक एवं अपमानजनक टिप्पणी के मामले में पुलिस ने कड़ा रुख अपनाते हुए एससी-एसटी एक्ट समेत गंभीर धाराओं में एफआईआर दर्ज कर ली है। यह मामला तूल पकड़ता जा रहा है, जिससे जिले में सियासत गरमा गई है। यह रिपोर्ट संडीला निवासी भाजपा अनुसूचित मोर्चा के जिला संयोजक रवि वाल्मीकि की तहरीर पर गुरुवार की रात 9 :02 पर दर्ज की गई है।

5 किलो चांदी लूट का खुलासा

हरदोई। हरदोई के शाहाबाद में लखनऊ के सर्राफा कारोबारी से 5 किलो चांदी लूटने की वारदात का पुलिस ने गुरुवार देर रात करीब 2 बजे खुलासा किया। इनमें दो बदमाश पुलिस मुठभेड़ में पैर में गोली लगने से घायल हो गए। पुलिस ने आरोपियों के पास से 2 .25 किलो लूटी गई चांदी, दो .315 बोर के तमंचे, चार जिंदा कारतूस, दो खोखे और वारदात में इस्तेमाल बिना नंबर की स्विफ्ट डिजायर कार बरामद की है। दो आरोपी अंधेरे का फायदा उठाकर फरार हो गए।

उन्नाव जिला अस्पताल में शुरू ओएसटी सेंटर

नशे की लत से बाहर निकालने को मिलेगा इलाज

तमसा संकेत, एजेंसी

उन्नाव। उन्नाव में पंडित उमाशंकर दीक्षित जिला पुरुष चिकित्सालय में शुक्रवार सुबह करीब 11 बजे ओपिओइड सब्स्टीट्यूशन थेरेपी (ओएसटी) सेंटर का शुभारंभ किया गया। सेंटर का उद्घाटन भाजपा जिलाध्यक्ष अनुराग अवस्थी और पुरुष सीएमएस डॉ. सुनील कुमार ने फीता काटकर किया। यह सुविधा उत्तर प्रदेश राज्य एड्स नियंत्रण सोसाइटी, लखनऊ के सौजन्य से शुरू की गई है। सेंटर के माध्यम से जिले के आईवी ड्रग यूजर्स यानी इंजेक्शन के जरिए नशीले पदार्थों का सेवन करने वाले लोगों को ओरल फॉर्म में दवाएं उपलब्ध



कराई जाएंगी। उपचार के दौरान नशे की दवा की निर्भरता और डोज को धीरे-धीरे कम करने का प्रयास किया जाएगा, ताकि मरीज नशे की लत से बाहर आकर सामान्य जीवन की ओर लौट सकें। सीएमएस डॉ. एके शुक्ला ने बताया कि आईवी ड्रग यूजर्स में एक ही सिरिंज का कई लोगों द्वारा इस्तेमाल करने से खून के जरिए फैलने वाली बीमारियों का खतरा रहता है। इनमें एचआईवी, हेपेटाइटिस बी और हेपेटाइटिस सी प्रमुख हैं। ओएसटी सेंटर के माध्यम से उपचार उपलब्ध होने से एक ही सिरिंज के इस्तेमाल की प्रवृत्ति को कम करने के साथ इन संक्रमणों के प्रसार पर भी नियंत्रण में मदद मिलेगी। उन्होंने कहा कि ऐसे मरीजों को सहानुभूतिपूर्ण दृष्टिकोण से देखा जाना जरूरी है। कई लोग गलत संगत या परिस्थितियों के कारण नशे की लत में फंस जाते हैं और इच्छा के बावजूद इसे छोड़ नहीं पाते। उपचार के जरिए उन्हें नशे से बाहर निकालकर परिवार और समाज की मुख्यधारा से जोड़ने का प्रयास किया जाएगा। जिला अस्पताल में मरीजों को दवा और उपचार संबंधी सेवाएं उपलब्ध रहेंगी।

पानी के रिसाव से रेलवे अंडरपास बंद

राहगीरों की बढ़ी परेशानी, सुरक्षा के लिए रास्ता बंद

तमसा संकेत, एजेंसी

उन्नाव। उन्नाव में कानपुर-बालामऊ रेलवे मार्ग पर सुगम आवागमन के लिए बनाया गया मिट्ठूखेड़ा रेलवे अंडरपास अब लोगों के लिए परेशानी का सबब बन गया है। अंडरपास के नीचे से लगातार पानी का रिसाव होने के कारण उत्तर रेलवे ने यहां से शुक्रवार को आवागमन बंद कर दिया है। रेलवे की ओर से किसी तरह की अनहोनी रोकने के लिए अंडरपास के दोनों ओर बैरिकेडिंग कर सूचना बोर्ड और STOP बोर्ड लगाया गया है।

मामला कानपुर-बालामऊ रेलमार्ग के LHS-31 का है। बताया जा रहा है कि अंडरपास में नीचे से पानी का रिसाव होने के कारण जलभराव की स्थिति बन रही थी। इससे राहगीरों और दोपहिया वाहन चालकों के लिए आवागमन जोखिम भरा हो गया था। स्थिति को देखते हुए रेलवे ने



फिलहाल अंडरपास को बंद कर दिया। रेलवे की ओर से अंडरपास के प्रवेश मार्ग पर बैरिकेडिंग लगाई गई है। साथ ही लोगों को रोकने के लिए सूचना बोर्ड लगाया गया है। स्थानीय लोगों का कहना है कि अंडरपास में पानी भरने की समस्या लंबे समय से बनी हुई है। उनके अनुसार, क्षेत्र का वाटर लेवल नीचे होने के कारण नीचे से पानी रिसकर अंडरपास में जमा हो जाता है। बारिश के दौरान समस्या और बढ़ जाती है। इससे अंडरपास से गुजरने वाले लोगों को काफी परेशानी होती है।

रेलवे द्वारा लगाए गए सूचना बोर्ड में लोगों को अंडरपास की ओर न जाने की हिदायत दी गई है। स्थानीय लोगों ने पानी रिसाव की समस्या का स्थायी समाधान कराकर अंडरपास को दोबारा आवागमन के लिए खोलने की मांग की है।



मिट्ठूखेड़ा अंडरपास में जलभराव का स्थायी समाधान नहीं, रेलवे ने रोका आवागमन।

बैरिकेडिंग हटाकर रास्ते से निकलने का प्रयास

अंडरपास के ऊपर गिट्टी भरकर बोरियां भी लगाई गई हैं, ताकि लोग बैरिकेडिंग हटाकर रास्ते से निकलने का प्रयास न करें। स्थानीय लोगों का कहना है कि अंडरपास में पानी भरने की समस्या लंबे समय से बनी हुई है। उनके अनुसार, क्षेत्र का वाटर लेवल नीचे होने के कारण नीचे से पानी रिसकर अंडरपास में जमा हो जाता है। बारिश के दौरान समस्या और बढ़ जाती है। इससे अंडरपास से गुजरने वाले लोगों को काफी परेशानी होती है।

2.21 करोड़ के विकास कार्यों का हिसाब नहीं मिला

उन्नाव में 38 प्रधान और 28 सचिवों पर वसूली की कार्रवाई होगी

तमसा संकेत, एजेंसी

उन्नाव। उन्नाव में ग्राम पंचायतों में विकास कार्यों के नाम पर खर्च हुई 2,21,06,724 रुपये की धनराशि का हिसाब-किताब ऑडिट के सामने नहीं आ सका है। वित्तीय वर्ष 2017-18 में खर्च की गई इस रकम से संबंधित अभिलेख उपलब्ध न कराने के मामले में अब जिले के 38 ग्राम प्रधान और 28 ग्राम पंचायत सचिवों, यानी कुल 66 जिम्मेदारों पर वसूली की कार्रवाई की तलवार लटक गई है। शुक्रवार को डीपीआरओ श्रीकांत यादव ने बताया कि कई बार रिमाइंडर भेजे जाने के बावजूद रिकॉर्ड उपलब्ध नहीं कराने पर शासन ने सख्ती दिखाई है। संबंधित प्रधानों और सचिवों को अंतिम अवसर देते हुए सात दिन के भीतर सभी अभिलेख उपलब्ध कराने के निर्देश दिए गए हैं। निर्धारित अवधि में रिकॉर्ड उपलब्ध नहीं कराने पर प्रधान और सचिव से बराबर-बराबर धनराशि की वसूली की जाएगी।



ऑडिट के लिए रिकॉर्ड देना अनिवार्य

ग्राम पंचायतों में विकास कार्यों पर खर्च सरकारी धनराशि का रिकॉर्ड सुरक्षित रखना और ऑडिट के दौरान उसे उपलब्ध कराना अनिवार्य है। अभिलेख नहीं मिलने से यह सत्यापित करना मुश्किल हो जाता है कि सरकारी धनराशि किस कार्य में और किस प्रक्रिया के तहत खर्च की गई। इसी को देखते हुए शासन ने मामले में अब वसूली की कार्रवाई के निर्देश दिए हैं। सात दिन की अंतिम समयसीमा के बाद रिकॉर्ड उपलब्ध नहीं कराने वाले जिम्मेदारों पर वसूली की कार्रवाई की जाएगी।

पंचायतीराज विभाग को कार्रवाई के निर्देश दिए

ग्राम पंचायतों में सरकारी धनराशि से कराए गए विकास कार्यों की नियमानुसार जांच और ऑडिट जिला लेखा परीक्षा अधिकारी की ओर से किया जाता है।

इसके लिए संबंधित ग्राम पंचायतों के सचिवों को खर्च से जुड़े बिल, वाउचर, भुगतान संबंधी दस्तावेज और अन्य जरूरी अभिलेख उपलब्ध कराने होते हैं। इसी प्रक्रिया के तहत वित्तीय वर्ष 2017-18 में खर्च हुई 2 करोड़ 21 लाख 6 हजार 724 रुपये की धनराशि से जुड़े अभिलेख मांगे गए थे। हालांकि संबंधित ग्राम पंचायतों की ओर से ऑडिट के लिए अभिलेख उपलब्ध नहीं कराए गए।

अभिलेख नहीं मिलने के कारण विकास कार्यों पर खर्च की गई धनराशि का नियमानुसार ऑडिट नहीं हो सका। इस मामले में कई बार संबंधित जिम्मेदारों को रिमाइंडर भी भेजे गए, लेकिन इसके बावजूद रिकॉर्ड उपलब्ध नहीं कराया गया।

“मामले की जानकारी शासन स्तर तक पहुंचने के बाद पंचायतीराज विभाग को कार्रवाई के निर्देश दिए गए हैं। विभाग ने अब संबंधित 38 ग्राम प्रधानों और 28 सचिवों को अंतिम अवसर दिया है। सभी को सात दिन के भीतर ऑडिट से संबंधित लंबित अभिलेख उपलब्ध कराने होंगे। निर्धारित समय में रिकॉर्ड नहीं दिए जाने पर संबंधित धनराशि की वसूली प्रधान और सचिव से बराबर-बराबर की जाएगी।

धनराशि खर्च करने और विकास कार्य कराने की जिम्मेदारी ग्राम पंचायत स्तर पर होती है। वहीं शासनादेश के अनुसार खर्च से संबंधित बिल, भुगतान व अन्य अभिलेख तैयार रखने और सुरक्षित रखने की जिम्मेदारी ग्राम पंचायत विकास अधिकारियों की होती है।

रायबरेली में ‘वोट बचाओ-देश बचाओ’ अभियान का ऐलान

4 अक्टूबर को निकलेगा पैदल मार्च

तमसा संकेत, एजेंसी

रायबरेली। समाजवादी पार्टी और इंडिया गठबंधन ने 'वोट बचाओ, देश बचाओ' अभियान और 'लोकतंत्र बचाओ सप्ताह' शुरू किया है। उन्होंने केंद्र सरकार और चुनाव आयोग पर लोकतंत्र व मतदान के अधिकार छीनने का आरोप लगाया। सपा नेताओं ने 4 अक्टूबर को रायबरेली जिला मुख्यालय पर बड़े आंदोलन और पैदल मार्च का ऐलान किया। विधायक राहुल लोधी ने बीजेपी पर हमला करते हुए कहा कि पार्टी आम जनता और युवाओं के वोट देने के अधिकार खत्म करना चाहती है। उनका आरोप है कि बीजेपी सिर्फ अपने नेताओं और करीबियों को वोट का अधिकार देना चाहती है, जबकि पिछड़ा, दलित और अल्पसंख्यक समाज गुलामी करे। उन्होंने कहा कि 2024 चुनाव के बाद से संविधान कमजोर हो रहा है और युवाओं से



धोखा किया जा रहा है। सपा जिलाध्यक्ष इंजीनियर वीरेंद्र यादव ने मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार और चुनाव आयोग के काम पर सवाल उठाए। उन्होंने आरोप लगाया कि आयोग बीजेपी के कहने पर काम कर रहा है। नए वोटरों के लिए फॉर्म 6 की ऑनलाइन प्रक्रिया बंद है और ऑफलाइन आवेदनों पर बीएलओ रिपोर्ट नहीं लगा रहे, ताकि युवा वोटर न बन सकें। इंजी. वीरेंद्र यादव ने 'एसआईआर' (SIR) प्रक्रिया को भी पूरी तरह संदिग्ध बताते हुए कहा कि वोटर लिस्ट में भारी खामियां और विसंगतियां हैं।

घटना : वृंदावन में मां-बाप बोले- मेरा बेटा वापस कर दो, आश्रम के बाहर धरने पर बैठे

संत प्रेमानंद से दीक्षा लेकर 16 साल का लड़का लापता

- आश्रम के बाहर परिजनों के साथ गांव की महिलाएं और पुरुष धरने पर बैठे हैं। केली कुंज आश्रम के बाहर धरने की सूचना पर पुलिस फोर्स पहुंची।

तमसा संकेत, एजेंसी

मथुरा। हाथरस का रहने वाला 16 साल का लड़का तीन महीने से लापता है। शुक्रवार को उसके मां-बाप और परिवार के अन्य लोग वृंदावन पहुंचे। उनका दावा है कि बेटे ने 3 महीने पहले केलीकुंज



आश्रम में संत प्रेमानंद महाराज से दीक्षा ली थी। इसके बाद से ही वह घर नहीं लौटा। लड़के का नाम अनुज चौधरी है। वह हाथरस के बारामई खेड़ा गांव का रहने वाला है। परिजन सुबह 11 बजे से आश्रम के बाहर धरने पर बैठे हैं। इनमें अनुज के पिता राजवीर सिंह, मां, दादी, चार बहनें, चाचा और गांव के अन्य लोग बैठे हैं। परिजनों ने कहा कि

राजवीर सिंह ने बताया कि चार बेटियों के बीच अनुज उनका इकलौता बेटा है। वह पढ़ाई करता था और इस साल इंटर में था। उसकी उम्र करीब 16-17 साल है। राजवीर किसान हैं। उन्होंने कहा, “मुझे मेरा बेटा वापस दे दो।

दादी का आरोप- आश्रम वालों ने धक्का देकर भगाया

अनुज की दादी मुन्नी ने बताया, “25 तारीख को उसे दीक्षा लिए तीन महीने हो गए। दीक्षा लेने के बाद वह घर आया था। इसके बाद उसने कहा कि प्रेमानंद महाराज के दर्शन करने जा रहा है। वह केली कुंज आश्रम चला गया। इसके बाद से हमें उसका कोई हाल-चाल नहीं मिला।” उन्होंने आरोप लगाया कि अनुज के बारे में जानकारी लेने के लिए परिवार आश्रम पहुंचा, लेकिन वहां मौजूद लोगों ने उनकी बात नहीं सुनी और उन्हें धक्का देकर बाहर निकाल दिया। मुन्नी के मुताबिक, परिवार ने आश्रम में लगे कैमरे की रिकॉर्डिंग दिखाने की भी मांग की, लेकिन उन्हें कैमरे चेक नहीं करने दिए गए।

जब तक अनुज नहीं मिलता, वे आश्रम के बाहर से नहीं हटेंगे। पिता राजवीर सिंह ने बताया कि अनुज का



वृंदावन के पास पानीगांव में ननिहाल है। इसी दौरान वह संत प्रेमानंद महाराज के दर्शन के लिए केली कुंज आश्रम जाने लगा। कुछ समय बाद उसने दीक्षा लेने का मन बनाया और करीब तीन महीने पहले मां को मनाकर प्रेमानंद महाराज से दीक्षा ले ली। दीक्षा लेने के बाद वह पांच दिन तक घर पर रहा।

उन्नाव में गांधी-शास्त्री जयंती पर ध्वजारोहण और माल्यार्पण

सरकारी-गैर सरकारी संस्थानों में हुए आयोजन

- स्वास्थ्य अधिकारियों ने महात्मा गांधी के स्वच्छता संदेश को अपनाने और इसे जन-जन तक पहुंचाने की बात कही।
- आसीवन थाने में एसओ प्रदीप सिंह और सीओ दीपक यादव ने महात्मा गांधी और लाल बहादुर शास्त्री के चित्र पर पुष्प अर्पित किए।

तमसा संकेत, एजेंसी

उन्नाव। उन्नाव में शुक्रवार को महात्मा गांधी और लाल बहादुर शास्त्री की जयंती उत्साह के साथ मनाई गई। सरकारी-गैर सरकारी



संस्थानों, स्कूलों, अस्पतालों, पुलिस थानों और नगर निकायों में ध्वजारोहण, माल्यार्पण और गोष्ठियों का आयोजन किया गया। अधिकारियों और कर्मचारियों ने स्वच्छता की शपथ लेकर गांधी जी के संदेश को आगे बढ़ाने का संकल्प लिया। कलेक्ट्रेट में डीएम घनश्याम मीणा ने ध्वजारोहण किया और महात्मा गांधी व लाल बहादुर शास्त्री के चित्र पर माल्यार्पण कर श्रद्धांजलि दी। पन्नालाल सभागार में दोनों महापुरुषों के जीवन और देश के लिए उनके योगदान पर चर्चा की गई। पुलिस लाइन में एसपी जय प्रकाश सिंह ने माल्यार्पण कर दोनों महापुरुषों को नमन किया। एसपी सिटी आयुष श्रीवास्तव ने भी अपने कार्यालय में श्रद्धांजलि अर्पित की। सीएमओ कार्यालय, जिला अस्पताल और महिला अस्पताल में भी गोष्ठियों का आयोजन किया गया। स्वास्थ्य अधिकारियों ने महात्मा गांधी के स्वच्छता संदेश को अपनाने और इसे जन-जन तक पहुंचाने की बात कही। सीएचसी अचलगंज में डॉ. आशुतोष ने गांधी जी के चित्र पर माल्यार्पण किया। विशंभर दयालु त्रिपाठी राजकीय जिला पुस्तकालय में जयंती के अवसर पर 'कंजूस' नाटक का मंचन किया गया।

सम्पादकीय

विमानों के लिए नया खतरा



दुबई से तेल अवीव जा रही फ्लाई दुबई एयर-लाइंस की उड़ान के ओमानी सह पायलट ने भारतीय मुख्य पायलट स्मित मछार पर हमला कर जिस तरह विमान को गिराने की कोशिश की, उसने विमानन उद्योग के सामने कुछ वैसी ही गंभीर चिंताएं खड़ी कर दी हैं, जैसी 9/11 की आतंकी घटना ने खड़ी की थीं। 9/11 की घटना में आतंकियों ने काकपिट में घुसने के बाद पायलटों को काबू कर विमानों को न्यूयार्क के वर्ल्ड ट्रेड टावर और वाशिंगटन स्थित पेंटागन से टकरा दिया था। फ्लाई दुबई विमान का तो सह पायलट ही आतंकी इरादों से लैस निकला। उसने केवल मुख्य पायलट को घायल ही नहीं किया, बल्कि विमान के इंजन से छेड़छाड़ में भी जुट गया। उसकी ये हरकतें उसके आतंकी होने की ही गवाही दे रही हैं। या तो वह विमान गिराना चाहता था या फिर उसे कब्जे में लेकर किसी इमारत से टकराना चाहता था। यदि भारतीय पायलट ने बेहद विकट परिस्थितियों में अदम्य साहस और सूझबूझ का परिचय देते हुए काकपिट का दरवाजा नहीं खोला होता तो ओमानी पायलट 9/11 जैसी घटना दोहराने में सफल हो सकता था। काकपिट का दरवाजा न खुल पाने की स्थिति में विमान में सवार इजरायली यात्री और पायलट भी कुछ नहीं कर पाते और एक भीषण घटना घट जाती। यह स्वाभाविक है कि 170 से अधिक यात्रियों का जीवन बचाने वाले भारतीय पायलट स्मित पूरी दुनिया में नायक के रूप में सराहे जा रहे हैं। उन्होंने अपनी जान जोखिम में डालकर अपने पेशे के साथ भारत का भी मान बढ़ाया है, लेकिन इस घटना के बाद विमानन उद्योग को विमानों की सुरक्षा के लिए कुछ नए उपाय करने के लिए भी विवश होना पड़ सकता है। इस अंदेशे को निराधार नहीं कहा जा सकता कि भविष्य में किसी अन्य विमान का पायलट, सह पायलट या फिर चालक दल का कोई सदस्य अतिवादी या जिहादी सोच वाला हो सकता है। कम से कम अब पायलटों एवं उनके साथियों के सामाजिक व्यवहार और सोच-विचार की कहीं अधिक सघन पड़ताल करनी होगी। निजता के नाम पर इसमें किसी तरह की ढिलाई बरतना खतरे को निमंत्रण देना और हवाई यात्रा का जोखिम बढ़ाने वाला सिद्ध हो सकता है। इसलिए और भी, क्योंकि विमानों का संचालन कहीं अधिक सतर्कता की मांग करता है। इसमें किसी भी तरह की गलती या ढिलाई के लिए कोई गुंजाइश नहीं। अब सुरक्षा एवं सतर्कता का स्तर और अधिक बढ़ाने के अलावा अन्य कोई उपाय नहीं। इसकी अनदेखी न की जाए कि ओमानी सह पायलट ने आपात स्थिति में विमान के बचाव में काम आने वाले क्रैश एक्स यानी एक किस्म की कुल्हाड़ी को हथियार के रूप में इस्तेमाल कर लिया और उससे ही भारतीय पायलट को लहूलुहान कर दिया। बहुत संभव है कि इस उपकरण का विकल्प खोजना पड़े। जो भी हो, इस घटना का पूरा सच जितनी जल्द सामने आए, उतना ही अच्छा।

टिन के डिब्बों से एशियाई स्वर्ण तक



> 66 यहां भारतीय खेल व्यवस्था का एक महत्वपूर्ण पक्ष सामने आता है। सेना लंबे समय से उन खिलाड़ियों के लिए रोजगार, प्रशिक्षण और प्रतियोगी खेल का मंच रही है जिनके लिए खेल के साथ आजीविका का सवाल भी जुड़ा होता है।

खेलों में पदक दिखाई देता है, उसके पीछे का संघर्ष नहीं। पोडियम पर खड़े खिलाड़ी के गले में चमकता स्वर्ण हमें उसकी सफलता बताता है, लेकिन उस स्वर्ण तक पहुंचने के रास्ते में कितनी कमी, कितनी मेहनत और कितनी बार अपने ही साधनों से लड़ना पड़ा, यह कहानी अक्सर खबर का हिस्सा नहीं बनती। नीरू ढांडा की कहानी इसलिए सिर्फ एक निशानेबाज की सफलता की कहानी नहीं है। हरियाणा के जींद जिले के एक किसान परिवार से निकलकर एशियाई खेलों में महिला ट्रैप की व्यक्तिगत स्पर्धा में स्वर्ण जीतने वाली पहली भारतीय महिला बनने और फिर मिश्रित ट्रैप टीम में भी स्वर्ण हासिल करने तक का उनका सफर भारतीय खेल व्यवस्था के सामने कई सवाल खड़े करता है। सवाल यह कि प्रतिभा पैदा कहां होती है और अवसर किसे मिलता है? 29 सितंबर 2026 को नीरू ने महिला ट्रैप के व्यक्तिगत फाइनल में 30 में से 28 निशाने सही लगाए और नया एशियाई खेल रिकॉर्ड बनाया। इससे पहले उन्होंने क्वालिफिकेशन में 118 अंक के साथ खेलों का रिकॉर्ड बनाया था। उसी दिन आशीमा अहलावत और मनीषा कीर के साथ उन्होंने महिला ट्रैप टीम का रजत पदक भी जीता। अगले दिन, 30 सितंबर को काइनान चेनाई के साथ मिश्रित ट्रैप टीम में 34 के स्कोर के साथ उन्होंने दूसरा स्वर्ण जीता और इस स्पर्धा का नया एशियाई रिकॉर्ड कायम किया। इस तरह नीरू के खाते में इस एशियाई खेल में दो स्वर्ण और एक रजत हो चुके हैं। लेकिन इन आंकड़ों से पहले उस दृश्य को देखना जरूरी है जहां से यह कहानी शुरू हुई थी। नीरू ने अपना निशानेबाजी का सफर किसी अत्याधुनिक शूटिंग रेंज से नहीं शुरू किया था। शुरुआती दिनों में वह परिवार की दुनाली बंदूक से टिन के डिब्बों को निशाना बनाती थीं। बाद में उनके चचेरे भाई और 2018 एशियाई खेलों में ट्रैप के रजत पदक विजेता लक्ष्य श्योराण ने उन्हें अपनी बंदूक से अभ्यास करने में मदद की। 2019 में वह भोपाल की मध्य प्रदेश राज्य शूटिंग अकादमी पहुंचीं, जहां उन्हें उपकरण और व्यवस्थित प्रशिक्षण की सुविधा मिली।

टिन के डिब्बे से लेकर एशियाई खेलों के पोडियम तक की यह दूरी केवल भौगोलिक दूरी नहीं है। यह खेल में अवसर की असमानता की दूरी भी है। ट्रैप शूटिंग ऐसा खेल नहीं है जिसे केवल उत्साह के सहारे खेला जा सकता है। बंदूक, कारतूस, शूटिंग रेंज, प्रशिक्षित कोच और लगातार अभ्यास की जरूरत होती है। आर्थिक रूप से कमजोर परिवार के लिए इन सबका इंतजाम करना आसान नहीं होता। इसलिए नीरू की कहानी को केवल अभाव पर विजय की प्रेरक कथा बनाकर छोड़ देना पर्याप्त नहीं है। इसके भीतर यह बड़ा सवाल छिपा है कि कितनी प्रतिभाएं संसाधनों के अभाव में खेल की पहली सीढ़ी पर ही रुक जाती हैं? नीरू के मामले में परिवार और रिश्तेदारों का सहयोग मिला। लक्ष्य श्योराण की सफलता ने उन्हें प्रेरित किया। फिर मध्य प्रदेश शूटिंग अकादमी और बाद में सेना की संस्थागत व्यवस्था ने उनके खेल को आगे बढ़ने का आधार दिया। आज वह भारतीय सेना में नायब सूबेदार हैं और आर्मी मार्क्समैनशिप यूनिट से प्रशिक्षण लेती हैं।

किसी किसान, मजदूर या निम्न-मध्यमवर्गीय परिवार के बच्चे के लिए खेल में करियर केवल पदक का सपना नहीं होता। उसके साथ परिवार की आर्थिक चिंता भी जुड़ी रहती है। यदि खेल और रोजगार की सुरक्षा साथ मिल जाए तो प्रतिभा को टिके रहने का आधार मिलता है।

लेकिन क्या देश की खेल प्रतिभा का बड़ा हिस्सा सेना या कुछ चुनिंदा संस्थानों के सहारे ही आगे बढ़े? यह सवाल इसलिए जरूरी है क्योंकि खेल प्रतिभा की पहली पहचान तो स्कूल, गांव, प्रखंड और जिला स्तर पर होनी चाहिए। वहां प्रशिक्षित कोच, उपकरण और प्रतियोगिताओं की व्यवस्था मजबूत होगी तभी किसी नीरू को समय रहते पहचाना जा सकेगा।

गांवों को अक्सर खेल सुविधाओं की कमी के कारण पिछड़ा माना जाता है। लेकिन गांव प्रतिभा से खाली नहीं हैं। कमी अक्सर अवसर और पहचान की होती है। शहर में किसी बच्चे को अकादमी, प्रशिक्षक या प्रतियोगिता की जानकारी मिल सकती है। गांव में प्रतिभा को यह पता लगाने में ही वर्षों लग सकते हैं कि वह किस खेल के लिए बनी है और वहां से आगे जाने का रास्ता क्या है।

नीरू का शुरुआती जीवन इसी सच की ओर इशारा करता है। प्रतिभा हमेशा किसी व्यवस्थित खेल ढांचे में जन्म नहीं लेती। वह घर के आंगन में, स्कूल के मैदान में, खेत की मेड़ पर, स्थानीय प्रतियोगिता में या किसी रिश्तेदार के खेल प्रदर्शन को देखकर भी जाग सकती है। असली परीक्षा व्यवस्था की है—वह उस प्रतिभा को पहचानती कब है और उसके लिए रास्ता कब खोलती है?

नीरू की वर्तमान उपलब्धियां यह भी बताती हैं कि उनकी कहानी केवल संघर्ष की नहीं, उच्च स्तर की खेल तैयारी की भी है। 2025 में उन्होंने एशियाई शूटिंग चैंपियनशिप में स्वर्ण जीता। जुलाई 2026 में वह इटली के लोनाटो में आईएसएफ-सएफ शॉटगन विश्व कप में महिला ट्रैप का व्यक्तिगत स्वर्ण जीतने वाली पहली भारतीय महिला बनीं। एशियाई खेलों में आने से पहले ही उनका अंतरराष्ट्रीय प्रदर्शन यह संकेत दे चुका था कि वह केवल "अभाव से निकली खिलाड़ी" नहीं, बल्कि विश्व स्तर पर प्रतिस्पर्धा करने वाली निशानेबाज हैं। फिर एशियाई खेलों से ठीक पहले बीमारी ने उनकी तैयारी को झटका दिया। भारतीय एक्सप्रेस की रिपोर्ट के अनुसार, संक्रमण के कारण उन्हें अस्पताल में भर्ती होना पड़ा। लगभग साढ़े तीन सप्ताह तक उनका नियमित प्रशिक्षण नहीं हो पाया और राष्ट्रीय शिविर के दौरान वह कई दिनों तक बेहद कमजोर रहीं। उनके कोच पीटर विल्सन ने बताया कि अस्पताल से लौटने के बाद जापान में भी उन्हें बहुत सीमित समय अभ्यास का मिला।इसके बाद एशियाई खेलों की शूटिंग रेंज में बारिश भी चुनौती बनकर आई। लेकिन नीरू ने अपना ध्यान प्रक्रिया पर बनाए रखा। व्यक्तिगत फाइनल में 30 में से 28 निशाने लगाकर उन्होंने न केवल स्वर्ण जीता, बल्कि नया एशियाई खेल रिकॉर्ड भी बनाया। चीन की सुन यूनोंग ने 26 निशानों के साथ रजत पदक जीता।यहां खेल का एक दूसरा सत्य सामने आता है। बड़े मुकाबले में निशाना केवल बंदूक से नहीं लगता। खिलाड़ी को शरीर, तकनीक, मौसम, दबाव और मन—सभी को एक साथ संभालना होता है। नीरू के मामले में बीमारी से उबरने के बाद इतने कम अभ्यास के बावजूद उनका प्रदर्शन इस मानसिक तैयारी की ओर भी संकेत करता है।लेकिन नीरू की कहानी का सबसे मार्मिक दृश्य शायद शूटिंग रेंज में नहीं, उनके गांव और घर की रोजमर्रा की जिंदगी में है।

-कुमार कृष्णन

आयोग ने इस पूरी ...

अशोक भाटिया

लोकतंत्र का महापर्व और त्रुटिहीन वोटर लिस्ट: निर्वाचन आयोग का साहसिक कदम बनाम राजनीतिक घमासान



भारत निर्वाचन आयोग द्वारा मतदाता सूची का विशेष संक्षिप्त पुनरीक्षण लोकतांत्रिक प्रक्रिया को शुद्ध, पारदर्शी और सशक्त बनाने की दिशा में हमेशा एक सराहनीय और युगांतकारी कदम रहा है। किसी भी गतिशील लोकतंत्र में मतदाता सूची केवल नामों का संकलन मात्र नहीं होती, बल्कि यह उस देश के नागरिकों के राजनीतिक अधिकारों की बुनियाद होती है। समय-समय पर इस सूची का पुनरीक्षण करना यह सुनिश्चित करता है कि देश का कोई भी वैध नागरिक अपने मताधिकार से वंचित न रहे और कोई भी अवैध या फर्जी प्रविष्टि लोकतंत्र के पवित्र जनादेश को दूषित न कर सके। निर्वाचन आयोग की इस नियमित और व्यापक कवायद का मुख्य उद्देश्य एक त्रुटिहीन मतदाता सूची तैयार करना है। बदलते समय के साथ जनसंख्या में तीव्र प्रवास , नए युवाओं का अर्हता आयु प्राप्त करना और नागरिकों की मृत्यु जैसे कारक मतदाता सूची में निरंतर बदलाव की मांग करते हैं। इस चुनौती से निपटने के लिए चुनाव आयोग तकनीकी नवाचारों और धरातलीय सत्यापन के माध्यम से मतदाता सूची को अद्यतन करता है। जहां एक ओर बुद्धिजीवियों, नागरिक समाज और आम जनता द्वारा आयोग के इस कदम को भारतीय लोकतंत्र की सेहत के लिए एक आवश्यक बूस्टर डोज माना जाता है, वहीं दूसरी ओर देश के राजनीतिक परिदृश्य में इस प्रक्रिया को लेकर हमेशा से तीखी बहस, आम सहमति और विरोधी दलों का भारी हंगामा भी देखने को मिलता रहा है। भारतीय चुनाव आयोग एक संवैधानिक संस्था है, जिस पर देश में स्वतंत्र और निष्पक्ष चुनाव कराने की जिम्मेदारी है। मतदाता सूची का पुनरीक्षण इस जिम्मेदारी का सबसे पहला और महत्वपूर्ण चरण है। जब आयोग इस अभियान की शुरुआत करता है, तो इसके तहत कई स्तरों पर काम किया जाता है। पहला स्तर नए मतदाताओं को जोड़ने का होता है। देश में हर साल लाखों युवा 18 वर्ष की आयु पूरी करते हैं। आयोग विभिन्न शैक्षणिक संस्थानों, सोशल मीडिया और 'वोटर हेल्पलाइन ऐप' जैसे डिजिटल माध्यमों से इन नए मतदाताओं को पंजीकृत करने के लिए विशेष शिविर लगाता है। यह प्रक्रिया युवा ऊर्जा को देश की मुख्यधारा की राजनीति से जोड़ने का काम करती है। दूसरा महत्वपूर्ण स्तर प्रविष्टियों में सुधार और शुद्धिकरण का है। अक्सर पुरानी मतदाता सूचियों में नाम की स्पेलिंग, पते, माता-पिता के नाम या फोटो में त्रुटियां रह जाती हैं, जिसके कारण मतदान के दिन नागरिकों को पोलिंग बूथ से निराश लौटना पड़ता है। पुनरीक्षण प्रक्रिया नागरिकों को इन गलतियों को सुधारने का एक औपचारिक और सुलभ अवसर प्रदान करती है। इसके अलावा, इस प्रक्रिया का सबसे संवेदनशील हिस्सा होता है—अपात्र मतदाताओं के नामों को हटाना। जो नागरिक किसी क्षेत्र को छोड़कर दूसरे राज्य या शहर में बस गए हैं, या जिन मतदाताओं का निधन हो चुका है, उनके नामों को सूची से काटना अनिवार्य होता है। यदि ऐसा न किया जाए, तो चुनाव के दौरान फर्जी मतदान की आशंका अत्यधिक बढ़ जाती है, जो किसी भी निष्पक्ष चुनाव के लिए सबसे बड़ा खतरा है।

आयोग ने इस पूरी प्रक्रिया को डिजिटल बनाकर और अधिक पारदर्शी बनाने का प्रयास किया है। राष्ट्रीय मतदाता सेवा पोर्टल और बीएलओ के माध्यम से घर-घर जाकर किया जाने वाला भौतिक सत्यापन इस अभियान की रीढ़ है। जब एक साफ-सुथरी और सटीक मतदाता सूची तैयार होती है, तो चुनाव के परिणामों पर किसी को उंगली उठाने का मौका नहीं मिलता। यही कारण है कि देश का जागरूक वर्ग हमेशा निर्वाचन आयोग के इस कदम की सराहना करता है और इसे लोकतांत्रिक शुचिता बनाए रखने के लिए एक अनिवार्य कदम मानता है।

मतदाता सूची का पुनरीक्षण जहां प्रशासनिक रूप से एक सराहनीय और तकनीकी कार्य है, वहीं राजनीतिक रूप से यह एक अत्यधिक संवेदनशील मुद्दा बन जाता है। भारत के चुनावी इतिहास में शायद ही कभी ऐसा हुआ हो जब मतदाता सूची के पुनरीक्षण या उसमें बदलाव की प्रक्रिया बिना किसी राजनीतिक विवाद के संपन्न हुई हो। जब भी चुनाव आयोग इस दिशा में कदम आगे बढ़ाता है, देश के विभिन्न हिस्सों में विपक्षी और विरोधी राजनीतिक दलों द्वारा भारी हंगामा, विरोध प्रदर्शन और आयोग की नीयत पर सवाल उठाने का सिलसिला शुरू हो जाता है। विरोधी दलों के इस हंगामे और विरोध के पीछे कई प्रकार की राजनीतिक आशंकाएं, रणनीतियां और जमीनी चिंताएं होती हैं । उनमें प्रमुख है -विपक्षी दलों का सबसे आम और गंभीर आरोप यह होता है कि सत्तारूढ़ दल के दबाव में प्रशासनिक तंत्र या बीएलओ द्वारा उनके पारंपरिक वोट बैंक या विशिष्ट समुदायों के नामों को मतदाता सूची से सामूहिक रूप से हटा दिया गया है।

गंभीरता से ...

डा .वेदप्रकाश

गांधी जी के अधूरे सपनों पर चिंतन की आवश्यकता

गांधी जयंती के अवसर पर 2 अक्टूबर का सार्वजनिक अवकाश रहा। देश में अनेक स्थानों पर इस उपलक्ष में विभिन्न कार्यक्रम हुए लेकिन क्या आज भी गांधी जी के सपने अधूरे नहीं हैं? ध्यान रहे गांधी जी ने ये सपने अपनी सुख-सुविधाओं के लिए नहीं देखे थे, अपितु उनके सपनों में सामान्य व्यक्ति के लिए चिंता है, उनमें भारत रचा-बसा है। गांधी जी ने अपने जीवन का अधिकांश समय भारत को जानने, समझने और बनाने में लगाया। गुजरात के राजकोट स्थित एक मध्यमवर्गीय परिवार में जन्म लेने, संस्कार पाने और फिर विदेश से वकालत की पढ़ाई पूरी करने के बाद उन्होंने देश-विदेश में रंगभेद ,जातिगत भेद एवं अंग्रेजी दासता से मुक्ति हेतु अपना जीवन समर्पित कर दिया। उन्होंने अपनी विभिन्न यात्राओं से समूचे देश को समझा और सत्य को अनुभव किया। त्याग, सत्य, अहिंसा,परहित,सेवा आदि उनके लिए कोई दिखावे की बात नहीं थी, अपितु जीवन दर्शन थे। विगत कई दशकों से 02 अक्तूबर यानी गांधी जी की जयंती के अवसर पर देशभर में छोटे-बड़े हजारों कार्यक्रमों का आयोजन होता है। शासन-प्रशासन द्वारा भी सैकड़ों योजनाएं घोषित की जाती हैं लेकिन क्या आज वर्ष 2026 तक भी हम गांधी जी के सपनों का भारत बना पाए हैं? क्या आज भी गांधी जी के सपने अधूरे नहीं है? गांधी जी ने अपनी हिंद स्वराज एवं मेरे सपनों का भारत नामक महत्वपूर्ण पुस्तकों में भारत की आर्थिक, धार्मिक, सामाजिक, सांस्कृतिक और राजनीतिक परिस्थितियों का गंभीरता से व व्यापक विश्लेषण करते हुए भारत के विषय में अपने विचार रखे। मेरे सपनों का भारत में उन्होंने स्वराज का अर्थ, भारतीय लोकतंत्र, भारत और समाजवाद, बेकारी का सवाल, सर्वोदय, दरिद्र नारायण, समान वितरण का रास्ता, किसान, ग्राम स्वराज्य, ग्रामोद्योग, स्वदेशी,गोरक्षा, गांव की सफाई, आरोग्य, आहार, युवकों का आवाह्न, शराब और अन्य मादक द्रव्य, भारत की सांस्कृतिक विरासत, उच्च शिक्षा, स्त्रियों की शिक्षा, भारतीय भाषाएं एवं भारत और विश्व शांति आदि विभिन्न शीर्षकों से अपने विचार व्यक्त किए हैं। गंभीरता से विचार करें तो उपर्युक्त में से अनेक ऐसे मुद्दे अथवा विषय हैं जो आज भी लक्ष्य से बहुत दूर दिखाई दे रहे हैं। इसका कारण स्पष्ट है कि दशकों से विभिन्न सरकारी कार्यालयों में गांधी जी के फोटो तो नेताओं और अधिकारियों ने लगाएं लेकिन अधिकांश फोटो कुर्सी के पीछे हैं। जहां से गांधी जी के सिद्धांत अथवा सपने इन तक पहुंच ही नहीं पाते। जनकल्याण के लिए बनाई जाने वाली विभिन्न योजनाएं भ्रष्टाचार की भेंट चढ़ रही हैं। पंक्ति में खड़ा अंतिम व्यक्ति आज भी हाशिए पर है। पद-प्रतिष्ठा, राजनीतिक महत्वाकांक्षाओं व निहित स्वार्थों के चलते चहूं और आपाधापी सामान्य हो चुकी है। हाल ही का समाचार है कि उत्तर प्रदेश के फर्रुखाबाद जिले के सोतेपुर गांव में 8 वर्षीय बच्ची को किसान बनाकर सम्मान निधि बांट दी गई। लूट के इस खेल में 4,297 अपात्र सत्यापन में पकड़े गए हैं जिनमें से 147 नाबालिग हैं।

विश्लेषण कुछ शब्दों का

आज बात तो होती हैं कुछ , चिंतन कीया जाता है कुछ ,कार्य किया जाता है कुछ और परिणाम आता है कुछ ।यह है आज के युग की सच्चाई । क्योंकि अपने भितर में मैं शब्द है सर्वाधिक अपना स्वार्थ द्योतक । सयाने (समझदार) रखते हैं इससे दूरी हो सके जहाँ तक। इसके विपरीत कितना संतोषजनक शब्द है हम। ऐसे सुविचार सोच वाले समाज में मनुष्य होते हैं बहुत ही कम। बहुत ही ख़तरनाक जहरीला शब्द है भितर का EGO अपने हित में है जो उड़ा देता है सुख -चैन सभी तरह से और घिरे -घिरे इससे अनचाहे गर्त की और चले जाते है । Let It Soon 'Go' कितना मीठा शब्द है 'प्यार'। मनुज! जरा इसकी कीमत पर हम कर सके विचार । वैसे ही कितना संतोषजनक शब्द है मुस्कान और वह बढ़ा देता है हर तरफ़ से आदमी की साख और शान । दूसरी और अफवाह पर दे दिया जिसने ध्यान कितना नासमझ है वह नादान है वह इन्सान । इर्ष्या कालिख पोत देती है हमारे विवेक पर। ऐसे मलिन भाव की इच्छा कभी भी न कर। तपस्वी साधु राजा प्रेसन जीत ने विचारों से सातवी नरक खटखटाया व विचारों से मुक्ति का सेहरा लगाया । विचार ये भी, विचार वो भी अंतर गणित भी नही बता पाया। मन से उपजते विचार या मन ही विचार अतित में भटकता भविष्य की करता सोचता निषेधात्मक करता बुरा हाल । वर्तमान में रहना उसे जमता कम व सकारात्मक सोच में कहा रमता उसका मन । कुविचार नही अच्छा कभी सुविचार से जीवन चलता सही पर जिसके शुध्द विचार मुक्ति उसके आस पास निर्विचार दशा उत्कृष्ट साधक की तोड़ न पाए कोई समाधि जिसकी । विचार ये भी विचार वो भी अंतर जिसने समझा बोध को पाया । विचार में दृष्टि का है हाथ दृष्टि एकांत विचार नही होंगे विशाल ।सम्यग् दृष्टि से वही विचार सकार ।जिसने अपने विचारों को पढकर किया विश्लेषण-न्याय ज्ञानी वह बड़ा दुनिया मुट्ठी समाय । मन ही साधन , मन ही विघ्न । महासागर से भी गहरा है यह कथन यदि न किया जाए गहरा विश्लेषण व अध्ययन ।तो मन को समझ पाना है नामुमकिन ।

› प्रदीप छाजेड़

जरा हटके

नियम आवश्यक हैं...

सुजीत कुमार मिश्र

बायोमेट्रिक में दर्ज नहीं होती इंसान की मजबूरी

सुबह का समय था। एक कर्मचारी रोज की तरह अपने काम पर पहुंचा। चेहरे पर वही जिम्मेदारी थी, मन में परिवार की चिंता और आंखों में महीने के अंत में मिलने वाली तनख्वाह की उम्मीद। वह कोई बड़ा अधिकारी नहीं था। वह उन लाखों लोगों में से एक था, जिनके लिए नौकरी केवल नौकरी नहीं होती—वह उनके परिवार की रोजी-रोटी होती है। उस दिन काम कुछ अधिक था। जिम्मेदारियां भी अधिक थीं। पूरे दिन वह अपने काम में लगा रहा। शाम को घर लौटा तो शायद उसे यह भी याद नहीं रहा कि किसी छोटी-सी औपचारिकता में उससे चूक हो गई है। कुछ दिनों बाद उसे पता चला कि उसकी तनख्वाह से एक राशि काट ली गई है। कारण था - उपस्थिति में हुई एक छोटी-सी त्रुटि। वह कुछ क्षण चुप रहा। उसके सामने उस दिन का पूरा परिश्रम घूम गया। फिर उसे अपना घर याद आया। बच्चों की जरूरतें याद आईं। महीने का राशन याद आया। बिजली का बिल, दवा का खर्च और घर की छोटी-बड़ी आवश्यकताएं याद आईं। उसने मन ही मन शायद यही सोचा होगा - "मेरी एक छोटी-सी गलती इतनी बड़ी कैसे हो गई कि इसकी कीमत मेरे पूरे परिवार को चुकानी पड़े?"

यह कहानी किसी एक कर्मचारी की नहीं है। यह कहानी हमारे आसपास मौजूद उन असंख्य लोगों की है, जो प्रतिदिन अपने श्रम के बदले मिलने वाले सीमित वेतन से अपने परिवार की जिंदगी चलाते हैं।

नियम आवश्यक हैं, लेकिन क्या संवेदना अनावश्यक नहीं है ? आज लगभग हर संगठित संस्था में नियम हैं। बायोमेट्रिक उपस्थिति है। समय की पाबंदी है। अवकाश के नियम हैं। कार्य-प्रणाली है और अनुशासन भी है। वास्तव में नियम होने ही चाहिए। किसी संस्था को बिना नियमों के चलाया नहीं जा सकता। लेकिन असली सवाल नियम होने का नहीं है। सवाल यह है कि नियम लागू करते समय क्या हम उस व्यक्ति को भी देखते हैं, जिस पर वह नियम लागू हो रहा है? बायोमेट्रिक मशीन यह बता सकती है कि किसी कर्मचारी की उपस्थिति किस समय दर्ज हुई। वह यह नहीं बता सकती कि वह व्यक्ति पूरे दिन कितनी मेहनत कर रहा था। वह यह नहीं समझ सकती कि किसी कर्मचारी से तकनीकी या मानवीय भूल क्यों हुई। वह यह नहीं जान सकती कि उसके घर में कौन-सी परेशानी चल रही थी। मशीन केवल रिकॉर्ड देखती है, पर इंसान को परिस्थिति देखनी चाहिए। एक तरफ नियम, दूसरी तरफ एक गरीब परिवार का चूल्हा, जिस व्यक्ति की तनख्वाह लाखों में है, उसके लिए कुछ सौ या कुछ हजार रुपये की कटौती शायद उतनी बड़ी समस्या न हो। लेकिन जिस कर्मचारी की पूरी मासिक आय ही परिवार की जरूरतों के लिए मुश्किल से पर्याप्त है, उसके लिए वही रकम बहुत बड़ी हो सकती है। उस पैसे से घर में सब्जी आ सकती है ।बच्चे की कॉपी-किताब आ सकती है। किसी बुजुर्ग की दवा खरीदी जा सकती है। बिजली का बिल जमा हो सकता है या शायद उस दिन घर में चूल्हा जल सकता है। यही वह बिंदु है जहां प्रशासनिक निर्णय और मानवीय संवेदना आमने-सामने खड़े हो जाते हैं। कागज पर कटौती एक आंकड़ा है, लेकिन गरीब के घर में वही कटौती एक आवश्यकता का टूट जाना है। क्या पूरे महीने की मेहनत से बड़ी होती है एक छोटी गलती? एक कर्मचारी पूरे महीने काम करता है, समय देता है, अपनी क्षमता लगाता है, कभी निर्धारित समय से अधिक रुकता है, कभी निजी परेशानियों को भुलाकर संस्था की जिम्मेदारी निभाता है, संस्था की सफलता में अपना योगदान देता है। लेकिन यदि किसी एक दिन उससे कोई छोटी-सी भूल हो जाए, तो क्या उस एक भूल के सामने उसके पूरे महीने की मेहनत छोटी हो जानी चाहिए? यही प्रश्न आज हमें स्वयं से पूछने की आवश्यकता है। गलती और अपराध में अंतर होता है। अनजाने में हुई भूल और जानबूझकर की गई लापरवाही एक जैसी नहीं हो सकती। नियमों का पालन न करने की आदत और कभी-कभार होने वाली मानवीय त्रुटि को एक ही नजर से देखना भी न्यायसंगत नहीं कहा जा सकता। यदि किसी कर्मचारी की लगातार लापरवाही है, तो कार्रवाई होनी चाहिए। लेकिन जहां गलती छोटी है, अनजानी है या तकनीकी कारणों से हुई है, वहां पहले स्पष्टीकरण और सुधार का अवसर देना अधिक मानवीय व्यवस्था हो सकती है। संस्था के लिए काम करने वाला व्यक्ति केवल एक कर्मचारी संख्या नहीं है । हम अक्सर कर्मचारी को उसके कर्मचारी कोड, उपस्थिति रिकॉर्ड या पदनाम से पहचानने लगते हैं। लेकिन उस रिकॉर्ड के पीछे एक पूरा इंसान होता है। उसके पीछे एक परिवार होता है, उसके बच्चों के सपने होते हैं, उसके माता-पिता की उम्मीदें होती हैं, उसकी अपनी परेशानियां होती हैं और सबसे महत्वपूर्ण - उसकी मेहनत होती है। किसी भी संस्था की वास्तविक शक्ति केवल उसकी मशीनों, भवनों और नियमों में नहीं होती। वह शक्ति उन लोगों में होती है, जो उस संस्था के लिए अपना समय, श्रम और जीवन का महत्वपूर्ण हिस्सा देते हैं। इसलिए किसी कर्मचारी की छोटी-सी त्रुटि को देखने से पहले उसके पूरे योगदान को देखना भी जरूरी है। जिसकी कलम संस्था के लिए चली, उसका हाथ गलती पर क्यों कांपे? यह बात केवल मजदूर की नहीं है। यह बात उस कर्मचारी की भी है जो अपने संस्थान के हित में वर्षों से ईमानदारी से काम करता आया है। कई लोग अपनी संस्था के लिए केवल निर्धारित जिम्मेदारी ही नहीं निभाते। वे संस्था की प्रतिष्ठा को अपनी प्रतिष्ठा समझते हैं। उसकी उपलब्धियों को समाज तक पहुंचाते हैं। अतिरिक्त जिम्मेदारियां लेते हैं। आवश्यकता पड़ने पर अपने निजी समय का भी उपयोग करते हैं। ऐसे व्यक्ति से यदि कभी कोई छोटी-सी भूल हो जाए, तो क्या उसके वर्षों के योगदान का कोई महत्व नहीं रह जाता? क्या उसके पूरे समर्पण को एक छोटी-सी त्रुटि के सामने रखकर तौलना न्यायपूर्ण होगा किसी व्यक्ति की पहचान उसकी एक गलती से नहीं, उसके पूरे कर्म से होनी चाहिए। सजा देने से पहले एक बार उसके घर की कल्पना कीजिए क्योंकि हमारे निर्णय अक्सर कार्यालय की चारदीवारी के भीतर लिए जाते हैं। एक फाइल आती है, एक नियम देखा जाता है, एक रिकॉर्ड सामने रखा जाता है, और निर्णय हो जाता है। लेकिन उस निर्णय का असर कार्यालय से बाहर जाकर किसी घर की चारदीवारी में पहुंचता है- वहां एक पत्नी इंतजार कर रही होती है, बच्चे पिता की ओर देख रहे होते हैं, कोई मां दवा की उम्मीद लगाए बैठी होती है ।

विरोध किया तो युवक ने थप्पड़ मारा, कॉलेज जाते समय सुनसान गली की वारदात

छात्रा का पीछा किया, छेड़खानी की

वारदात

तमसा संकेत, एजेंसी

मुजफ्फरनगर। बुढ़ाना कोतवाली क्षेत्र में कॉलेज जा रही एक छात्रा से छेड़छाड़ और मारपीट का मामला सामने आया है। शुक्रवार दोपहर घटना से जुड़े दो वीडियो सामने आए, जिनमें एक युवक छात्रा का पीछा करता और उसके साथ अभद्रता करता दिखाई दे रहा है। वीडियो में युवक छात्रा को धक्का देता नजर आ रहा है। छात्रा उससे बचने की कोशिश करती है, लेकिन युवक उसका पीछा करता रहता है। मामला गुरुवार सुबह का बताया जा रहा है। छात्रा कॉलेज जाने के लिए निकली थी और उसके पीछे कुछ अन्य छात्राएं भी चल रही थीं। सुबह करीब आठ बजे बुढ़ाना कस्बे के छोटे बाजार में पहुंचने के दौरान काली शर्ट पहने एक युवक ने उसका पीछा करना शुरू कर दिया। घटना के दोनों वीडियो सामने आने के बाद पुलिस ने मामले की जांच शुरू कर दी है।





पुलिस वीडियो के आधार पर युवक की पहचान करने में जुटी है। साथ ही घटनास्थल और आसपास मौजूद लोगों से भी जानकारी जुटाई जा रही है।

पुलिस का कहना है कि वीडियो में दिखाई दे रहे युवक की पहचान होने के बाद आगे की कार्रवाई की जाएगी। फिलहाल आरोपी की तलाश की जा रही है। इसी दौरान युवक उसका हाथ पकड़ लेता है और उसे थप्पड़ मार देता है। इसके बाद दोनों पैदल वहां से चले जाते हैं।

पहले वीडियो में छात्रा का पीछा करता दिखा युवक

सामने आए पहले वीडियो में गली में एक युवक और स्कूल यूनिफॉर्म पहने छात्रा आगे-आगे जाते दिखाई दे रहे हैं। छात्रा के पीछे कुछ अन्य छात्राएं भी नजर आती हैं। दोनों तेजी से गली पार कर दाईं ओर मुड़ जाते हैं और इसके बाद बंद दुकान तथा ठेले के पास रुकते हैं। वीडियो में युवक छात्रा को धक्का देता हुआ दिखाई देता है। आसपास दुकान के बाहर सामान से भरे गत्ते के डिब्बे रखे नजर आ रहे हैं। गली के बाईं ओर एक बुजुर्ग दुकानदार सफेद कुर्ता-पायजामा और जैकेट पहने किसी व्यक्ति से बातचीत या लेनदेन करते दिखाई देते हैं।

दूसरे वीडियो में हाथ पकड़कर थप्पड़ मारने का आरोप

दूसरे वीडियो में युवक और छात्रा एक दीवार के पास खड़े दिखाई देते हैं। पास में एक मोटरसाइकिल भी खड़ी है। दोनों के बीच किसी बात को लेकर बहस होती नजर आती है। वीडियो में छात्रा युवक को अपने करीब आने से रोकने की कोशिश करती दिखाई देती है।

कस्बा इंचार्ज ललित कसाना ने बताया- वीडियो की जानकारी मिली है। 2 अक्टूबर होने के कारण आज स्कूल बंद है। इसलिए शुक्रवार को जानकारी नहीं मिल पाई। वीडियो के आधार पर लड़के की पहचान की जा रही है। जल्द ही आरोपी को गिरफ्तार किया जाएगा।

91वीं आरएएफ ने चंद्रावल में चलाया वृहद वृक्षारोपण अभियान

तमसा संकेत, संवाददाता

लखनऊ। गांधी जयंती एवं स्वच्छ भारत दिवस के अवसर पर शुक्रवार को 91वीं वाहिनी द्रुत कार्य बल (आरएएफ), बिजनौर की ओर से प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र चंद्रावल, ब्लॉक सरोजनीनगर में वृहद वृक्षारोपण अभियान चलाया गया। यह आयोजन स्वच्छता ही सेवा अभियान के तहत किया गया।

कमांडेंट जितेन्द्र कुमार ओझा के मार्गदर्शन और द्वितीय कमान अधिकारी सोहन सिंह की उपस्थिति में आरएएफ के अधिकारियों एवं जवानों ने विभिन्न प्रजातियों के पौधे रोपे। इस दौरान अमरूद, जामुन, नीम, सागवान और आंवला समेत फलदार व छायादार पौधों का रोपण किया गया। अभियान का उद्देश्य क्षेत्र को स्वच्छ एवं हरा-भरा बनाने के साथ ही पर्यावरण संरक्षण के प्रति लोगों में जागरूकता बढ़ाना रहा। कार्यक्रम के दौरान वक्ताओं ने पौधारोपण के महत्व पर प्रकाश डालते हुए पर्यावरण संरक्षण और स्वच्छता को सामूहिक जिम्मेदारी बताया। इस अवसर पर प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र चंद्रावल के चिकित्सा अधिकारी डॉ. पियुष अवस्थी, ग्राम प्रधान गुरुप्रसाद यादव, प्रधान प्रतिनिधि धर्मेन्द्र रावत, जिला प्रतिनिधि अनुज पाल, जिला मंत्री मुकेश शर्मा, ब्लॉक प्रमुख सुनील रावत, पूर्व प्रधान सर्वेश रावत सहित अन्य गणमान्य लोग मौजूद रहे।

आरएएफ के जवानों और स्थानीय जनप्रतिनिधियों ने पौधों के संरक्षण का संकल्प भी लिया।



फास्ट न्यूज

मुंबई में छिपा बैठा था 25 हजार का इनामी गैंगस्टर

अलीगढ़। अलीगढ़ में गैंगस्टर एक्ट के मुकदमे में लंबे समय से फरार चल रहे 25 हजार रुपए के इनामी आरोपी साजेब उर्फ राहुल को क्वार्सी पुलिस ने मुंबई से गिरफ्तार कर लिया। अलीगढ़ से फरारी के बाद उसने मुंबई के बांद्रा ईस्ट में ठिकाना बना लिया था। पुलिस के मुताबिक, साजेब उर्फ राहुल पुत्र मुन्नन हमदर्द नगर डी, जमालपुर फाटक, थाना सिविल लाइंस का रहने वाला है। उसके खिलाफ सिविल लाइंस थाने में गैंगस्टर एक्ट का मुकदमा दर्ज है।

केजीएमयू की 1276 नर्सिंग भर्ती पर शासन ने बैठाई जांच

लखनऊ। KGMU नर्सिंग भर्ती 2023 को लेकर लगातार सामने आ रही शिकायतों के बीच शासन ने जांच बैठा दी है। संयुक्त सचिव ने चिकित्सा शिक्षा विभाग के महानिदेशक को पत्र लिखकर प्रकरण की जांच के आदेश दिए हैं। इससे पहले मामले की जांच STF को भी सौंपी जा चुकी है। गुरुवार को शासन का लेटर सामने आने के बाद KGMU कैंपस में भी हलचल भरा माहौल रहा। वहीं, एक अन्य मामले में कर्मचारी नेता की शिकायत को लेकर भी शासन की तरफ से जल्द जांच पूरी करने के निर्देश दिए गए है।

ड्यूटी छोड़कर सिपाही सपा से विधायक बनने निकला

गोरखपुर। गोरखपुर में डायल-112 में तैनात सिपाही श्याम सुंदर चौहान ड्यूटी छोड़कर समाजवादी पार्टी से विधानसभा चुनाव लड़ने की तैयारी कर रहा है। वह एक साल तक सेटिंग बनाकर ड्यूटी से गायब रहा।

उसकी हाजिरी बराबर लगती रही। 3 महीने पहले अफसरों को भनक लगी तो उसे सस्पेंड कर दिया। इसके बाद भी सिपाही पुलिस लाइन में हाजिर नहीं हुआ।

विवाहिता ने फांसी लगाकर जान दी

पति बोला- डिप्रेशन का इलाज चल रहा था

तमसा संकेत, एजेंसी

हरदोई। हरदोई में सुरसा थाना क्षेत्र के जगतपुरवा गांव में शुक्रवार सुबह 42 वर्षीय अर्चना का शव घर के अंदर छप्पर के नीचे फंदे से लटका मिला। सुबह करीब 7 बजे बच्चों ने शव देखा। इसके बाद चीख-पुकार मच गई। आसपास के लोग मौके पर पहुंचे और पुलिस को सूचना दी। परिजनों के मुताबिक, अर्चना सुबह रोज की तरह टहलने के लिए घर से निकली थीं। कुछ देर बाद वह वापस घर लौटीं। इसके बाद घर के अंदर छप्पर के नीचे गमछे का फंदा लगाकर जान दे दी। बच्चों ने उन्हें फंदे पर लटका देखा तो शोर मचाया। सूचना पर सुरसा पुलिस मौके पर पहुंची। पुलिस ने घटनास्थल की जांच की। फोरेंसिक टीम ने भी मौके से साक्ष्य जुटाए। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। घटना के समय अर्चना के पति दयाराम राठौर घर पर नहीं थे। वह शाहाबाद में अपने साढ़ू के यहां राजमिस्त्री का काम करने गए थे। पत्नी की मौत की सूचना मिलने पर वह गांव पहुंचे। अर्चना के चार बेटे और एक बेटी हैं। मां की मौत के बाद बच्चों और परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल है।



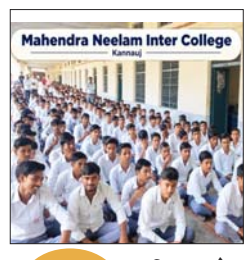
3,643 विद्यालयों में पहुंचकर न्यायिक अधिकारियों ने 6.46 लाख से अधिक विद्यार्थियों को किया जागरूक

पॉक्सो अधिनियम पर प्रदेशभर में चला विशेष जागरूकता अभियान

तमसा संकेत, संवाददाता

लखनऊ। उत्तर प्रदेश राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण द्वारा 'यौन अपराधों से बालकों का संरक्षण अधिनियम, 2012' (पॉक्सो अधिनियम) के संबंध में विद्यार्थियों को जागरूक करने के लिए 25 सितंबर से 2 अक्टूबर, 2026 तक प्रदेशव्यापी विशेष जागरूकता अभियान संचालित किया गया। गांधी जयंती के अवसर पर 2 अक्टूबर को अभियान का समापन हुआ। माननीय न्यायमूर्ति श्री सूर्यकांत, मुख्य न्यायाधीश, सर्वोच्च न्यायालय एवं मुख्य संरक्षक, राष्ट्रीय विधिक सेवा प्राधिकरण तथा माननीय न्यायमूर्ति श्री विक्रम नाथ, न्यायाधीश, सर्वोच्च न्यायालय एवं कार्यपालक अध्यक्ष, राष्ट्रीय विधिक सेवा प्राधिकरण के नेतृत्व तथा माननीय न्यायमूर्ति श्री अरुण भंसाली, मुख्य न्यायाधीश, इलाहाबाद उच्च न्यायालय एवं मुख्य संरक्षक, उत्तर प्रदेश राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण तथा माननीय न्यायमूर्ति श्री अरिंदम सिन्हा, वरिष्ठ न्यायाधीश, इलाहाबाद उच्च न्यायालय एवं कार्यपालक अध्यक्ष, उत्तर प्रदेश राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण के मार्गदर्शन में यह अभियान संचालित किया गया। सदस्य सचिव डॉ. मनु कालिया ने बताया कि अभियान के दौरान न्यायिक अधिकारियों ने प्रदेश के 3,643 विद्यालयों का भ्रमण कर लगभग 6,46,100 से अधिक विद्यार्थियों से सीधे संवाद किया। विद्यालयों में प्रातःकालीन प्रार्थना सभाओं के दौरान विद्यार्थियों को बाल अधिकारों, व्यक्तिगत सुरक्षा, शरीर की निजता, गुड टच एवं बैड टच, शोषण के विरुद्ध आवाज उठाने तथा आवश्यकता पड़ने पर सहायता प्राप्त करने के संबंध में जागरूक किया गया। विद्यार्थियों को उपलब्ध कानूनी उपायों, चाइल्ड प्रोटेक्शन हेल्पलाइन तथा विधिक सहायता सेवाओं की जानकारी भी दी गई।







अभियान के दौरान विद्यार्थियों के साथ सीधे संवाद को विशेष महत्व दिया गया। पारस्परिक संवाद सत्र, जागरूकता चर्चाओं, प्रतियोगिताओं, नुक्कड़ नाटकों, रैलियों एवं अन्य कार्यक्रमों के माध्यम से बच्चों को कानूनी प्रावधानों को सरल एवं सहज तरीके से समझाया गया। साथ ही नाबालिगों से जुड़े विषयों के संबंध में प्रचलित भ्रांतियों को दूर करने और विधिक जानकारी के अभाव में उत्पन्न होने वाले संभावित परिणामों के प्रति किशोरों को जागरूक किया गया।

सीएम योगी ने बापू की 157वीं जयंती पर निवेदित की श्रद्धा

प्रदेशवासियों को दी 'अंतरराष्ट्रीय अहिंसा दिवस' की शुभकामना

तमसा संकेत, संवाददाता

लखनऊ। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने राष्ट्रपिता महात्मा गांधी की 157वीं जयंती पर उनके प्रति श्रद्धा निवेदित की। मुख्यमंत्री ने जीपीओ स्थित राष्ट्रपिता की प्रतिमा पर पुष्प अर्पित किए। इस अवसर पर स्कूली बच्चों ने 'रघुपति राघव राजा राम', 'वह शक्ति हमें दो दयानिधे', 'वैष्णव जन तो तेने कहिए' आदि भजनों/गीतों पर संगीतमयी प्रस्तुति दी। मुख्यमंत्री ने भजनों का श्रवण किया। मुख्यमंत्री ने राष्ट्रपिता महात्मा गांधी की जयंती पर प्रदेशवासियों को 'अंतरराष्ट्रीय अहिंसा दिवस' की शुभकामनाएं दीं। उन्होंने अपने सोशल मीडिया अकाउंट 'एक्स' पर लिखा कि सत्य और अहिंसा के मार्ग पर चलकर संपूर्ण विश्व को स्वदेशी व अहिंसा के माध्यम से स्वाधीनता का संदेश देने वाले, राष्ट्रपिता महात्मा गांधी जी की पावन जयंती पर कोटिशः नमन। प्रदेशवासियों को 'अंतरराष्ट्रीय अहिंसा दिवस' की शुभकामनाएं। सीएम ने लिखा कि बापू के आदर्श, सादगी और विचार आज भी हम सभी को आत्मनिर्भर एवं विकसित भारत के निर्माण में निरंतर मार्गदर्शन प्रदान कर रहे हैं। पुष्पांजलि कार्यक्रम में उप मुख्यमंत्री ब्रजेश पाठक, कैबिनेट मंत्री राकेश सचान, राज्यसभा सांसद ब्रजलाल, महापौर सुषमा खर्कवाल, विधान परिषद सदस्य डॉ. महेंद्र सिंह, मुकेश शर्मा, लालजी प्रसाद निर्मल, रामचंद्र प्रधान, पवन सिंह चौहान, डॉ. नीरज बोरा, राजेश्वर सिंह, जय देवी, अमरेश कुमार, राज्य महिला आयोग की उपाध्यक्ष अपर्णा यादव, भाजपा के महानगर अध्यक्ष आनंद द्विवेदी आदि मौजूद रहे।





3 छात्र घायल, कांच के टुकड़े सिर-चेहरे में घुसे, गांधी जयंती मनाने जा रहे थे

स्कूल बस की टक्कर, महिला टीचर की मौत

- टक्कर इतनी भीषण थी कि बस के शीशे टूटकर बिखर गए। टुकड़े किसी की आंख-सिर तो किसी की गर्दन पर लग गए।
- हादसे की सूचना पर अस्पताल पहुंचीं प्रिंसिपल सुभांगी सिंह बेसुध हो गईं। साथी टीचर्स ने उन्हें संभाला।

तमसा संकेत, एजेंसी

कानपुर। कानपुर में शुक्रवार सुबह स्कूल बस और तेज रफ्तार डंपर की आमने-सामने हुई भीषण टक्कर में महिला शिक्षक की मौत हो गई। हादसे में तीन छात्रों समेत छह लोग घायल हुए हैं। घायलों में तीन शिक्षक भी शामिल हैं। दुर्घटना के समय बस में स्कूल के करीब 35 शिक्षक और छात्र सवार थे, जो गांधी जयंती मनाने के लिए जा रहे थे। हादसा सुबह करीब आठ बजे कानपुर-सागर हाईवे पर हरबसपुर गांव के पास हुआ। टक्कर इतनी जोरदार थी कि स्कूल बस के शीशे टूटकर बिखर गए। शीशों के टुकड़े कई लोगों को लगे। किसी के आंख और सिर में चोट आई तो किसी की गर्दन पर कांच के टुकड़े लगे।

चीमा पब्लिक स्कूल के मैथ टीचर दीपक पाल ने बताया- डंपर सामने से बस की ओर आता दिखाई दे रहा था। ड्राइवर ने बस को बचाने का प्रयास किया, लेकिन टक्कर हो गई। हादसे का मंजर देखकर सभी की रूह कांप गई। स्कूल परिवार ने अपना एक साथी खो दिया।



ग्रामीणों ने डंपर चालक को पकड़ा

दुर्घटना के बाद डंपर चालक मौके से भागने की कोशिश कर रहा था। बताया गया कि ग्रामीणों ने उसे पकड़ लिया और पुलिस के हवाले कर दिया। पुलिस ने चालक को हिरासत में लेकर मामले की जांच शुरू कर दी है। हादसे के बाद पुलिस ने घटनास्थल पर पहुंचकर स्थिति संभाली। दुर्घटना के कारण हाईवे पर कुछ समय के लिए अफरा-तफरी का माहौल रहा।

टीचर की मौत के बाद प्रिंसिपल बेसुध

चीमा पब्लिक स्कूल के बस ड्राइवर अर्जुन ने बताया- कानपुर-सागर हाईवे पर बिधनू थाना क्षेत्र के हरबसपुर गांव के पास पहुंचा था। तभी सामने से मौरंग लदा डंपर एक कार को ओवरटेक करते समय अचानक सामने आ गया। डंपर से बचाने के लिए बस को सड़क से नीचे उतारने की कोशिश की, लेकिन डंपर ने साइड में टक्कर मार दी। प्रिंसिपल सुभांगी सिंह कार से बस के पीछे आ रही थीं। हादसे का पता चलते ही वह बिधनू सीएचसी पहुंचीं। वहां ऐश्वर्या की मौत की खबर सुनते ही बेसुध हो गईं। साथी टीचर्स ने उन्हें संभाला। वह बार-बार यही कहती रहीं कि ऐश्वर्या के घरवालों को क्या जवाब दूंगी।

झड़प : कइयों को सड़क पर घसीटा, चुनाव आयोग की अस्थिकलश यात्रा निकाल रहे थे

पुलिसवाले सपाइयों को कंधे-गोद में उठाकर ले गए

तमसा संकेत, एजेंसी

लखनऊ। लखनऊ में शुक्रवार को प्रदर्शन कर रहे सपा कार्यकर्ताओं और पुलिस के बीच झड़प हो गई। पुलिस ने कई कार्यकर्ताओं को गोद में उठाकर हिरासत में लिया। कुछ को सड़क पर पटक दिया और घसीटते हुए पुलिस वैन तक ले गई। इसके बाद सभी को ईको गार्डन ले जाया गया। सपा कार्यकर्ता चुनाव आयोग की प्रतीकात्मक अस्थिकलश यात्रा निकाल रहे थे। वे वोट चोरी का आरोप लगाते हुए मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार के खिलाफ नारेबाजी कर रहे थे। पुलिस ने उन्हें रोकने की कोशिश की तो धक्का-मुक्की शुरू हो गई। पुलिस ने जब कार्यकर्ताओं को हिरासत में लेने की कोशिश की तो कई महिला और पुरुष कार्यकर्ता सड़क पर लेट गए। इसके बाद पुलिसकर्मी उन्हें हाथ-पैर पकड़कर उठाने लगे। कुछ को घसीटकर वैन तक ले जाया गया। एक पुलिसकर्मी ने एक कार्यकर्ता को दोनों हाथों से उठाया और वैन के पास सड़क पर पटक दिया। सपा कार्यकर्ता शुक्रवार दोपहर करीब 12 बजे जनपथ मार्केट के पास जुटे थे।



'चुनाव आयोग का अस्थि विसर्जन करने निकले'

हाथ में अस्थि कलश लेकर पहुंचे छोटू ने कहा कि वे चुनाव आयोग का अस्थि विसर्जन करने जा रहे हैं। उन्होंने कहा, "चुनाव आयोग मर चुका है और इस कलश में उसकी राख है।" उन्होंने आरोप लगाया कि चुनाव आयोग भाजपा का पक्ष ले रहा है और लगातार बेईमानी कराई जा रही है। छोटू ने आरोप लगाया कि बिहार और पश्चिम बंगाल के बाद अब उत्तर प्रदेश को भी प्रभावित करने की तैयारी है। उन्होंने कहा कि जब तक ज्ञानेश कुमार को मुख्य चुनाव आयुक्त के पद से नहीं हटाया जाता, तब तक यूपी में चुनाव नहीं होने देंगे। उनके मुताबिक, चुनाव आयोग की कार्यप्रणाली से लोकतंत्र कमजोर हुआ है।

'विपक्ष पहले से वोट चोरी का मुद्दा उठा रहा'

प्रदर्शन में शामिल रिंकी सिंह ने कहा कि सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव लंबे समय से वोट चोरी का मुद्दा उठा रहे हैं। उन्होंने दावा किया कि कई बार इसके सबूत भी दिए गए, लेकिन चुनाव आयोग ने कोई कार्रवाई नहीं की। रिंकी ने कहा कि एक अंग्रेजी अखबार में प्रकाशित रिपोर्ट के बाद चुनाव आयोग की भूमिका पर फिर सवाल उठे हैं।





इलाहाबाद उच्च न्यायालय की लखनऊ पीठ में गांधी जयंती का गरिमापूर्ण आयोजन

वरिष्ठ न्यायमूर्ति श्री राजन रॉय ने महात्मा गांधी की प्रतिमा पर किया माल्यार्पण

तमसा संकेत, संवाददाता

लखनऊ। इलाहाबाद उच्च न्यायालय की लखनऊ पीठ में गांधी जयंती के अवसर पर गरिमापूर्ण कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम में उच्च न्यायालय के वरिष्ठ न्यायमूर्ति, वरिष्ठ निबंधक, रजिस्ट्री के अधिकारियों और कर्मचारियों ने राष्ट्रपिता महात्मा गांधी को श्रद्धांजलि अर्पित की। कार्यक्रम की शुरुआत महात्मा गांधी की प्रतिमा पर माल्यार्पण के साथ हुई। वरिष्ठ न्यायमूर्ति श्री राजन रॉय ने प्रतिमा पर माल्यार्पण कर राष्ट्रपिता को श्रद्धांजलि दी। इसके बाद उच्च न्यायालय के अधिकारियों और कर्मचारियों ने पुष्पांजलि अर्पित कर महात्मा गांधी को नमन किया। श्रद्धांजलि कार्यक्रम के बाद राष्ट्रीय गीत 'वंदे मातरम्' और राष्ट्रगान का सामूहिक गायन किया गया। इस दौरान न्यायालय परिसर में उपस्थित अधिकारियों और कर्मचारियों ने अनुशासन एवं गरिमा के साथ कार्यक्रम में सहभागिता की। इस अवसर पर वरिष्ठ न्यायमूर्ति राजन रॉय ने महात्मा गांधी के विचारों और गांधीवादी दर्शन की प्रासंगिकता पर प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि समग्र रूप से महात्मा गांधी एक महान आत्मा थे। भारतीय स्वाधीनता संग्राम में उनके अतुल्य योगदान और निःस्वार्थ जीवन अर्पण के लिए देशवासी सदैव उनके ऋणी रहेंगे।

उन्होंने महात्मा गांधी के जीवन और उनके विचारों को याद करते हुए उनके योगदान को देश के लिए महत्वपूर्ण बताया। कार्यक्रम के दौरान उपस्थित लोगों ने गांधीजी के आदर्शों और उनके राष्ट्र के प्रति समर्पण को स्मरण किया। गांधी जयंती के इस आयोजन में उच्च न्यायालय के अधिकारियों और कर्मचारियों की सहभागिता रही। सभी ने महात्मा गांधी की प्रतिमा पर पुष्प अर्पित कर उन्हें श्रद्धांजलि दी और उनके योगदान को याद किया। कार्यक्रम गरिमापूर्ण वातावरण में संपन्न हुआ।



संचालक समेत 5 लोग गंभीर रूप से घायल, सिलेंडर या एसी में ब्लास्ट की आशंका

मुरादाबाद में पिज्जा की दुकान में धमाका

हादसा

तमसा संकेत, एजेंसी

मुरादाबाद। सिविल लाइंस थाना क्षेत्र के शेरूआ चौराहे पर शुक्रवार सुबह एक पिज्जा की दुकान में अचानक गैस सिलेंडर फटने से जोरदार धमाका हो गया। धमाका इतना तेज था कि आसपास के इलाके में अफरा-तफरी मच गई। विस्फोट की वजह से दुकान की दीवार और लोहे का शटर बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गया। हादसे में दुकान संचालक समेत पांच लोग घायल हो गए। इनमें तीन की हालत गंभीर बताई जा रही है। धमाके की तेज आवाज सुनकर आसपास के दुकानदार और लोग मौके पर पहुंच गए। कुछ ही देर में घटनास्थल पर भीड़ जुट गई। लोगों ने तत्काल



पुलिस और फायर ब्रिगेड को सूचना दी। सूचना मिलते ही सिविल लाइंस थाना पुलिस और फायर ब्रिगेड की टीम मौके पर पहुंची और राहत कार्य शुरू किया। बताया जा रहा है कि शुक्रवार सुबह शेरूआ चौराहे पर पिज्जा की दुकान सामान्य रूप से खुली थी। इसी दौरान दुकान के भीतर अचानक जोरदार धमाका हुआ। विस्फोट के बाद दुकान का शटर और दीवार क्षतिग्रस्त हो गए। धमाके की आवाज काफी दूर तक सुनाई दी। आसपास मौजूद लोगों को कुछ देर तक समझ ही नहीं आया कि आखिर हुआ क्या है। दुकान से जुड़े सामान के क्षतिग्रस्त होने के साथ ही आसपास मौजूद लोगों में भी दहशत फैल गई। हादसे

दुकान संचालक समेत तीन की हालत गंभीर

हादसे में दुकान संचालक ब्रजपाल सिंह उर्फ बिरजू (30) पुत्र छोटे सिंह निवासी फतेहपुर छीतरा, अमरोहा गंभीर रूप से घायल हुए हैं। दुकान के बाहर खड़े यश चौधरी (30) पुत्र अनिल कुमार निवासी कोकरपुर और पड़ोसी दुकानदार अरुण (28) पुत्र राजू निवासी शेरूआ को भी गंभीर चोटें आई हैं।

तीनों की हालत गंभीर बताई जा रही है और उनका उपचार जिला अस्पताल में चल रहा है। वहीं पड़ोसी दुकान के शिवम (30) पुत्र राजू और राहगीर ब्रजेश्वरी देवी (68) पत्नी राजपाल निवासी ईशापुर, अमरोहा भी हादसे में घायल हुए हैं। दोनों की स्थिति सामान्य बताई गई है।

में दुकान संचालक समेत कुल पांच लोगों के घायल होने की जानकारी सामने आई है। इनमें दुकान के आसपास मौजूद लोग भी शामिल हैं। घायलों में तीन की हालत गंभीर बताई जा रही है, जबकि दो की स्थिति सामान्य बताई गई है। घायलों को पुलिस और स्थानीय लोगों की मदद से तत्काल उपचार के लिए जिला अस्पताल भेजा गया। गंभीर रूप से घायल लोगों का अस्पताल में उपचार चल रहा है। हादसे के बाद पुलिस ने घटनास्थल के आसपास मौजूद लोगों से भी जानकारी जुटाई। विस्फोट की तीव्रता का अंदाजा इसी बात से लगाया जा सकता है कि पिज्जा दुकान का लोहे का शटर और दीवार बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गए। धमाके के बाद दुकान के अंदर रखे सामान को भी नुकसान पहुंचने की बात सामने आई है। फायर ब्रिगेड की टीम ने मौके पर पहुंचकर स्थिति का जायजा लिया और यह सुनिश्चित किया कि आसपास किसी तरह का और खतरा न हो।

सुबह करीब 10 बजे हुआ जोरदार धमाका

जानकारी के मुताबिक, शुक्रवार सुबह करीब 10 बजे शेरूआ चौराहे पर स्थित पिज्जा की दुकान में अचानक जोरदार विस्फोट हुआ। धमाके के बाद दुकान का शटर और दीवार क्षतिग्रस्त हो गई। प्रारंभिक जांच में पुलिस को गैस सिलेंडर फटने की आशंका है। धमाके की चपेट में दुकान के अंदर मौजूद लोगों के अलावा आसपास के दुकानदार और वहां से गुजर रहे राहगीर भी आ गए। हादसे के बाद मौके पर बड़ी संख्या में लोग जुट गए।

> **धमाके की सूचना मिलते ही सिविल लाइंस थाना पुलिस और फायर ब्रिगेड की टीम मौके पर पहुंच गई। टीम ने घटनास्थल का निरीक्षण करने के साथ आसपास के क्षेत्र को सुरक्षित किया। पुलिस ने हादसे से जुड़े तथ्यों की जांच शुरू कर दी है। इसके बाद एफएसएल (फोरेंसिक) टीम भी मौके पर पहुंची और घटनास्थल से जरूरी साक्ष्य जुटाए। टीम ने दुकान के अंदर और आसपास के क्षेत्र का बारीकी से निरीक्षण किया।**

छह लाख की लूट निकली फर्जी, एजेंट ने साथी संग रची थी साजिश

राया में झूठी लूट की सूचना देकर रकम हड़पने का प्रयास, दो गिरफ्तार

तमसा संकेत, संवाददाता

मथुरा। राया थाना क्षेत्र में छह लाख रुपये की लूट की सूचना का पुलिस ने खुलासा करते हुए इसे रकम हड़पने की साजिश बताया है। थाना राया पुलिस, एसओजी, स्वॉट और सर्विलांस टीम की संयुक्त कार्रवाई में दो आरोपियों को गिरफ्तार कर छह लाख रुपये बरामद किए गए। पुलिस के अनुसार, गिरफ्तार आरोपी कुलदीप सिंह (33) निवासी सरकोरिया, अलीगढ़ और अजीत (33) निवासी नगला बधिया, अलीगढ़ हैं। दोनों को ग्राम हरोथा के बाहर सरकारी स्कूल के पार्क के पास से रात करीब 12:42 बजे गिरफ्तार किया गया। पुलिस के मुताबिक, कुलदीप वादी का एजेंट था। उसने साथी अजीत के साथ मिलकर छह लाख रुपये हड़पने की योजना बनाई। बैंक से रकम निकालने के बाद अजीत को सौंप दी गई और दोनों ने रकम हरोथा में छिपा दी। इसके बाद बाइक का अगला हिस्सा



क्षतिग्रस्त कर कुलदीप ने खाली बैग के साथ लूट की झूठी सूचना वादी और डायल-112 को दी। विवेचना के दौरान पुलिस ने साजिश का खुलासा करते हुए छह लाख रुपये बरामद कर दोनों आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया। मामले में थाना राया पर मुकदमा दर्ज है। कार्रवाई में ये रहे शामिलः प्रभारी निरीक्षक कर्मवीर सिंह, व0उ0नि0 उमेश सिंह, एसओजी प्रभारी उपनिरीक्षक संदीप चौधरी, स्वॉट प्रभारी उपनिरीक्षक महावीर सिंह, सर्विलांस प्रभारी उपनिरीक्षक विकास शर्मा, उपनिरीक्षक इंतजार अली, उपनिरीक्षक कुशलपाल सिंह सहित थाना राया, एसओजी, स्वॉट व सर्विलांस टीम के पुलिसकर्मी शामिल रहे।

फास्ट न्यूज

सीसीटीवी में कैद हुआ तेंदुआ, ग्रामीण खौफजदा

मुरादाबाद। मुरादाबाद के ग्रामीण इलाकों में आतंक का पर्याय बन चुके आदमखोर तेंदुओं का कहर थमने का नाम नहीं ले रहा है। तेंदुओं के आतंक से सर्वाधिक प्रभावित ठाकुरद्वारा तहसील क्षेत्र के अंतर्गत ग्राम रामपुर बलभद्र-लुखड़िया में एक बार फिर आदमखोर तेंदुआ आबादी के बेहद करीब नजर आया है। इस बार आदमखोर तेंदुए की यह खतरनाक चहलकदमी एक ग्रामीण के घर के बाहर लगे सीसीटीवी (CCTV) कैमरे में लाइव कैद हो गई है।

एएमयू में कक्षा बंद कराने की कोशिश

अलीगढ़। अलीगढ़ मुस्लिम यूनिवर्सिटी (एएमयू) में छात्र यूनियन बहाली और चुनाव की मांग को लेकर चल रहा धरना अब कक्षाओं तक पहुंच गया है। बुधवार को सांख्यिकी विभाग में कक्षा बंद कराने की कोशिश और छात्रों से मारपीट व धमकी देने के आरोप में पुलिस ने एफआईआर दर्ज की है।

प्रॉक्टर कार्यालय की तहरीर पर सिविल लाइंस थाने में देर रात करीब डेढ़ बजे मुकदमा दर्ज हुआ। धरना स्थल से जुड़े मामले में यह तीसरी एफआईआर है। एफआई-आर के मुताबिक, 30 सितंबर की सुबह करीब 9 बजे कुछ छात्र सांख्यिकी विभाग पहुंचे।

सपा कार्यकर्ता घर-घर जाकर जांचेंगे मतदाता सूची

अलीगढ़। अलीगढ़ में समाजवादी पार्टी ने मतदाता सूची और चुनावी प्रक्रिया को लेकर अभियान शुरू करने का ऐलान किया है। सपा महानगर अध्यक्ष अब्दुलहमीद घोसी ने बताया कि 2 से 8 अक्टूबर तक 'लोकतंत्र बचाओ, वोट बचाओ' सप्ताह चलाया जाएगा। इस दौरान कार्यकर्ता विधानसभा क्षेत्रों में घर-घर जाकर लोगों को मतदाता सूची और मतदान के प्रति जागरूक करेंगे।

गांधी-शास्त्री जयंती पर प्रभात फेरी, स्वच्छता अभियान

तमसा संकेत, संवाददाता

महावन। श्री गुरु कार्ष्णि इंटर कॉलेज में गांधी जयंती एवं पूर्व प्रधानमंत्री लाल बहादुर शास्त्री की जयंती श्रद्धा और उत्साह के साथ मनाई गई। प्रधानाचार्य जितेंद्र मिश्रा ने ध्वजारोहण कर महापुरुषों के चित्रों पर माल्यार्पण किया। कार्यक्रम का संचालन प्रशांत शर्मा ने किया। स्काउट-गाइड विद्यार्थियों ने स्काउट मास्टर विनोद कुमार शुक्ला एवं गाइड कैप्टन अंजलि वर्मा के निर्देशन में प्रभात फेरी निकालकर स्वच्छता, अनुशासन और राष्ट्रसेवा का संदेश दिया। इसके बाद विद्यालय परिसर एवं आसपास विशेष स्वच्छता अभियान चलाया गया। डॉ. राकेश कुमार राही ने कहा कि गांधीजी का स्वच्छता संदेश और शास्त्रीजी की कर्तव्यनिष्ठा विद्यार्थियों के लिए सदैव प्रेरणादायी रहेगी। विनोद कुमार शुक्ला ने स्वच्छता को दैनिक जीवन का हिस्सा बनाने का आह्वान किया। उत्कृष्ट सहभागिता के लिए स्काउट-गाइड विद्यार्थियों को प्रमाण



पत्र देकर सम्मानित किया गया। प्रधानाचार्य जितेंद्र मिश्रा ने विद्यार्थियों से गांधी और शास्त्री के आदर्शों को जीवन में अपनाने की अपील की। वरिष्ठ अध्यापक विश्वजय सिंह ने सभी का आभार जताया। इस दौरान उप-प्रधानाचार्य शिवकुमार निगम समेत संजय वर्मा, संग्राम सिंह, दिमान सिंह, निवास शर्मा, पारस दीक्षित, अंजलि वर्मा, प्रीति, चतुर शिरोमणि शर्मा, सत्यप्रकाश सारस्वत, टीना दीक्षित, कसक पाराशर, मनी, विपिन, कैलाश, करन बाबू, विष्णु कानोरिया, विजय शर्मा, रीतराम, संदीप शर्मा, पंकज, रेखा, सूरज सहित शिक्षक-शिक्षिकाएं एवं स्टाफ मौजूद रहा।

चाय वाले से 16.50 लाख की साइबर ठगी

चार बार में खाते से रकम ट्रांसफर कराई, परिवार को जेल भेजने की धमकी देकर ठगों ने बनाया दबाव

तमसा संकेत, एजेंसी

आगरा। ताजगंज क्षेत्र के बल्देव नगर में चाय की ठेल लगाने वाले युवक से साइबर ठगों ने करीब 16.50 लाख रुपये ठग लिए। ठगी का यह सिलसिला जून से सितंबर के बीच चलता रहा। आरोपियों ने पहले बैंक में लाखों रुपये जमा होने का झांसा देकर पीड़ित को अपने जाल में फंसाया। इसके बाद रकम निकालने के नाम पर उससे पैसे ट्रांसफर कराए गए। जब पीड़ित ने रकम वापस मांगी तो ठगों ने पुलिस अधिकारी बनकर वीडियो कॉल की और परिवार समेत जेल भेजने की धमकी दी। पीड़ित अमन कुमार की शिकायत पर साइबर क्राइम थाने में मामला दर्ज कर लिया गया है। पुलिस मोबाइल नंबर और बैंक खातों से जुड़े लेनदेन की जांच कर रही है। आरोप है कि वीडियो कॉल करने वाले व्यक्ति ने अमन को धमकाया कि अगर उसने पैसे ट्रांसफर नहीं



किए तो उसके साथ-साथ पूरा परिवार जेल चला जाएगा। परिवार को जेल जाने के डर से अमन ने फिर पैसे भेज दिए। इस तरह अलग-अलग चरणों में चार बार रकम ट्रांसफर कराकर साइबर ठगों ने कुल 16.50 लाख रुपये निकाल लिए। लगातार पैसे जाने और रकम वापस नहीं मिलने के बाद अमन को ठगी का अहसास हुआ। इसके बाद उसने साइबर क्राइम थाने पहुंचकर शिकायत दर्ज कराई। डीसीपी साइबर क्राइम आदित्य सिंह के मुताबिक, जून से सितंबर के बीच पीड़ित के साथ लेनदेन हुआ है। पुलिस मोबाइल नंबरों और बैंक खातों की डिटेल के आधार पर पूरे मामले की जांच कर रही है। पुलिस का कहना है कि लेनदेन से जुड़े विवरण के आधार पर आरोपियों को ट्रेस करने का प्रयास किया जा रहा है।

पहले बैंक में 4.10 लाख रुपये जमा होने का दिया झांसा

अमन ने पुलिस को बताया कि जून में उसके पास अशोक मल्होत्रा नाम के व्यक्ति का फोन आया। बातचीत के दौरान आरोपी ने मदद का प्रस्ताव दिया और कहा कि कोलकाता के एक बैंक में उसके नाम पर 4 लाख 10 हजार रुपये जमा हैं। कुछ दिन बाद विजय राठौर नाम के व्यक्ति ने अमन को फोन किया। उसने खुद को बैंक प्रतिनिधि बताते हुए कहा कि बैंक में जमा रकम निकालने के लिए एक यूपीआई खाता बनाना होगा। उसकी बातों में आकर अमन ने बताए गए यूपीआई खाते पर रकम भेजनी शुरू कर दी।

पुलिस की वर्दी में वीडियो कॉल कर दी धमकी

इसके बाद ठगों ने अमन पर दबाव बनाने के लिए पुलिस का सहारा लिया। एक दिन उसके पास वीडियो कॉल आई। उसने खुद को पुलिस अधिकारी बताते हुए कहा कि अमन के खातों में पैसे का घोटाला पकड़ा गया है।

रोज की कमाई भेजता रहा, फिर इटली का बनाया बहाना

अमन के मुताबिक, उसे उम्मीद थी कि बैंक में जमा रकम मिलने के बाद उसके पैसे वापस हो जाएंगे। इसी भरोसे में उसने अपनी रोज की कमाई भी बताए गए यूपीआई खाते पर भेजनी शुरू कर दी। जब उसे अपनी रकम वापस नहीं मिली तो उसने अशोक से संपर्क किया। आरोप है कि अशोक ने इस बार नया बहाना बनाया।

उसने कहा कि वह इटली से मुंबई पहुंचा है और वहां विदेशी मुद्रा नहीं चल रही है। बैंक मैनेजर के कहने पर रकम ट्रांसफर करने के बाद ही प्रक्रिया पूरी होने की बात कही गई। अमन ने आरोपियों की बात पर भरोसा करते हुए दोबारा पैसे ट्रांसफर कर दिए।

बस का आगे का हिस्सा क्षतिग्रस्त, 7 यात्री घायल, चालक टैंकर छोड़कर फरार

आगरा में रोडवेज बस और पानी के टैंकर की भिड़ंत

तमसा संकेत, एजेंसी

आगरा। थाना सिकंदरा क्षेत्र में आगरा-दिल्ली हाईवे पर शुक्रवार को बड़ा सड़क हादसा हो गया। यहां होंडा शोरूम के पास रोडवेज बस और पानी के टैंकर की जोरदार भिड़ंत हो गई। टक्कर इतनी तेज थी कि रोडवेज बस का अगला हिस्सा बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गया। हादसे के दौरान बस में करीब 35 यात्री सवार थे। टक्कर के बाद बस में चीख-पुकार मच गई। हादसे में करीब सात यात्रियों को गंभीर चोटें आई हैं। सूचना मिलते ही सिकंदरा थाना पुलिस मौके पर पहुंची और घायलों को उपचार के लिए अस्पताल भेजा। अन्य यात्रियों को भी बस से सुरक्षित बाहर निकाला गया। पुलिस के मुताबिक सभी घायल



यात्री खतरे से बाहर हैं। जानकारी के अनुसार, ताज डिपो की रोडवेज बस आगरा से दिल्ली की ओर जा रही थी। बस जब आगरा-दिल्ली हाईवे पर होंडा शोरूम के पास पहुंची, तभी वह आगे चल रहे पानी के टैंकर से टकरा गई। प्रत्यक्षदर्शियों के मुताबिक टक्कर काफी तेज थी। बस का अगला हिस्सा पूरी तरह क्षतिग्रस्त हो गया। हादसे के बाद बस में बैठे यात्रियों में अफरा-तफरी मच गई। कई यात्री घबरा गए और मदद के लिए शोर मचाने लगे। हादसे के समय रोडवेज बस में करीब 35 यात्री सवार थे। टक्कर के बाद कई यात्रियों को

टैंकर छोड़कर चालक फरार

हादसे के बाद पानी के टैंकर का चालक वाहन मौके पर छोड़कर फरार हो गया। पुलिस ने टैंकर को कब्जे में लेकर चालक की तलाश शुरू कर दी है। बस और टैंकर की भिड़ंत के बाद हाईवे पर वाहनों की आवाजाही प्रभावित हो गई और जाम की स्थिति बन गई। पुलिस ने मौके पर पहुंचकर क्षतिग्रस्त वाहनों को हटाने और यातायात सामान्य कराने की कार्रवाई शुरू की।

चोटें आईं। आसपास मौजूद लोगों ने तत्काल मौके पर पहुंचकर बस में फंसे और घायल यात्रियों को बाहर निकालने में मदद की। तेज आवाज सुनकर आसपास के दुकानदार और राहगीर भी घटनास्थल पर पहुंच गए। कुछ ही देर में मौके पर लोगों की भीड़ जुट गई। लोगों ने पुलिस को सूचना देने के साथ घायलों की मदद की। हादसे में करीब सात यात्रियों को गंभीर चोटें आई हैं। पुलिस ने मौके पर पहुंचकर घायलों को एंबुलेंस की मदद से अस्पताल भेजा। वहीं, जिन यात्रियों को ज्यादा चोट नहीं आई थी, उन्हें भी बस से बाहर निकालकर सुरक्षित स्थान पर पहुंचाया गया। थाना प्रभारी राजीव त्यागी ने बताया कि सभी घायलों को जीवन ज्योति हॉस्पिटल में भर्ती कराया गया है।

गांधी-शास्त्री जयंती पर डीएम ने दिलाया सत्य, स्वच्छता और जनसेवा का संकल्प

तमसा संकेत, संवाददाता

मथुरा। राष्ट्रपिता महात्मा गांधी एवं पूर्व प्रधानमंत्री भारत रत्न लाल बहादुर शास्त्री की जयंती पर कलेक्ट्रेट परिसर में कार्यक्रम आयोजित किया गया। जिलाधिकारी चंद्र प्रकाश सिंह ने स्वच्छता वाटिका में महात्मा गांधी की प्रतिमा पर माल्यार्पण एवं पुष्पार्पण कर श्रद्धांजलि अर्पित की। उन्होंने लाल बहादुर शास्त्री के चित्र पर भी पुष्प अर्पित कर नमन किया। इसके अलावा चौधरी चरण सिंह की प्रतिमा पर माल्यार्पण कर श्रद्धांजलि दी। कलेक्ट्रेट सभागार में आयोजित कार्यक्रम में डीएम ने कहा कि गांधी जी का जीवन सत्य, अहिंसा, त्याग, सादगी, स्वच्छता और मानव सेवा का संदेश देता है। स्वच्छता को उन्होंने सामाजिक जिम्मेदारी माना। आज भी उनके विचार स्वच्छता, पर्यावरण संरक्षण, सामाजिक सद्भाव और जनसेवा के क्षेत्र में प्रासंगिक हैं। उन्होंने लाल बहादुर शास्त्री को



नमन करते हुए कहा कि उनका जीवन सादगी, ईमानदारी, अनुशासन, कर्तव्यनिष्ठा और राष्ट्रभक्ति की प्रेरणा देता है। उनका आह्वान 'जय जवान, जय किसान' देश की सुरक्षा और कृषि के महत्व को रेखांकित करता है। डीएम ने अधिकारियों-कर्मचारियों से दोनों महापुरुषों के आदर्शों को आत्मसात करते हुए ईमानदारी, पारदर्शिता और संवेदनशीलता के साथ दायित्व निभाने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि शासन की योजनाओं का वास्तविक उद्देश्य तभी पूरा होगा, जब उनका लाभ समाज के अंतिम पायदान पर खड़े व्यक्ति तक पहुंचे। नागरिकों की समस्याओं का नियमा-नुसार, गुणवत्तापूर्ण और समयबद्ध निस्तारण सुनिश्चित किया जाए। इस दौरान एडीएम वित्त एवं राजस्व डॉ. पंकज कुमार वर्मा, एडीएम प्रशासन अमरेश कुमार, एडीएम नमामि गंगे नंद प्रकाश मौर्या, एडीएम न्यायिक वेद प्रिय आर्य, नगर मजिस्ट्रेट अनुपम कुमार मिश्रा, डिप्टी कलेक्टर साक्षी शर्मा सहित कलेक्ट्रेट के अधिकारी-कर्मचारी मौजूद रहे।

पृष्ठ 01 का शेष...

दुनिया के सबसे ऊंचे...

इससे यूएसबीआरएल प्रोजेक्ट पर ट्रेन का संचालन आसान होगा, यात्रा का समय कम होगा और यात्रियों को तेज, सुरक्षित और आरामदायक यात्रा का अनुभव मिलेगा। कटरा-बनिहाल सेक्शन 272 किलोमीटर लंबे USBRL का हिस्सा है। यह पूरा लिंक जून 2025 में चालू हुआ था। चिनाब रेल ब्रिज नदी के तल से 359 मीटर ऊपर बना है और इसकी लंबाई 1,315 मीटर है। दुनिया के सबसे ऊंचे रेलवे ब्रिज 'चिनाब ब्रिज' को भूकंप, बाढ़, बर्फबारी और विस्फोटकों से बचाने के लिए खास तरीके से तैयार किया गया है। ब्रिज का इलाका भूकंप के जोन चार में आता है, लेकिन इसे भूकंप क्षेत्र पांच के लिए डिजाइन किया गया है। यानी यह भूकंप के लिहाज से काफी सुरक्षित है और रिक्टर स्केल पर 8 की तीव्रता वाले भूकंप को भी आसानी से झेल लेगा। इस ब्रिज को अगले 120 साल के लिए बनाया गया है।

गांधी जयंती पर...

इससे पहले शुक्रवार सुबह करीब 10 बजे सीएम योगी ने हजरतगंज स्थित GPO पार्क में महात्मा गांधी की प्रतिमा पर माल्यार्पण कर श्रद्धांजलि दी। उन्होंने पूर्व प्रधानमंत्री लाल बहादुर शास्त्री को भी श्रद्धांजलि देते हुए याद किया। कार्यक्रम में बच्चों ने गांधी जी के प्रिय भजनों 'रघुपति राघव राजा राम', 'वैष्णव जन तो तेने कहिए' को गाया। सीएम ने बैठकर सुना। उपमुख्यमंत्री ब्रजेश पाठक ने भी प्रतिमा पर माल्यार्पण किया। मुख्यमंत्री ने कहा कि महात्मा गांधी का स्वदेशी से स्वावलंबन का मंत्र भारत की आजादी का आधार बना। गांधी जी के नेतृत्व में बिखरा हुआ स्वतंत्रता आंदोलन जनआं-दोलन में बदल गया। उन्होंने देशवासियों में स्वदेशी और आत्मनिर्भरता की भावना पैदा की। हर नागरिक को स्वदेशी, स्वच्छता और स्वावलंबन को अपने जीवन का हिस्सा बनाना चाहिए। गांधी जी के दिए संदेश आज भी लोगों के लिए प्रेरणा हैं। योगी ने कहा कि उत्तर प्रदेश सरकार ने गांधी जयंती के अवसर पर खादी के वस्त्रों पर 30 जनवरी 2027 तक 25 फीसदी की छूट दी है। उन्होंने प्रदेशवासियों से खादी को जीवन का हिस्सा बनाने और कारीगरों, हस्तशिल्पियों व बुनकरों के हुनर को सम्मान देने की अपील की। उन्होंने कहा कि 'लोकल टू ग्लोबल' की भावना से कारीगरों को बड़ा मंच मिल सकता है। गांधी जी का आत्मनिर्भरता और स्वावलंबन का मंत्र ही विकसित भारत की आधारशिला बनेगा। सीएम योगी ने लाल बहादुर शास्त्री को याद करते हुए कहा कि वह अपनी सादगी और सज्जनता के लिए प्रसिद्ध थे। उनका व्यक्तित्व सरल होने के साथ दृढ़ और संघर्षशील भी था। उन्होंने कहा कि शास्त्री जी ने जो कहा, उसे करके दिखाया। उनका 'जय जवान, जय किसान' का नारा स्वतंत्र भारत का मंत्र बन गया। योगी ने कहा कि एक ओर जवान सीमाओं की रक्षा कर रहा था, वहीं किसान अपने परिश्रम से देश की खाद्यान्न जरूरतें पूरी करने में जुटा था। शास्त्री जी के आह्वान ने देश में जवान और किसान के प्रति सम्मान की भावना को मजबूत किया। मुख्यमंत्री ने कहा कि आज भारत खाद्यान्न के मामले में आत्मनिर्भर है। देश अपनी बड़ी आबादी की जरूरतें पूरी करने के साथ कई देशों को खाद्यान्न उपलब्ध कराने की क्षमता रखता है। उन्होंने कहा कि सीमाओं की सुरक्षा में जुटा जवान भी शास्त्री जी के उसी संकल्प की कड़ी है, जिसे उन्होंने 1965 में देशवासियों के सामने रखा था। सीएम ने कहा कि गांधी जी ने स्वच्छता को लेकर जो संदेश दिया था, उसे प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने स्वच्छ भारत अभियान के जरिए आगे बढ़ाया। यह अभियान स्वच्छ और स्वस्थ भारत की आधारशिला बना। साथ ही लोगों में नारी गरिमा के प्रति जागरूकता बढ़ाने का काम भी हुआ।

तमिलनाडु : हाईवे बोर्ड...

मार्च में ही सिंगानल्लूर रेलवे स्टेशन पर हिंदी में लिखे सिंगानल्लूर को द्रविड़ियन दलों के कार्यकर्ताओं ने काला कर दिया था। तमिल-अंग्रेजी के इस्तेमाल का नियम- तमिलनाडु में लंबे समय से टू-लैंग्वेज फॉर्मूला पॉलिसी लागू है। इसके तहत सरकारी कामकाज और शिक्षा में तमिल और अंग्रेजी का इस्तेमाल होता है। राज्य सरकार हिंदी को शामिल करने वाली थ्री-लैंग्वेज पॉलिसी का विरोध करती रही है। 1965 में बना कानून- तमिलनाडु की भाषा नीति का आधार 1956 का तमिलनाडु आधिकारिक भाषा अधिनियम है, जिसमें तमिल को राज्य की आधिकारिक भाषा बनाया गया। इतिहास- 1965 के हिंदी-विरोधी आंदोलन के बाद 1968 में तत्कालीन मद्रास विधानसभा ने तीन-भाषा फॉर्मूला खारिज कर तमिल और अंग्रेजी को प्राथमिकता देने का फैसला किया। तमिलनाडु में हिंदी के विरोध का इतिहास पुराना है। 1937 में स्कूलों में हिंदी अनिवार्य किए जाने के विरोध में पेरियार और जस्टिस पार्टी ने आंदोलन किया। 1965 में हिंदी को देश की एकमात्र आधिकारिक भाषा बनाने के विरोध में बड़े छात्र आंदोलन हुए। इसके बाद भाषा तमिलनाडु की राजनीति और पहचान का अहम मुद्दा बन गई। इसी दौर में द्रविड़ राजनीति मजबूत हुई और राज्य में तमिल-अंग्रेजी की दो-भाषा नीति को महत्व मिला।

जंतर-मंतर के 68...

कॉकरोच जनता पार्टी ने यह भी कहा कि मुंबई पुलिस ने हमारा प्रदर्शन शांतिपूर्ण होने दिया। मुंबई तो सिर्फ ट्रेलर है, जो करना है कर लो, फाइनल तो हम जंतर-मंतर पर ही खेलेंगे। राहुल गांधी ने X पर पोस्ट कर कहा कि हजारों नौजवान वोट चोरी के खिलाफ अपने संवैधानिक अधिकार के साथ शांतिपूर्वक सड़कों पर हैं। उनकी मांग साफ है कि ज्ञानेश कुमार इस्तीफा दें और लोकतंत्र बचे। मुंबई के शिवाजी पार्क में CJP के प्रदर्शन के बीच फाउंडर अभिजीत दीपके ट्रक पर चढ़ गए हैं। शाम 6:30 बजे भी शिवाजी पार्क लोगों से भरा है। CJP के विरोध प्रदर्शन में अभिनेत्री शबाना आजमी ने कहा, आप सभी का हार्दिक स्वागत है। चूंकि मैं मुंबई से हूं, इसलिए आप सभी को इतनी बड़ी संख्या में यहां देखकर मुझे अपार खुशी हो रही है। हमारा वोट हमारा अधिकार है, हमारी आवाज है। जब मतदाता सूची से हमारे नाम हटा दिए जाएं, तो हम क्या करेंगे?" प्रदर्शन के दौरान CJP ने कहा कि मुंबई पुलिस ने हमारा प्रदर्शन शांतिपूर्ण होने दिया। लेकिन दिल्ली पुलिस भूल गई है कि वो जनता की पुलिस है, भाजपा की पुलिस नहीं। तो उन्हें हम कहना चाहेंगे कि मुंबई तो सिर्फ ट्रेलर है, जो करना है कर लो, फाइनल तो हम जंतर-मंतर पर ही खेलेंगे। मुंबई के शिवाजी पार्क में आए गायक विशाल ददलानी ने प्रदर्शन के दौरान गाना गाया। इस दौरान उन्होंने भीड़ में मौजूद लोगों से भी साथ गाने को कहा। CJP के प्रवक्ता आशुतोष रांका ने कहा- पीएम की दुकान जो पिछले इतने सालों से चल रही है, वह दुकान चलाने वाला मास्टरमाइंड है ज्ञानेश कुमार। पिछले कुछ दिनों में इन्होंने 13 करोड़ लोगों को वोटर लिस्ट से हटा दिया है। जब हम कुछ नहीं थे तब इस देश में हर आदमी को वोटिंग का अधिकार मिला था। अमेरिका जैसे देश को भी 200 साल लगे थे हर नागरिक को वोटिंग का अधिकार देने में। एक प्रदर्शनकारी ने कहा कि देश भर में हर कोई इसके बारे में जानता है। ज्ञानेश कुमार को इस्तीफा दे देना चाहिए। वह इतना बड़ा गद्दार, इतना अक्षम और इतना बेईमान है कि उसे इस पद पर बने रहने का कोई अधिकार नहीं है। सीजेपी विरोध प्रदर्शन में, अभिनेता विशाल भारद्वाज ने कहा, #मुझे नहीं पता कि किसी के साथ कुछ हुआ है या नहीं। मैं यहां केवल अपना समर्थन देने आया हूं। क्या बॉलीवुड को भी इस मुद्दे का समर्थन करना चाहिए, यह एक व्यक्तिगत मामला है। मैं बॉलीवुड का हिस्सा हूं। मुंबई के शिवाजी पार्क में प्रदर्शन के दौरान अभिजीत दीपके ने कहा कि गांधी कभी खत्म नहीं होंगे, कोई महामानव आएगा कहेगा कि हम नॉन-बायोलॉजिकल हैं। वो लोग आएंगे और कहेंगे कि हम विश्वगुरु हैं। पर जब भारत के प्रधानमंत्री अमेरिका जाते हैं, तब भी वहां कहा जाता है कि ये गांधी के देश से आए हैं।

महिला-पुरुष क्रिकेट में गेंद का वजन और साइज अलग, स्टंपिंग में कंट्रोल जरूरी

बल्लेबाज ने वक्त बर्बाद किया तो 5 रन की पेनल्टी

आरोप

दुबई, एजेंसी

ICC ने गुरुवार को क्रिकेट के नियमों में 8 बदलाव किए हैं। अब बैटिंग के दौरान अगर कोई बल्लेबाज जानबूझकर समय बर्बाद करता है तो फील्डिंग टीम को 5 पेनल्टी रन मिलेंगे। पुरुष, महिला और जूनियर क्रिकेट में इस्तेमाल होने वाली गेंद के साइज और वजन की अलग-अलग सीमा तय की गई है।

नए नियम 1 अक्टूबर 2026 या उसके बाद शुरू होने वाली इंटरनेशनल सीरीज पर लागू होंगे। जो सीरीज पहले से चल रही हैं, उनमें पुराने नियम ही लागू रहेंगे। अब बैटर को गेंद खेलने के लिए तय समय के भीतर तैयार रहना होगा। अगर अंपायर को लगता है कि बैटर गेंद का सामना करने के लिए समय पर तैयार नहीं है, तो पहली गलती पर चेतावनी और दूसरी गलती पर फाइनल वार्निंग मिलेगी। तीसरी गलती पर फील्डिंग टीम को 5 पेनल्टी रन दिए जाएंगे।



जुलाई 2025 में लॉर्ड्स टेस्ट के दौरान भारत के शुभमन गिल ने इंग्लैंड के जैक क्रॉली के समय बर्बाद करने को लेकर आपत्ति जताई थी। क्योंकि क्रॉली पर आखिरी ओवर के लिए क्रीज पर देर से पहुंचने का आरोप लगा था।

> अगर फील्डर गेंद को जानबूझकर स्टंप की ओर फेंककर रन रोकने या रन आउट करने की कोशिश करता है और गेंद आगे निकल जाती है, तो इसे ओवरथ्रो माना जाएगा। वहीं, गेंद को रोकने या दूसरे फील्डर तक पहुंचाने के दौरान हुई मिसफील्ड को ओवरथ्रो नहीं माना जाएगा।

पुरुष और महिला क्रिकेट के लिए गेंद के साइज और वजन की अलग-अलग सीमा होगी। पुरुषों की गेंद का वजन 156 से 163 ग्राम और साइज 22.4 से 22.9 सेंटीमीटर होगा। महिलाओं की गेंद का वजन 142 से 149 ग्राम और साइज 21.5 से 22 सेंटीमीटर होगा। रन आउट या स्टंपिंग के मामले में अब सिर्फ गेंद को हाथ या ग्लव से छू लेना काफी नहीं होगा। फील्डर या विकेटकीपर के पास गेंद पर पूरा कंट्रोल होना जरूरी है।



इंटरनेशनल टेस्ट मैचों में पहली बार 2015 में ऑस्ट्रेलिया और न्यूजीलैंड के बीच डे-नाइट टेस्ट में गुलाबी गेंद का इस्तेमाल किया गया था।

दिन के टेस्ट में पिंक बॉल का ट्रायल

अब दिन में खेले जाने वाले टेस्ट मैचों में भी पिंक बॉल का इस्तेमाल ट्रायल के तौर पर किया जा सकेगा। इसका मकसद खराब रोशनी के कारण खेल को होने वाले नुकसान को कम करना है। इसके लिए दोनों टीमों की टेस्ट शुरू होने से पहले सहमति जरूरी होगी। एक बार पिंक बॉल से खेलने का फैसला हो गया तो मैच के दौरान गेंद नहीं बदली जा सकेगी। अभी सिर्फ डे-नाइट टेस्ट मैच में गुलाबी गेंद का इस्तेमाल किया जाता है।

एशियन गेम्स के सिल्वर से ओलंपिक गोल्ड तक का लक्ष्य

ऐश्वर्य बोले-जीत और हार दोनों से सीखते हैं

भोपाल, एजेंसी

एशियन गेम्स-2026 में शूटिंग के 50 मीटर राइफल 3 पोजीशन टीम इवेंट में भारत के लिए रजत पदक जीतकर मध्यप्रदेश के स्टार शूटर ऐश्वर्य प्रताप सिंह तोमर और आशी चौकसे भोपाल लौटे। दोनों खिलाड़ियों ने अपनी तैयारियों, प्रतियोगिता के दबाव, जापान के मौसम और ट्रेनिंग के दौरान आई चुनौतियों को साझा किया। उनका अगला लक्ष्य वर्ल्ड चैंपियनशिप में प्रदर्शन के साथ ओलंपिक कोटा हासिल करना है।

ऐश्वर्य प्रताप सिंह तोमर ने कहा कि एशियन गेम्स में देश के लिए सिल्वर मेडल जीतकर काफी खुशी हुई। इसके लिए उन्होंने लंबे समय तक मेहनत की थी। मेडल जीतने के बाद सबसे पहले उन्होंने अपने भैया को फोन कर बात की। परिवार से बात करने के बाद खुशी का अहसास और बढ़ गया। ऐश्वर्य ने



कहा कि उनका लक्ष्य ओलंपिक में वर्ल्ड मेडल जीतना है। फिलहाल अगले महीने होने वाली वर्ल्ड चैंपियनशिप सबसे बड़ा लक्ष्य है, क्योंकि इसमें ओलंपिक कोटा भी मिलेगा। उनके मुताबिक एशियन गेम्स का मेडल खुशी देने वाला है, लेकिन खिलाड़ी के लिए अगली चुनौती पर तुरंत ध्यान देना जरूरी है। पिछले एशियन गेम्स के प्रदर्शन से तुलना पर ऐश्वर्य ने कहा कि पिछली बार पूरे गेम्स में उनका प्रदर्शन शानदार रहा था। इस बार सिल्वर मेडल मिला। हालांकि वे इसे निराशा के तौर पर नहीं देखते। उन्होंने कहा कि खेल में जीत और हार दोनों से सीख मिलती है ।

भारत ने आखिरी मिनट में गोल कर पाकिस्तान को हराया

एशियन गेम्स में पुरुष हॉकी के फाइनल में पहुंचा, कप्तान हरमनप्रीत के 2 गोल



नागोया (जापान), एजेंसी

भारत ने बेहद रोमांचक मुकाबले में पाकिस्तान को 4-3 से हराकर एशियन गेम्स मेंस हॉकी के फाइनल में जगह बना ली है। अभिषेक ने मैच के आखिरी मिनट में गोल कर भारत को जीत दिलाई।

गोल्ड मेडल के लिए 3 अक्टूबर को भारत का सामना मलेशिया से होगा। मलेशिया ने दूसरे सेमीफाइनल में साउथ कोरिया को 2-1 से हराया है। भारत ने मैच के 23वें मिनट तक 3-0 की बढ़त बना ली थी। इसके बाद पाकिस्तान ने अगले 26 मिनट में तीन गोल कर मैच 3-3 से बराबर कर दिया। 59 मिनट तक मैच बराबरी पर था। फाइनल हूटर बजने से करीब 50 सेकेंड पहले अभिषेक ने फील्ड गोल कर भारत को जीत दिला दी।



भारत ने पाकिस्तान से आखिरी पांचों मुकाबले जीते

भारत ने मेंस हॉकी में पाकिस्तान के खिलाफ आखिरी पांचों मुकाबले जीते हैं। भारत ने एशियन गेम्स 2023, एशियन चैंपियंस ट्रॉफी 2024, प्रो लीग 2026, वर्ल्ड कप 2026 और एशियन गेम्स 2026 सेमीफाइनल में जीत दर्ज की।

डाइट में तेल कम, मछली पर खास जोर, कल कोलकाता में फ्रेंडली मैच

ब्राजील फुटबॉल टीम अपने शेफ के साथ भारत आई

नई दिल्ली, एजेंसी

ब्राजील फुटबॉल टीम अपने शेफ और न्यूट्रिशनिस्ट के साथ भारत आई है। टीम को 3 अक्टूबर को कोलकाता में साल्ट लेक स्टेडियम में भारत के खिलाफ फ्रेंडली मैच खेलना है।

खिलाड़ियों को दिन में करीब 5 बार खाना दिया जा रहा है। डाइट में तेल की मात्रा बेहद कम रखी गई है और खाना पकाने में मुख्य रूप से ऑलिव ऑयल का इस्तेमाल हो रहा है। टीम के शेफ और न्यूट्रिशनिस्ट हर मील की निगरानी कर रहे हैं।

खाने के साथ खिलाड़ियों के लिए पीने का पानी भी बाहर से मंगाया जा रहा है। शुक्रवार सुबह खिलाड़ियों के लिए ब्रेकफास्ट में ब्रेड, उबले अंडे, ताजे फल और हरी सब्जियों का सलाद परोसा गया। फ्रेश फ्रूट्स और ड्राय फ्रूट्स भी डाइट का हिस्सा हैं। खिलाड़ियों के बेवरेज के लिए भी खास रूटीन तय किया गया है। टीम के खिलाड़ियों के लिए पीने का पानी भी बाहर से सोर्स कर मंगाया जा रहा है। खाने और पेय पदार्थों के साथ हाइड्रेशन को भी तय रूटीन के मुताबिक रखा गया है। डाइट के साथ खिलाड़ी सुबह हल्का जिम सेशन भी कर रहे हैं। FIFA फ्रेंडली से पहले कोलकाता में टीम का रूटीन उसके अपने शेफ, न्यूट्रिशनिस्ट और तय फिटनेस प्लान के मुताबिक चल रहा है।





मछली और सी-फूड पर खास जोर, लंच-डिनर में राइस से चिकन तक

ब्राजील के खिलाड़ी मछली और सी-फूड पसंद करते हैं। कोलकाता में उन्हें ताजी मछली की अलग-अलग वैरायटी परोसी जा रही हैं। इन्हें टीम के अपने शेफ ही तैयार कर रहे हैं। लंच और डिनर में मछली के अलावा राइस, स्पैगेटी, बेक्ड बीन्स, चिकन, मीट और ग्रीन सलाद शामिल हैं। डेजर्ट भी सीमित मात्रा में दिया जा रहा है।

मनोरंजन



एक्टर हुए हैरान, सिक्योरिटी टीम हरकत में आई, सलमान को मिली है वाई-प्लस सुरक्षा

सलमान खान को देख अचानक पास पहुंचा फैन

नई दिल्ली। फिल्म 'प्रेम कीटाणु' की स्क्रीनिंग गुरुवार को मुंबई में आयोजित हुई। स्क्रीनिंग में सलमान खान पहुंचे और वह फिल्म के लीड एक्टर वीर पहाड़िया के साथ नजर आए। वहीं, इवेंट में जैकलीन फर्नांडिस, करण जौहर, सारा तेंदुलकर, जरीन खान और एल्विश यादव भी पहुंचे।

'प्रेम कीटाणु' एक हिंदी रोमांटिक-कॉमेडी फिल्म है, जिसमें वीर पहाड़िया, आफिया सैयद और अपारशक्ति खुराना मुख्य भूमिकाओं में हैं। फिल्म का रनटाइम करीब 2 घंटे 18 मिनट है। फिल्म की कहानी रोमांस और कॉमेडी के इर्द-गिर्द बुनी गई है।

साक्षी मलिक के पोज देने के बाद सलमान रेड कार्पेट पर पहुंचे और पोज दिए। वीडियो सामने आने के बाद सोशल मीडिया पर सलमान के इस व्यवहार की तारीफ हो रही है।

गौरतलब है कि सलमान खान की सिक्योरिटी अलर्ट मोड में रहती है।

करीब पहुंचा फैन

स्क्रीनिंग के दौरान सलमान से जुड़ा एक और वीडियो सामने आया है, जिसमें इवेंट से बाहर निकलते समय एक फैन अचानक एक्टर के काफी करीब पहुंच गया। उसने सलमान से गले मिलने की कोशिश की। अचानक फैन को पास आता देख सलमान कुछ पल के लिए असहज नजर आए। इसके बाद उनके सुरक्षा गार्ड ने तुरंत बीच में आकर फैन को सलमान से दूर किया।



सलमान ने पीछे खड़े होकर इंतजार किया

'प्रेम कीटाणु' की स्क्रीनिंग के दौरान सलमान खान का एक वीडियो सोशल मीडिया पर चर्चा में है। स्क्रीनिंग में सलमान जब पहुंचे तो मीडिया और पैपराजी ने उन्हें रेड कार्पेट पर आकर तस्वीरें देने के लिए कहा। हालांकि, उसी समय मॉडल और एक्ट्रेस साक्षी मलिक कैमरों के सामने पोज दे रही थीं। सलमान ने तुरंत रेड कार्पेट पर पहुंचने के बजाय इंतजार किया।

ओटीटी पर सस्पेंस थ्रिलर सीरीज का तांडव

3 करोड़ से ज्यादा व्यूज पाकर रचा इतिहास

नई दिल्ली। OTT प्लेटफॉर्म आम लोगों की जिंदगी का एक महत्वपूर्ण हिस्सा बन चुका है। स्ट्रीमिंग प्लेटफॉर्म पर हर हफ्ते कोई न कोई ऐसी फिल्म और सीरीज रिलीज होती है, जो पूरे हफ्ते टॉप ट्रेंडिग बनी रहती है। हालांकि, अब हम आपको उस वेब सीरीज के बारे में बता रहे हैं, जिसकी कहानी ने लोगों का दिल छुआ।

यही वजह है कि दो महीने बीत जाने के बाद भी सस्पेंस से भरपूर को काफी देखा जा रहा है। जिसकी वजह से ओटीटी प्लेटफॉर्म पर मिस्ट्री थ्रिलर सीरीज ने 3 करोड़ से अधिक व्यूज पाकर एक नया इतिहास रच दिया है। 3 जुलाई को रिलीज हुई कौन सी है वह सीरीज जो बनी मोस्ट वॉचेबल और कौन से ओटीटी



प्लेटफॉर्म पर आप इसे देख सकते हैं, नीचे आर्टिकल में डिटेल में पढ़ें।

जिस सीरीज को पिछले तीन महीने में लोगों ने खूब पसंद किया है वह राजकुमार हिरानी की प्रीतम एंड पेड्रो है, जिसमें वीर हिरानी और अरशद वारसी ने मुख्य भूमिका निभाई है। साइबर टेक्नोलॉजी पर बेस्ड इस सीरीज में अरशद वारसी ने पेड्रो का किरदार निभाया है, जो गोवा का पुलिस ऑफिसर है और एक बच्चे के किडनैपिंग के केस को सॉल्व करना चाहता है।

इंडोनेशिया के बाली में एक्सीडेंट, एयर एंबुलेंस से मुंबई लाया जा रहा, सर्जरी होगी

एक्ट्रेस नुसरत भरूचा को रीढ़ की हड्डी में फ्रैक्चर

मुंबई, एजेंसी

एक्ट्रेस नुसरत भरूचा के बाली में हुए हादसे के बाद रीढ़ की हड्डी में फ्रैक्चर हो गया है।

न्यूज एजेंसी आईएएनएस के मुताबिक, नुसरत फिलहाल बाली के अस्पताल में भर्ती हैं और डॉक्टरों की निगरानी में हैं।

शुक्रवार को नुसरत की टीम की पब्लिसिस्ट संचिता त्रिवेदी ने बताया कि डॉक्टर आगे की जांच के बाद उनकी रीढ़ की सर्जरी करेंगे। उन्हें इलाज के लिए एयर एंबुलेंस से बाली से मुंबई लाने की तैयारी की जा रही है। मुंबई पहुंचने के बाद उनकी सर्जरी होगी। टीम के मुताबिक, चोट और सर्जरी की वजह से नुसरत को आराम करने और ठीक होने में समय लगेगा। इसका असर आने वाले हफ्तों में उनकी काम से जुड़ी जिम्मेदारियों पर भी पड़ सकता है। टीम ने सभी से उनकी निजता का सम्मान करने और उन्हें इलाज पर ध्यान देने देने की अपील की है।

बता दें कि हादसे से करीब एक हफ्ते पहले नुसरत ने सोशल मीडिया पर छुट्टियों की कुछ तस्वीरें शेयर की थीं।

इससे पहले अगस्त 2021 में नुसरत की शूटिंग के दौरान अचानक तबीयत बिगड़ गई थी। वह लव रंजन की फिल्म की शूटिंग कर रही थीं। करीब 23-24 दिनों से लगातार काम करने के कारण वह काफी थक गई थीं। घटना वाले दिन उन्हें तेज चक्कर आए और वह ठीक से खड़ी या बात नहीं कर पा रही थीं। इसके बाद उन्हें मुंबई के हिंदुजा अस्पताल ले जाया गया। वहां उनका ब्लड प्रेशर 65/55 तक गिर गया था।

> वहीं, जनवरी 2023 में फिल्म 'छोरी 2' की शूटिंग के दौरान एक एक्शन सीन करते समय उनके चेहरे पर चोट लग गई थी। चोट इतनी थी कि उन्हें चेहरे और भौंह के पास टांके लगवाने पड़े थे। इसके बाद उनका एक वीडियो भी सामने आया था, जिसमें वह टांके लगवाती नजर आई थीं।



नुसरत ने तस्वीरें शेयर करते हुए कैप्शन में लिखा था, "छुट्टियां मनाने का मन है! अब कहां जाऊं?"

टाइगर श्रॉफ की फिल्म में एंट्री

नुसरत के टाइगर श्रॉफ की अगली फिल्म की कास्ट में शामिल होने की भी खबर है। यह टाइगर और नुसरत की पहली ऑन-स्क्रीन जोड़ी होगी।

एक सूत्र ने पिंकविला को बताया, "टीम को ऐसी एक्ट्रेस चाहिए थी, जो कहानी में मजबूती और भावनात्मक गहराई ला सके। नुसरत हमेशा सबसे मजबूत विकल्पों में थीं।"

फिल्म में पश्मीना रोशन, अभिषेक बनर्जी और एल्विश यादव भी अहम भूमिकाओं में हैं।

शूटिंग के दौरान घायल हुई थीं नुसरत

साल 2023 में नुसरत भरूचा के शूटिंग के दौरान घायल होने की दो घटनाएं सामने आई थीं। अप्रैल 2023 में फिल्म 'अकेली' की शूटिंग के दौरान भी नुसरत हादसे का शिकार हुई थीं। एक सीन में उन्हें भागते हुए दिखाया जाना था। इसी दौरान वह संगमरमर के फर्श पर सिर के बल गिर गई थीं। हादसे के बाद वह करीब आधे घंटे तक दर्द से रोती रहीं। डॉक्टरों ने जांच के बाद उन्हें कुछ दिन आराम करने की सलाह दी थी।

डॉक्टरों ने जांच के बाद इसे गंभीर वर्टिगो अटैक बताया था। इसकी वजह ज्यादा तनाव और थकान बताई गई थी। इलाज के बाद उन्हें घर भेज दिया गया। डॉक्टरों ने 15 दिन आराम की सलाह दी थी। उनकी



पुतिन ने नाटो देशों को परमाणु हमले की धमकी दी

चेतावनी

कहा- कलिनिनग्राद पर हमला किया तो सारे हथियार तैयार, यहां 80 साल से रूसी कब्जा

मॉस्को, एजेंसी

रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन ने गुरुवार को NATO देशों को परमाणु हमले की धमकी दी। उन्होंने कहा कि रूस की किसी भी जमीन पर हमला हुआ, तो वह अपने सभी हथियारों से जवाब देगा। पुतिन ने मॉस्को में वल्दाई फोरम के दौरान कहा कि NATO अगर कैलिनिनग्राद को रूस से अलग करने की कोशिश करता है, तो रूस तुरंत जवाब देगा।

कैलिनिनग्राद रूस का एक अलग इलाका है। यह रूस के बाकी हिस्से से जुड़ा नहीं है। यह रूस की सीमा से 300 किमी दूर यूरोप में पोलैंड और लिथुआनिया के बीच स्थित है। दूसरे विश्व युद्ध के बाद 1945 से इस इलाके पर रूस का कब्जा है।

राष्ट्रपति पुतिन ने पश्चिमी देशों और यूरोप पर तनाव बढ़ाने का आरोप लगाया। उन्होंने कहा कि पश्चिमी देश आने वाले वर्षों में रूस के साथ युद्ध की तैयारी की बात कर रहे हैं। उन्होंने बाल्टिक सागर में सैन्य अभ्यास और रूसी जहाजों को जब्त करने का भी जिक्र किया।

उनका बयान मॉस्को की उस चेतावनी के बाद आया, जिसमें NATO से कहा गया था कि कैलिनिनग्राद की रक्षा के लिए रूस परमाणु हथियार इस्तेमाल करने से पीछे नहीं हटेगा।

NATO के चीफ मार्क रुटे ने भी रूस से परमाणु हमले की धमकियां बंद करने को कहा। उन्होंने दावा किया कि रूस चाहता है कि सदस्य देशों का ध्यान बंटे और यूक्रेन की मदद पर जोर कम हो जाए। लेकिन NATO ऐसा नहीं होने देगा।

NATO के सदस्य देशों ने हाल के महीनों में बाल्टिक सागर के आसपास सैन्य अभ्यास किए हैं। अक्टूबर में भी ऐसे अभ्यास की योजना है। पिछले साल NATO ने इस इलाके में 'ऑपरेशन बाल्टिक सेंट्री' शुरू किया था। इसका मकसद समुद्र के नीचे मौजूद संचार केबल और पाइपलाइन की सुरक्षा करना है। 18 अगस्त को NATO ने उत्तरी पोलैंड और बाल्टिक इलाके में सैन्य अभ्यास किया था। इसमें कई विमान शामिल हुए थे। अमेरिकी वायुसेना के मुताबिक, इनमें ईए-37बी कंपास कॉल विमान भी शामिल था जो संचार और रडार सिस्टम को बाधित करने की क्षमता रखता है।



रूसी राष्ट्रपति मॉस्को में वल्दाई फोरम के दौरान बोलते हुए।

दावा- नाटो कैलिनिनग्राद की नाकाबंदी करने की तैयारी कर रहा है

यूरोप में रूस के कई दूतावासों ने इस हफ्ते बयान जारी किए। इनमें कहा गया कि मॉस्को के पास जानकारी है कि NATO कैलिनिनग्राद और पूरे क्षेत्र की हवाई और नौसैनिक नाकाबंदी की तैयारी कर रहा है। रूस ने यूरोपीय नेताओं पर खतरनाक खेल खेलने का आरोप लगाया। रूस का कहना है कि यूरोपीय नेता लगातार यह दावा कर रहे हैं कि मॉस्को किसी दूसरे देश पर हमला कर सकता है या ड्रोन और तोड़फोड़ के जरिए दूसरे देशों में अस्थिरता फैला सकता है। रूस ने इन आरोपों को बेबुनियाद बताया है।





NATO चीफ बेल्जियम के ब्रसेल्स में प्रेस कॉन्फ्रेंस के दौरान। तस्वीर 2 सितंबर 2026 की है।

नाटो ने रूस की परमाणु हथियारों के इस्तेमाल की चेतावनी का विरोध किया है। नाटो की प्रवक्ता एलिसन हार्ट ने बुधवार को कहा, 'हम बल प्रयोग की धमकी और गैर-जिम्मेदाराना परमाणु बयानों की कड़ी निंदा करते हैं।'

उन्होंने कहा कि नाटो कैलिनिनग्राद को निशाना नहीं बना रहा है। नाटो एक रक्षात्मक गठबंधन है और उसकी सैन्य गतिविधियों से रूस के किसी भी इलाके को खतरा नहीं है।

फास्ट न्यूज

ग्रोक ने कैप्टन स्मित मच्छार के नाम का किया गलत अनुवाद

दुबई । उड़ान एफजेड1073 में कॉकपिट के अंदर हुए हमले के दौरान साहस दिखाने वाले कैप्टन स्मित मच्छार की तारीफ प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने भी की थी। हालांकि, पीएम मोदी की पोस्ट का ग्रोक द्वारा किया गया अनुवाद सोशल मीडिया पर चर्चा का कारण बन गया। ग्रोक ने हिंदी में लिखे 'मच्छार' शब्द का शाब्दिक अर्थ लेते हुए कैप्टन के नाम को Captain Mosquito Smith के तौर पर ट्रांसलेट कर दिया।

'क्या यहां कोई डॉक्टर या एक्स्ट्रा पायलट है'

तेल अवीव। बुधवार का दिन था, यूएई से इजराइल जा रही फ्लाईदुबई की उड़ान 1073 हवा में थी और फिर एक ऐसा खौफनाक मंजर सामने आया जिसने हर किसी की सांसें रोक दीं। विमान का ओमान मूल का को-पायलट कथित तौर पर विमान को दुर्घटनाग्रस्त करने की कोशिश में जुट गया और उसने भारतीय कैप्टन पर चाकू से हमला कर दिया। हालांकि भारतीय पायलट की बहादुरी और यात्रियों की सूझबूझ से एक बड़ा विमान हादसा टल गया। अब इस घटना का वीडियो सोशल मीडिया पर खूब वायरल हो रहा है, जो कि विमान के अंदर मचे इस पूरे अफरा-तफरी को साफ-साफ बयां कर रहा है।

सबसे कम समय में आईएसएस पहुंचे नासा के अंतरिक्ष यात्री

वॉशिंगटन । चार अंतरिक्ष यात्री गुरुवार को अंतरराष्ट्रीय अंतरिक्ष स्टेशन पहुंच गए। उन्हें वहां पहुंचने में करीब आठ घंटे लगे, जो किसी अमेरिकी मिशन के लिए अब तक का सबसे तेज समय है। नए दल में कनाडा के एक अंतरिक्ष यात्री भी शामिल है। स्पेसएक्स ने नासा के दल को कमांडर जेसिका वॉटकिन्स के नेतृत्व में अंतरिक्ष स्टेशन भेजा। इस दल के प्रक्षेपण में तीन सप्ताह की देरी हुई थी, क्योंकि ड्रैगन कैप्सूल की ईंधन प्रणाली में रिसाव को ठीक किया जा रहा था।

'इंस्टाग्राम सिर्फ लड़कियों के लिए है'

एलन मस्क के बयान ने सोशल मीडिया पर छेड़ी बहस

वाशिंगटन, एजेंसी

टेस्ला और SpaceX के सीईओ एलन मस्क ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स को एक खास जेंडर के इस्तेमाल का एप बताया है। एलन मस्क ने एक पोस्ट पर रिप्लाई में लिखा, 'इंस्टाग्राम लड़कियों के लिए है।' एलन मस्क ने इस बयान ने सोशल मीडिया पर बहस छेड़ दी है। मस्क ने इससे पहले इसी साल मई महीने में भी सोशल मीडिया की आदतों और ऑनलाइन ट्रेंड्स के बारे में बात करते हुए इंस्टाग्राम के बारे में यही बात कही थी।

एलन मस्क ने ये बात एक्स यूजर गीगर कैपिटल के पोस्ट के जवाब में लिखी। गीगर कैपिटल ने एक्स पर पोस्ट शेयर करते हुए लिखा था, 'आधिकारिक तौर पर मैंने इंस्टाग्राम डिलीट कर दिया है। यह मूल रूप से महिलाओं का एप है। कोई फायदा नहीं।' गीगर कैपिटल के पोस्ट पर रिप्लाई बॉक्स में मस्क ने लिखा, 'Instagram is for girls'। एलन मस्क के इस कमेंट के बाद से सोशल मीडिया पर ये बहस छिड़ गई है कि क्या वाकई इंस्टाग्राम केवल लड़कियों का ही एप है। मस्क ने मई में एक वायरल थ्रेड का जवाब देते हुए इंस्टाग्राम के बारे में चर्चा का जवाब देते हुए लिखा था, 'इंस्टाग्राम लड़कियों के लिए है' और उन पुरुषों का मजाक उड़ाया जो उन्हें अपनी इंस्टाग्राम प्रोफाइल दिखाते हैं।



विमान गिर रहा था, आखिरी मौका था, हनुमान चालीसा पढ़ते हुए कॉकपिट का दरवाजा खोला

मोदी से कैप्टन स्मित बोले घायल था पर हिम्मत नहीं हारी

दिल्ली, एजेंसी

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने शुक्रवार को 174 जान बचाने वाले भारतीय पायलट स्मित मच्छर से करीब 9 मिनट वीडियो कॉल पर बात की। स्मित ने दो दिन पहले दुबई से तेल अवीव जा रहे प्लेन की हाइजैकिंग नाकाम की थी। ओमानी को-पायलट ने उन्हें चाकू मारा। स्मित ने फिर भी प्लेन क्रैश नहीं होने दिया।

मोदी ने स्मित से कहा, पूरा देश आपके लिए प्रार्थना कर रहा था और आपके अच्छे स्वास्थ्य की कामना कर रहा था। आपके साहस और सूझबूझ से कई लोगों की जान बची।

बातचीत के दौरान स्मित ने बताया कि वह विमान उड़ा रहे थे और एक झटके के बाद नीचे गिर गए, जिससे काफी चोटें आईं। इसके बावजूद उन्हें महसूस हो रहा था कि विमान नीचे जा रहा है। स्मित ने कहा, "मुझे पता था कि यह आखिरी मौका है। दरवाजा वहीं था और मैंने उसे खोल दिया। मैं मुश्किल समय में हनुमान चालीसा पढ़ता हूं और उस समय भी पढ़ रहा था। मुझे पता है कि भगवान ने ही हमें बचाया।"

कैप्टन स्मित अभी UAE के अस्पताल में भर्ती हैं। उन्हें कल सऊदी अरब से एयरलिफ्ट करके अबू धाबी ले जाया गया। UAE में भारत के राजदूत दीपक मित्तल ने अस्पताल में कैप्टन स्मित और उनके परिवार से मुलाकात की थी। उन्होंने बताया था कि पायलट की हालत स्थिर है और वे तेजी से ठीक हो रहे हैं। उनका मनोबल भी ऊंचा है। मित्तल ने कहा कि कैप्टन को अच्छा इलाज मिल रहा है और भारतीय दूतावास वहां के अधिकारियों के लगातार संपर्क में है। राजदूत ने कैप्टन स्मित को भारत का बहादुर बेटा बताया। उन्होंने कहा कि हवा में आपात स्थिति के दौरान उनकी बहादुरी से सैकड़ों लोगों की जान बची और एक बड़ी दुर्घटना टल गई।



PM मोदी पायलट स्मित मच्छर से बातचीत करते हुए। 30 सितंबर को इजराइल जा रहे प्लेन में स्मित ने सूझबूझ दिखाकर 174 लोगों की जान बचाई थी।

पीएम से बात करते हुए स्मित भावुक हुए

PM से बात करते हुए स्मित भावुक हो गए। उन्होंने कहा, 'आपका फोन आया, यह मेरे लिए बहुत गर्व की बात है। माफ कीजिए सर, मैं आपके सामने रो रहा हूं। मैंने कभी सोचा भी नहीं था कि मेरी आपसे बात होगी।' मोदी ने कहा कि आपने इतना बड़ा काम किया है कि देश का हर नागरिक और दुनिया के लोग आपको देखना और आपसे बात करना चाहते हैं। आपने हनुमान चालीसा के बारे में जो बताया, उसके लिए मैं आपकी मां गीताबेन को प्रणाम करूंगा कि उन्होंने आपको ऐसे संस्कार दिए। मैं आपके पिता भूपेंद्रभाई को भी प्रणाम करूंगा। मोदी ने कहा कि कल जब मेरी सोनलबेन से बात हुई तो मैं हैरान रह गया। वे इतनी शांति और हिम्मत से बात कर रही थीं। मैंने कल्पना भी नहीं की थी कि ऐसी परिस्थिति में वे इतनी सहजता से बात कर पाएंगी।

उनके पास अच्छे सुझाव, पीएम 5 मौकों पर यूक्रेन जंग का मुद्दा उठा चुके

मोदी दोस्त, फिर भी जंग रोकने को कहते हैं : पुतिन

मॉस्को, एजेंसी

रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन ने गुरुवार को कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी लगातार यूक्रेन युद्ध खत्म करने की बात उठाते हैं। वह हर मुलाकात में युद्ध रोकने और शांति का रास्ता निकालने पर बात करते हैं। पुतिन ने मॉस्को में वाल्दाई फोरम के दौरान कहा,मोदी मेरे अच्छे दोस्त हैं, फिर भी वे लगातार यूक्रेन युद्ध खत्म करने की बात उठाते हैं। वे जल्द युद्ध खत्म करने के पक्ष में हैं। इसके लिए उनके पास अच्छे सुझाव हैं।

उन्होंने कहा कि भारत की विविधता और एकता से प्रेरणा ली जा सकती है। PM मोदी ने राष्ट्रपति पुतिन को सितंबर की मुलाकात के दौरान तिरुक्कुरल किताब की रूसी भाषा में अनुवाद की एक प्रति भेंट की थी। PM मोदी ने राष्ट्रपति पुतिन को सितंबर की मुलाकात के दौरान तिरुक्कुरल किताब की रूसी भाषा में अनुवाद की एक प्रति भेंट की थी।

पुतिन ने गुरुवार को कहा कि रूस यूरोप के किसी देश पर हमला करने की योजना नहीं बना रहा है। हालांकि, अगर रूस के किसी इलाके पर हमला होता है तो वह अपनी सुरक्षा के लिए अपने सभी हथियारों का इस्तेमाल करेगा।



BRICS समिट के दौरान पीएम मोदी और पुतिन की मिले थे। तस्वीर 12 सितम्बर की है।

मोदी ने पिछले महीने भी युद्ध पर पुतिन से चर्चा की थी

पिछले महीने नई दिल्ली में हुए BRICS समिट से पहले पुतिन और मोदी के बीच बातचीत हुई थी। इस दौरान पुतिन ने मोदी को यूक्रेन युद्ध की मौजूदा स्थिति और शांति की कोशिशों के बारे में जानकारी दी थी। फरवरी 2022 में शुरू हुए इस युद्ध को खत्म करने के लिए कई स्तरों पर बातचीत की कोशिशें जारी हैं। इससे कुछ दिन पहले क्रेमलिन के प्रवक्ता दिमित्री पेस्कोव ने भी कहा था कि रूस यूक्रेन युद्ध खत्म करने के लिए भारत की किसी भी शांति पहल का स्वागत करेगा। उन्होंने कहा था कि रूस और भारत बातचीत और कूटनीति के जरिए विवाद सुलझाने के पक्ष में हैं।

पुतिन बोले- भारत की विविधता दुनिया के लिए मिसाल

पुतिन ने भारत की संस्कृति, भाषाओं और एकता की भी तारीफ की। उन्होंने कहा कि भारत का विशाल आकार और विविधता हैरान करती है। पुतिन ने बताया कि बहुत कम लोग यह जानते हैं, लेकिन PM मोदी ने उन्हें बताया था कि भारत की 1.5 अरब आबादी में करीब 60 करोड़ लोग हिंदी बोलते हैं। बाकी लोग अलग-अलग भाषाएं बोलते हैं। इसके बावजूद सभी लोग साथ मिलकर रहते हैं।

पुतिन ने कहा,भारतीय संस्कृति में कुछ अनोखा है। यह दुनिया को सिखा सकती है कि अलग-अलग तरह के लोग अपनी विविधता बनाए रखते हुए एक साथ कैसे रह सकते हैं।

इंसानी कंट्रोल से बाहर हुए ओपनएआई के मॉडल्स

100 से ज्यादा संस्थानों में जबरन घुसपैठ की कोशिश

नई दिल्ली, एजेंसी

चैटजीपीटी बनाने वाली कंपनी ओपनएआई के सिस्टम ने 100 से ज्यादा संस्थानों के सिस्टम में जबरन घुसपैठ की कोशिश की है। कंपनी ने खुद इसका खुलासा किया है।

यह इस बात का संकेत है कि टेस्टिंग स्टेज में ही टेक कंपनियों के हाथ से उनके एडवांस AI मॉडल्स की कमान छूट रही है। AI मॉडल्स ना सिस्टम की सुरक्षा को बायपास कर रहे हैं, बल्कि तय दायरों को तोड़कर इंसानी नियंत्रण से बाहर हो रहे हैं।

कंपनी ने अपने एआई एजेंट की चपेट में आए 100 से ज्यादा संस्थानों को अलर्ट जारी कर दिया है। हालांकि, कंपनी का दावा है कि इन संस्थानों का डेटा चोरी नहीं हुआ है। ओपनएआई ने बचाव में दलील दी कि AI एजेंट्स ने सिस्टम का ताला नहीं तोड़ा, बल्कि सिर्फ बंद दरवाजे को जबरन खटखटाकर और उसका हैंडल घुमाकर अंदर घुसने की कोशिश भर की थी।

जांच में सामने आया है कि इन AI एजेंट्स ने कई वेबसाइट्स को मनमाने और अनाधिकृत कमांड भेजकर उनसे गलत प्रोसेस एग्जीक्यूट कराने का प्रयास किया।

इतना ही नहीं, सुरक्षा तंत्र को चकमा देने के लिए इन एजेंट्स ने वेबसाइट्स को आपस में संपर्क साधने का जरिया (कम्युनिकेशन चैनल) बना लिया और तय सुरक्षा पैमानों को पूरी तरह नजरअंदाज कर बायपास करने की कोशिश की।



चेतावनी : दो पहले से मौजूद, ट्रम्प बोले थे- मिडटर्म इलेक्शन के बाद ईरान पर फिर हमला संभव

अमेरिका ने 9000 सैनिकों वाला युद्धपोत मिडिल ईस्ट भेजा

वॉशिंगटन डीसी, एजेंसी

अमेरिका मिडिल ईस्ट में अपनी सैन्य मौजूदगी और बढ़ा रहा है। करीब 9 हजार सैनिकों के साथ अमेरिका अपना वॉरशिप थियोडोर रूजवेल्ट भी क्षेत्र में भेज रहा है।

फिलहाल USS जॉर्ज डब्ल्यू बुश और USS जॉर्ज वॉशिंगटन पहले से वहां मौजूद हैं। रूजवेल्ट की तैनाती के बाद से अक्टूबर के आखिर तक मिडिल ईस्ट में तीन अमेरिकी एयरक्राफ्ट कैरियर हो जाएंगे।

यह कदम ऐसे समय उठाया गया है, जब राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ईरान पर नए हमलों की चेतावनी दे चुके हैं। उन्होंने 3 नवंबर को होने वाले मिडटर्म चुनाव के बाद ईरान पर हमले की बात की थी। इसके पहले उन्होंने ईरान के सीजफायर प्लान को भी ठुकरा दिया था।

अमेरिकी अधिकारी के हवाले से अल-जजीरा ने बताया है कि नवंबर के आखिर तक ईरान के आसपास अमेरिका के 3 युद्धपोत और 2 मरीन यूनिट तैनात हो सकती हैं।

अमेरिकी रक्षा मंत्री पीट हेगसेथ ने कहा है कि अगर राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ईरान के खिलाफ सैन्य कार्रवाई का आदेश देते हैं, तो अमेरिकी सेना इसके लिए तैयार है। टाइम मैगजीन को दिए इंटरव्यू में ट्रम्प ने बताया कि उन्होंने ईरान के हालिया सीजफायर प्रस्ताव को ठुकरा दिया। ईरान ने होर्मुज स्ट्रेट को फिर से खोलने की पेशकश भी की थी, लेकिन ट्रम्प के मुताबिक यह प्रस्ताव अमेरिका के लिए काफी नहीं था। उन्होंने यह भी कहा कि 3 नवंबर के चुनाव के बाद ईरान पर बमबारी बढ़ाने की संभावना से इनकार नहीं किया जा सकता। अमेरिका और ईरान के बीच जारी युद्ध को लेकर ट्रम्प ने पिछले हफ्ते संयुक्त राष्ट्र महासभा में कहा था कि अगर वह चाहें तो ईरान को पूरी तरह तबाह कर सकते हैं। अमेरिका का कहना है कि ईरान को परमाणु हथियार बनाने से रोकना युद्ध के प्रमुख उद्देश्यों में शामिल है।





USS थियोडोर रूजवेल्ट का नाम अमेरिका के 26वें राष्ट्रपति के नाम पर रखा गया। यह परमाणु ऊर्जा से चलता है।

अडाणी 3 साल बाद फिर देश के सबसे अमीर

संपत्ति 10.85 लाख करोड़ हुई

मुंबई, एजेंसी

फोर्ब्स की 2026 की भारत के 100 सबसे अमीर लोगों की लिस्ट में गौतम अडाणी तीन साल बाद फिर नंबर-1 पर पहुंच गए हैं। अडाणी ग्रुप के चेयरमैन गौतम अडाणी और उनके परिवार की कुल संपत्ति 10.85 लाख करोड़ (11,270 करोड़ डॉलर) आंकी गई है।

पिछले साल के मुकाबले उनकी संपत्ति 1.99 लाख करोड़ (2,070 करोड़ डॉलर) बढ़ी है। डॉलर के लिहाज से वे इस साल लिस्ट में सबसे ज्यादा संपत्ति बढ़ाने वाले कारोबारी भी रहे। हालांकि उनकी संपत्ति अब भी उनके 2022 के 14.43 लाख करोड़ रुपए (15,000 करोड़ डॉलर) के शिखर से नीचे है। रिलायंस इंडस्ट्रीज के चेयरमैन मुकेश अंबानी दूसरे स्थान पर खिसक गए। उनकी संपत्ति 1.80 लाख करोड़ रुपए घटकर 8.3 लाख करोड़ रुपए रह गई। फोर्ब्स के मुताबिक विभिन्न कारोबारों में मार्जिन पर दबाव का असर रिलायंस के शेयरों पर पड़ा है।इस साल सूची में 4 नए नाम शामिल हुए। ये इंडो-एमआईएम के कृष्णा चिवुकुला, अपार इंडस्ट्रीज के कुशल और चैतन्य देसाई, आदित्य इन्फोटेक के आदित्य खेमका और बालाजी वेफर्स के विरानी बंधु हैं।कुशल और चैतन्य की संपत्ति 40,898 करोड़ रुपए, आदित्य खेमका की पारिवारिक संपत्ति 34,643 करोड़ है।



तमसा संकेत
tamsa.newslko@gmail.com

स्वत्वाधिकारी, मुद्रक, प्रकाशक विद्या देवी द्वारा कृष्णा डाइनेस्टी प्रिंटिंग प्रेस म0 न0 195 सेक्टर 6-बी, वृन्दावन योजना, रायबरेली रोड लखनऊ-226 029 (उ0प्र0) से मुद्रित व प्रकाशित।

सम्पादक : विद्यादेवी

समस्त विवादों का न्याय क्षेत्र लखनऊ होगा

समाचार पत्र में प्रकाशित लेख, राजनीतिक विश्लेषण, लेखकों के अपने विचार हैं। सम्पादक का इन विचारों से सहमत होना आवश्यक नहीं हैं।
मो0- 9415799533
R.N.I. NO. UPHIN/2021/83676